RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 5 अंक 351
फरीदाबाद, बृहस्पतिवार, 02 फरवरी, 2023
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

चुनावी साल और बजट 2023-2024 : आयकर स्लैब की सीमा पांच लाख से बढ़ाकर सात लाख की

नौकरी पर खिचड़ी, 47 लाख युवाओं को तीन साल वजीफा

कृषि क्रेडिट कार्ड लोन 20 लाख करोड़ तक बढ़ाने की घोषणा

अब सात लाख तक की आय पर कोई कर नहीं

मोदी सरकार 2.0 के आखिरी पूर्ण बजट में मध्यमवर्गीय लोगों का सबसे ज्यादा ख्याल रखा गया। सरकार ने बजट में टैक्स छूट का एलान कर दिया। अब सालाना सात लाख रुपये तक की कमाई होने पर किसी तरह का टैक्स नहीं देना होगा। यह छूट सिर्फ नई टैक्स रिजीम के तहत मिलेगी। अभी भी इनकम टैक्स रिटर्न भरने के लिए लोगों के पास दो ऑप्शन बने रहेंगे। अभी तक 2.5 लाख रुपये तक की कमाई टैक्स फ्री थी, इसे बढ़ाकर तीन लाख कर दिया गया है। इसका फायदा देश के 50 करोड़ से ज्यादा लोगों को मिलेगा।

बजट पर विशेष पेज -12 देखें

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश का युवा वर्ग वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से नौकरियों की बूस्टर डोज देने की उम्मीद कर रहा था, ताकि भविष्य सुनहरा हो जाए, लेकिन युवाओं की उम्मीद के विपरीत वित्त मंत्री ने पूरे बजट भाषण में रोजगार या जॉब्स शब्द का इस्तेमाल केवल चार बार किया। वित्तमंत्री ने अपने भाषण में 47 लाख युवाओं को तीन साल तक वजीफा देने की बात कही। दूसरी ओर देश का युवा इंटरनेशनल मार्केट में नौकरियों के लिए तैयार हो सके, इसके लिए देश भर में 30 स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर खोले जाने का ऐलान भी किया।

वित्त मंत्री ने आठ साल बाद आयकर स्लैब बदला है और सात लाख की आमदनी पर टैक्स छूट देने की घोषणा कर दी। इस साल 9 राज्यों में और अगले साल देश का चुनाव है। इसका असर बजट भाषण में दिखा। सीतारमण ने कहा कि जब पूरी दुनिया कोरोना और युद्ध के चलते मंदी की राह पर है, तब भारत की ग्रोथ बाकी देशों के मुकाबले मजबूत है।

सरकार ने कृषि क्रेडिट कार्ड (केसीसी) 20 लाख करोड़ बढ़ाने की घोषणा की। यह पिछले साल 18.5 लाख करोड़ रुपये था। इसके अलावा डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर फॉर एग्रीकल्चर से किसानों को खाद बीज से लेकर मार्केट और स्टार्टअप्स तक की जानकारी मिल सकेगी। एग्रीकल्चर एक्सीलरेटर फंड के जरिए गांवों में युवाओं को स्टार्टअप शुरू करने का मौका मिलेगा। चीन से तनातनी के बीच डिफेंस बजट में हथियारों की खरीद के लिए पिछले तीन साल में सबसे कम बढ़ोतरी हुई है।

इस बार कैपिटल बजट महज 10 हजार करोड़ रुपये बढ़ा है, जो 2021 के मुकाबले करीब 12 फीसद कम है। डिफेंस बजट में सबसे ज्यादा रकम सैलरी बांटने के लिए मिली है। पिछले साल के मुकाबले करीब 16 फीसद ज्यादा है। रिटायर्ड सैनिकों के लिए भी अच्छी खबर है। पेंशन बजट में 19 हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है, जो पिछले तीन साल में सबसे ज्यादा इजाफा है। अब डिफेंस बजट 5.93 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है, जो कुल बजट का करीब 13 फीसद है। पिछले साल भी डिफेंस बजट कुल बजट का 13 फीसद ही था। बड़ी बात है कि 85 मिनट के भाषण में वित्तमंत्री ने एक बार भी डिफेंस का जिक्र नहीं किया।

- इस साल नौ राज्यों में चुनाव अगले साल देश का चुनाव
- हथियार खरीदने के लिए बजट में सबसे कम राशि

पी. चिदंबरम ने बताया संवेदनहीन बजट

पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने कहा कि यह संवेदनहीन बजट है, जिसने लोगों की आशाओं को धोखा दिया है। 2023-24 के बजट से पता चलता है कि यह सरकार लोगों और आजीविका के बारे में उनकी चिंताओं से कितनी दूर है। नई कर व्यवस्था का विकल्प चुनने वालों की छोटी संख्या को छोड़कर कोई कर कम नहीं किया गया। 'तर्कहीन जीएसटी दरों में कोई कटौती नहीं की गई है। नई कर व्यवस्था को डिफॉल्ट विकल्प बनाना 'घोर अनुचित, है। यह पुरानी व्यवस्था के तहत सामान्य करदाताओं को मिल रही अल्प सामाजिक सुरक्षा से वंचित करेगा।

हर वर्ग का सपना पूरा होगा : प्रधानमंत्री

बजट पर अपनी प्रतिक्रिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अमृत काल का पहला बजट विकसित भारत के निर्माण की मजबूत नींव रखेगा। हर वर्ग का सपना पूरा होगा। यह बजट गरीब, मध्यम वर्ग, किसान सहित आकांक्षी समाज के सपनों को पूरा करेगा। परंपरागत रूप से अपने हाथों से देश के लिए मेहनत करने वाले विश्वकर्मा इस देश के निर्माता हैं। पहली बार विश्वकर्मा के प्रशिक्षण और सहायता से संबंधित योजना बजट में लाई गई है।

यह बजट नहीं इलेक्शन स्पीच है : खड़गे

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि बजट आगत चुनाव को देखते हुए पेश किया गया है। यह बजट नहीं इलेक्शन स्पीच है। उनकी जो भी बातें उन्होंने बाहर कही है, वैसे जुमले इस बजट में डालकर इसे दोहराया गया है। बजट में महंगाई और मुद्रास्फीति में इजाफा है, जिसपर ध्यान देना चाहिए था। उन्होंने कहा था कि वे हर साल दो करोड़ नौकरियां देंगे। सरकारी भर्तियों के लिए भी कुछ भी नहीं हुआ। गरीब, बेरोजगार के लिए इस बजट में कुछ नहीं है।

बजट आधुनिक भारत के निर्माण में मील का पत्थर बनेगा: खट्टर

प्रदेश के सीएम मनोहर लाल ने केंद्रीय बजट पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री ने समाज के हर वर्ग को ध्यान में रखकर अमृत बजट प्रस्तुत किया है। वित्त मंत्री ने बजट में देश और समाज के प्रति सरकार की जो सात प्राथमिकताएं बताई हैं उनसे समाज के हर वर्ग का कल्याण होगा। अमृत काल में प्रस्तुत किया गया यह बजट आधुनिक भारत के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगा।

टैक्स स्लैब में हुआ बदलाव

सालाना आय	अब टैक्स
0-3 लाख	कुछ नहीं
3-6 लाख	05 प्रतिशत
6-9 लाख	10 प्रतिशत
9-12 लाख	20 प्रतिशत
15 लाख +	30 प्रतिशत

सस्ता

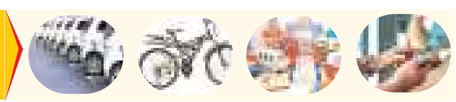

- प्रयोगशालाओं में निर्मित हीरों को बढ़ावा देने के लिए सीमा शुल्क में छूट
- मोबाइल पुर्जों और कैमरा लेंसों के आयात शुल्क में छूट का प्रावधान।
- हरित मोबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए आयात सीमा शुल्क में छूट।

महंगा

- सिगरेट पर आकास्मिकता शुल्क को 16 फीसदी बढ़ाया गया।
- ब्लेंडेड सीएनजी पर जीएसटी हटेगा, कीमतों में आएगी कमी
- कंपाउंडेड रबड़ पर बेसिक इंपोर्ट ड्यूटी 10 फीसदी से बढ़ाकर 25 फीसदी की गई।
- सोने के बार से बने आभूषणों पर कस्टम ड्यूटी में इजाफा।
- किचन में इस्तेमाल होने वाली इलेक्ट्रॉनिक चिमनी पर कस्टम ड्यूटी 7.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत की गई।

बजट की 10 बड़ी बातें : ऊर्जा, किसान और मिडिल क्लास के साथ सब पर ध्यान

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार 1 फरवरी 2023 को वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए आम बजट पेश कर दिया है। यह मोदी सरकार का दसवां आम बजट है। वहीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का यह पांचवां बजट है। मोदी सरकार ने अपने बजट के जरिए लोगों को लुभाने और सभी सेक्टर्स को खुश करने की कोशिश की है। सरकार ने अपने इस बजट में किसानों, मिडिल क्लास, महिलाओं, युवाओं के लिए कई बड़ी घोषणाएं की हैं। आइए आपको बताते हैं बजट की 10 बड़ी बातें, जिनके बारे में जानना आपके लिए बेहद जरूरी है।

47 लाख युवाओं को प्रशिक्षुता प्रोत्साहन : 47 लाख युवाओं को राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रोत्साहन योजना का लाभ मिलेगा। देश में 30 स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर स्थापित किए जाएंगे। इंजीनियरिंग संस्थानों में 5जी सेवाओं पर आधारित 100 लाइब्रेरी बनेंगी। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिलेट रिसर्च को एक्सीलेंस सेंटर के के रूप में सपोर्ट किया जाएगा।

ऊर्जा क्षेत्र में 35 हजार करोड़ का निवेश: ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में 35 हजार करोड़ रुपये का पूंजी निवेश। ग्रीन मोबिलिटी को बढ़ाने के लिए इम्पोर्ट पर लगने वाली कस्टम ड्यूटी में छूट। केंद्र सरकार की पुरानी गाड़ी और एम्बुलेंस को नष्ट करने के लिए मदद की जाएगी। प्रदूषण करने वाली गाड़ियों को रिप्लेस करने के लिए यह एक अहम कदम है।

खेती स्टार्टअप को बढ़ावा मिलेगा : कृषि के लिए डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर बनेगा। देश में खेती से जुड़े स्टार्टअप को प्राथमिकता दी जाएगी। खाद के वैकल्पिक तरीकों को अपनाने के लिए पीएम प्रणाम योजना शुरू होगी। गोवर्धन स्कीम के तहत 500 नए प्लांट्स लगेंगे। लंबे रेशेदार कपास का प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए पब्लिक प्राइवेट भागीदारी से क्लस्टर बेस्ड मॉडल अपनाया जाएगा।

राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी बनेगी : बजट में 157 नए नर्सिंग कॉलेज खोले जाने की घोषणा की गई है। बच्चों और किशोरों के लिए राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित की जाएगी। अध्यापकों के लिए उत्कृष्ट संस्थान शुरू किए जाएंगे। अगले 3 साल में 740 एकलव्य मॉडल स्कूलों को मिलेंगे 38800 टीचर्स और स्टाफ रखा जाएगा। एक लाख प्राचीन पुरालेखों के डिजिटलाइजेशन की घोषणा की गई है।

प्रॉपर्टी को मिलेगा बढ़ावा: पीएम आवास योजना में निवेश को 66 फीसद बढ़ाकर 79000 करोड़ किया जा रहा है। एअर कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए 50 नए एयरपोर्ट, हैलीपैड, ड्रोन और लैंडिग ग्राउंड बनाएं जाएंगे। सभी शहरों और कस्बों में मैनहोल और सैप्टिक टैंक की सफाई पूरी तरह मशीन से की जाएगी। जनजातीय समूह को घर, साफ पानी, पीएम प्रिमिटिव वलनरेबल ट्राइबल ग्रुप्स डेवलपमेंट मिशन लॉन्च किया।

कस्टम ड्यूटी घटाई : कपड़ा और कृषि के अलावा अन्य चीजों पर कस्टम ड्यूटी 21 फीसद से घटाकर 13 फीसद की गई। 3 करोड़ के टर्नओवर वाले माइक्रो उद्योग को टैक्स में छूट दी जाएगी। कैमरा, मोबाइल और टीवी पर कस्टम ड्यूटी 2.5 फीसदी घटाई गई। वरिष्ठ नागरिक खाता स्कीम की सीमा 4.5 लाख से बढ़ाकर 9 लाख की गई।

क्रिप्टोकरंसी का नहीं हुआ जिक्र : इस साल के बजट में भी क्रिप्टोकरंसी को लेकर बड़े एलान होने की संभावना थी, हालांकि, वित्त मंत्री के भाषण में इसका जिक्र तक नहीं हुआ। पिछले बजट में सरकार ने क्रिप्टोकरंसी से होने वाले मुनाफे पर 30 फीसदी का टैक्स लगाया था।

पीएम कौशल विकास योजना 4.0 : प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 की शुरुआत की जाएगी। सिलेबस में कोडिंग, एआई, रोबोटिक्स और 3डी प्रिंटिंग शामिल होगा। स्किल डेवेलपमेंट के लिए 30 स्किल इंडिया नेशनल सेक्टर खोले जाएंगे।

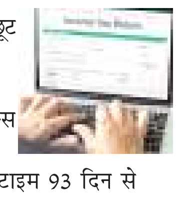

इनकम टैक्स स्लैब बढ़ाया : इनकम टैक्स छूट की सीमा 3 लाख से बढ़ाकर 7 लाख रुपये की गई। 7 लाख तक सालाना कमाने वालों को कोई टैक्स नहीं देना होगा। इनकम टैक्स स्लैब को 6 से घटाकर 5 किया गया। इनकम टैक्स रिटर्न का एवरेज प्रोसेसिंग टाइम 93 दिन से घटाकर 16 दिन किया गया।

हीरे सस्ते होंगे, चांदी महंगी : लैब में बने हीरे सस्ते होंगे, क्योंकि इनकी मैन्युफैक्चरिंग में इस्तेमाल होने वाले सीड पर ड्यूटी कम की गई। चांदी और इमिटेशन गहने महंगे होंगे, क्योंकि चांदी से बनी वस्तुओं पर कस्टम ड्यूटी बढ़ाई गई।

गुलमर्ग में एवलांच, दो विदेशी टूरिस्ट की मौत

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मशहूर टूरिस्ट प्लेस गुलमर्ग में बुधवार को एवलांच हुआ है। स्की रिसॉर्ट इसकी चपेट में आ गया। हिमस्खलन में पोलैंड के दो टूरिस्ट की मौत हो गई, जबकि 19 विदेशी नागरिकों को बचाया गया है। एसएसपी बारामूला ने बताया कि हिमस्खलन की जानकारी मिलते ही स्थानीय प्रशासन ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है। अभी कहा नहीं जा सकता है कि बर्फ में कितने लोग दबे हैं। बारामूला पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि एवलांच की चपेट में आए लोग हादसे के दौरान ढलान पर थे। एवलांच में मरने वाले दोनों पोलिश नागरिकों के शव बरामद कर लिए गए हैं। उन्हें मेडिको-लीगल प्रोसेस के लिए अस्पताल ले जा रहे हैं। लोग ढलान पर बैठकर बर्फ का लुत्फ उठा रहे थे। तभी हिमस्खलन होने लगता है और लोग अपनी जान बचाने के लिए भागते हैं।

ट्रक-मिनीट्रक भिड़ंत में पांच मजदूरों की मौत

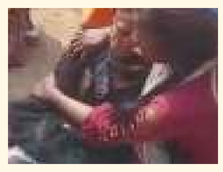

भोपाल। मध्यप्रदेश के बुरहानपुर में एक दर्दनाक हादसे में पांच मजदूरों की मौत हो गई। हादसे में सात लोग घायल हो गए। इनमें तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। फिलहाल घायलों को खकनार के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। हादसा बुरहानपुर जिला मुख्यालय से करीब 62 किलोमीटर दूर देड़तलाई में हुआ, यहां एक पेट्रोल पंप के पास दोपहर करीब तीन बजे गन्ने से भरे ट्रक ने मजदूरों से भरी आयशर को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पांच मजदूरों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

नब दास के निजी सुरक्षा अधिकारी निलंबित, हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज करेंगे जांच की निगरानी

भुवनेश्वर। ओडिशा पुलिस ने बुधवार को दिवंगत मंत्री नब किशोर दास के निजी सुरक्षा अधिकारी को ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में निलंबित कर दिया। अधिकारी ने बताया कि ब्रजराजनगर थाने के प्रभारी निरीक्षक और गांधी चौक पुलिस चौकी के प्रभारी का तबादला कर दिया गया है। मंत्री नब दास की हत्या के बाद राज्य सरकार ने मंगलवार को झारसुगुड़ा के पुलिस अधीक्षक और ब्रजराजनगर के अनुमंडल पुलिस अधिकारी का तबादला कर दिया था। 29 जनवरी की शाम को झारसुगुड़ा जिले के ब्रजराजनगर में एक पुलिसकर्मी ने 60 वर्षीय दास को गोली मार दी थी। इसके कुछ घंटों बाद मंत्री की मौत हो गई थी। नब दास यहां एक कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। ओडिशा पुलिस ने सहायक उप-निरीक्षक गोपाल दास को मंत्री को गोली मारने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

शहर का तापमान
- अधिकतम 22.00 डिग्री सेल्सियस
- न्यूनतम 10.00 डिग्री सेल्सियस

शहर में आज

- गांव टीकावली और बदशाहपुर में एचआईवी जागरूकता कार्यक्रम: सुबह 11 बजे
- बजट को लेकर सैमीनार : शाम 6.30 बजे
- बीके सिविल अस्पताल की ओपीडी शुरू: सुबह 9 बजे
- शहर में जगह-जगह वैक्सीनेशन: सुबह 10 बजे

निवेश गुरु

हर व्यक्ति अमीर बनना चाहता है। भविष्य की जरूरतों के लिए लोग छोटी-मोटी बचत तो कर लेते हैं, लेकिन बचत और निवेश का सही तरीका पता नहीं होने की वजह से वे अमीर नहीं बन पाते। अगर आप निवेश में अनुशासन बनाये रखें तो आप भी करोड़पति बन सकते है। इक्विटी म्युचुअल फंड में नियमित निवेश कर लंबी अवधि में अपने वित्तीय लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं। म्युचुअल फंड से मिलने वाला रिटर्न हालांकि शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव पर निर्भर करता है, लेकिन लंबी अवधि में एसआईपी के जरिए किया गया निवेश अच्छा रिटर्न देने में कामयाब रहा है।

यूटीलिटी न्यूज

अमृत के समान बजट : विधायक

फरीदाबाद। विधानसभा क्षेत्र के विधायक नरेंद्र गुप्ता ने आम बजट को अमृत बजट करार दिया। उनके मुताबिक बजट में हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। वित्तमंत्री ने कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में बजट में प्रावधान किए हैं। इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव बड़ी राहत है। यह बजट किसान, व्यापारी, हर वर्ग के लिए बेहतरीन बजट है। अब आयकर के 5 स्लैब ही होंगे। 9 लाख रुपये तक की कमाई पर 45 हजार रुपये टैक्स देना होगा। वरिष्ठ नागरिकों के प्रति प्रावधान भी स्वागतयोग्य है। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुरूप यह बजट लाया गया है।

क्विक न्यूज

इको क्लब का कार्यक्रम आयोजित

फरीदाबाद। इको क्लब सोसायटी फरीदाबाद द्वारा आईपी कॉलोनी में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम मे लोगों को जागरूक किया गया की वेस्ट को कैसे उपयोग में लाया जा सकतो है। इको क्लब और वाओ कंपनी ने रीसाइकिल्ड वेस्ट से बने दो बेंच क्लब को भेंट किए। क्लब के मेंबर पूरी कॉलोनी से ड्राई वेस्ट के एवज मे इकट्ठा कर कंपनी को देते है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वार्ड काउंसलर अजय बैसला के साथ मीणा पांडे, मुनिराज भामबरी, ममता श्रीवास्तव, नीता गुप्ता, शालिनी अग्रवाल आदि अन्य गण्यमान्य कार्यक्रम मे उपस्थित थे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण ऑर्गेनिक सब्जियों का स्टॉल था जहा कॉलोनी के निवासियों ने खूब खरीदारी की।

बजट 2023 : सरकार ने प्रत्येक वर्ग के हितों का रखा पूरा ख्याल

विपक्षी बोले महंगाई की मार और मंदी को दूर करने का नहीं किया प्रयास

एफआईए हॉल में केंद्र सरकार का बजट देखते लोग।

भारतीय प्रवासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अपने साथियों के साथ बजट देखते हुए।

डीएलएफ इंडस्ट्रियल एसोसिएशन अध्यक्ष जेपी मल्होत्रा अन्य उद्योगपतियों के साथ बजट देखते हुए।

राजेश दास। फरीदाबाद

केंद्रीय वित्तमंत्री निर्माण सीतारमण संसद में पेश किये गए इस साल के बजट की चौरफा प्रशंसा की जा रही है। इस बार में प्रत्येक वर्ग को राहत देने का प्रयास किया गया है।

देश में लगातार बढ़ रही महंगाई गरीब और मध्यम वर्ग के लोग काफी परेशान है। इसलिए केंद्रीय वित्तमंत्री ने बजट में मध्यम वर्ग को ध्यान में रखते हुए आयकर सीमा पांच लाख रुपये से बढ़ाकर सात लाख रुपये कर दी है। आयकर सीमा बढ़ाने से देश की एक बड़ी आबादी को काफी राहत मिली है। शिक्षा के क्षेत्र में सुधार लगाने के लिए सरकार ने बजट में कई प्रावधान किए हैं। जिसके तहत 740 एकलव्य मॉडल स्कूलों के लिए अगले तीन वर्षो में 38 हजार शिक्षक और सहायकों की भर्ती करने का फैसला लिया गया है। इसके साथ ही सरकार ने एमएसएमई यानी छोटे उद्योगों को काफी राहत देने का काम किया है। कोरोना की वजह से मंदी की मार झेल रहे छोटे उद्योगों को कई तरह की राहत देकर फिर उठाने का प्रयास केंद्र सरकार ने किया है। दूसरी तरफ विपक्षी दलों द्वारा इस बजट को खोखली घोषणाओं का बजट करार दिया जा रहा है।

भाजपा अटल कमल कार्यालय जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा कार्यकर्ताओं संग बजट देखते हुए।

मध्यम वर्ग को बड़ी राहत : केंद्रीय वित्तमंत्री सीतारमण ने बजट में आयकर सीमा बढ़ा कर देश की बड़ी जनसंख्या को राहत देने का काम किया है। खासकर आयकर सीमा बढ़ाने से औद्योगिक नगरी फरीदाबाद के लोगों को काफी राहत मिली है। शहर की कुल आबादी का बड़ा हिस्सा उद्योगों पर निर्भर है। मजदूर वर्ग को छोड़ कर काफी संख्या में लोगों की वार्षिक आय पांच लाख रुपये या इससे ज्यादा है। आयकर छूट की सीमा सात लाख रुपये तक बढ़ाने से मध्यम वर्ग को राहत मिली है। टैक्स सीमा से बाहर होने के कारण यह वर्ग महंगाई की मार का सामना कर सकेगा। शहर के उद्योगपति, व्यापारी सहित अनेक लोगों ने बजट की प्रशंसा की है।

एमएसएमई उद्योगों को राहत : यूं तो कोरोनाकाल में छोटे, मझोले और बड़े सभी उद्योगों पर बुरा असर पड़ा था। समय गुजरने के साथ बड़े उद्योग तो नुकसान से उबरने में कामयाब हो गए लेकिन भारी संख्या में छोटे उद्योग आज भी मंदी की मार झेल रहे हैं। आद्यौगिक नगरी में हजारों की संख्या में छोटे और मझोले उद्योग मौजूद है। जिनमें काम कर लाखों मजदूर अपने परिवारों का पालन पोषण करते हैं। इनमें से अनेक उद्योग कोरोना के बाद बंद होने के कगार पर पहुंच गए थे। जिसका असर मजदूरों के रोजगार पर पड़ रहा था। केंद्र सरकार ने बजट में छोटे व मझोले उद्योगों की परेशानी दूर करने के विशेष कदम उठाए हैं। एमएसएमई सेक्टर के उद्योगों को ऋण देने के लिए नौ हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। साथ इनकी क्रेडिट लिमिट एक साल और बढ़ा दी है। बजट में छोटे उद्योगों बड़ी राहत यह दी गई है कि जब तक उन्हें अपने माल का भुगतान नहीं मिल जाता, तब तक खरीदार बिल को अपने खर्चो में नहीं डाल पाएगा। सरकार के इस कदम से छोटे उद्योगों को समय पर भुगतान मिल सकेगा। कोरानाकाल में काम बंद होने से जिन उद्योगों की सिक्योरिटी मनी जब्त की गई थी, वह राशि 95 प्रतिशत तक लौटा दी जाएगी।

पर्यावरण का भी रखा ख्याल : वित्तमंत्री ने बजट में पर्यावरण संरक्षण का भी ख्याल रखा है। देश में डीजल और पेट्रोल से चलने वाले वाहनों का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है। इन वाहनों के धुंए से पर्यावरण पर काफी बुरा असर पड़ता है। वहीं देश की बहुत बड़ी राशि डीजल और पेट्रोल आयात करने में खर्च हो जाती है। फरीदाबाद की गिनती तो पहले ही देश के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में होती है। सर्दी में प्रदूषण कम करने के लिए एनजीटी को हर साल यहां कई तरह की पाबंदियां तक लगानी पड़ती है। जिसका असर उद्योगों पर पड़ता है। इसलिए सरकार ने डीजल और पेट्रोल पर निर्भरता कम करने और प्रदूषण से बचाने के लिए सरकार ने ई-वाहनों को बढ़ावा दिया है। ई-वाहनों की बिक्री को बढ़ावा देने के लिए बजट में कीमत कम करने का प्रावधान किया गया है।

बेहतरीन बजट : फरीदाबाद इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल का कहना है कि वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बेहतरीन बजट पेश किया है। लंबे समय से इस तरह के बजट का इंतजार है। सरकार ने किसी सभी वर्गो का पूरा ख्याल रखा है। आयकर छूट सीमा बढ़ा कर सरकार ने खासतौर पर मध्यमवर्ग को राहत दी है।

बजट जनता की आशाओं से बढ़कर: गोपाल शर्मा

भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने ने कहा कि अमृत काल का पहला बजट जनता की आशाओं के अनुरूप है। इस बार का बजट सर्वस्पर्शी व सर्व हितैषी और गरीब एवं मध्यम वर्ग के पक्ष में है । यह सर्वग्राही बजट नए भारत को विकास के पथ पर तीव्रता से आगे लेकर जायेगा। भारत तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है और पूरा विश्व भारत का आर्थिक विकास देख रहा है। सात लाख तक इनकम टैक्स फ्री करना, एमएसएमई के लिए क्रेडिट गारंटी स्कीम, कृषि कोष, 50 अतिरिक्त हवाई अड्डे, हेलीपोर्ट, वाटर एयरो ड्रोन, उन्नत लैंडिंग ग्राउंड का नवीनीकरण, रेलवे में 2.4 लाख करोड़ का निवेश, पीएम आवास योजना बजट 66 फीसद बढ़ाकर 79,000 करोड़, 157 मेडिकल कॉलेजों के साथ 157 नए नर्सिंग कॉलेजों को स्थापित करने की घोषणा, कृषि कर्ज लक्ष्य को बढ़ाकर 20 लाख करोड़ रुपये किया जाना, देश के गरीब को अगले एक साल तक मुफ्त अनाज, मोबाइल फोन और इलेक्ट्रिक व्हीकल को सस्ता करना आदि महत्वपूर्ण निर्णय हैं जिनसे देश में विकास के साथ देश के आम जनमानस और अधिक सशक्त होगा। भारत लगभग 7-8 फीसद ग्रोथ रेट पर आगे बढ़ रहा है। मोदी के नेतृत्व में पिछले 9 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था बहुत मजबूत हुई है और पिछले 9 सालों में देश के आम नागरिकों का जीवन बेहतर हुआ है।

विपक्षी बोले भाजपा सरकार का सिर्फ घोषणाओं का बजट

शहर के विपक्षी दल खासकर कांग्रेस पार्टी के नेता इसे इसे सिर्फ घोषणाओं का बजट करार दे रहे हैं :-

कोरी घोषाएं

एनआइटी 86 विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस विधायक नीरज शर्मा का कहना है कि भाजपा सरकार ने सिर्फ प्रचार प्रसार करने के लिए घोषणाओं का बजट पेश किया है। इससे पहले भी सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अरबों रुपये खर्च करने के दावे कर चुकी है। लेकिन जरूरतमंद और आम आदमी का अपने घर का सपना आज भी अधूरा का अधूरा है।

आंकड़ों की बाजीगरी का नमूना

बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनोज अग्रवाल ने केंद्रीय बजट को 'जनविरोधी' करार देते हुए कहा कि इसमें गरीबों का ध्यान नहीं रखा गया। उन्होंने दावा किया आयकर स्लैब में बदलाव से किसी की मदद नहीं होगी। यह बजट पूरी तरह से अवसरवादी, जनविरोधी और गरीब विरोधी है। यह केवल एक वर्ग के लोगों को लाभान्वित करेगा।

पूरी तरह से आधारहीन बजट

पूर्व विधायक ललित नागर ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बजट पूरी तरह से आधारहीन और दिशाहीन है। यह बजट किसी विशेष वर्ग के लिए फायदेमंद नहीं है, बल्कि पुरानी बोतल में नई शराब की तरह है। इस बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, खेती, मनरेगा आदि का बजट घटा है, जबकि महंगाई, रोजगार, आर्थिक समानता, घटती आय को लेकर कोई योजना नहीं बनाई गई।

पूरी तरह निराशाजनक बजट

वरिष्ठ कांग्रेसी नेता लखन कुमार सिंगला ने बजट को निराशाजनक बताया है। इस बजट में किसान, मजदूर, कमेरा, पिछड़े व आम आदमी के हितों के लिए कोई रियायत नहीं दी बल्कि पूंजीपतियों के लाभान्वित करने का प्रयास किया गया है। भाजपा द्वारा प्रस्तुत किया गए बजट का 12 दिनों तक देशभर में प्रचार प्रसार किया जाएगा। बजट में लोगों के लिए कुछ नहीं है।

घटाया शिक्षा और स्वास्थ्य का बजट

आम आदि पार्टी के जिलाध्यक्ष धर्मवीर भड़ाना ने बजट को दिशाहीन और जन विरोधी बताया। सरकार लगातार शिक्षा और स्वास्थ्य के बजट को घटा रही है। जिससे बच्चों को उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं हो रही है और लोगों के इलाज में भी कठिनाई उत्पन्न हो रही है। भड़ाना के मुताबिक पिछली बार सरकार का शिक्षा का बजट 2.64 करोड़ था जो इस बार घटाकर 2.5 करोड़ कर दिया।

छोटे उद्योगों को राहत

उद्योगपति अजय जुनेजा का कहना है कि कोराना के बाद छोटे उद्योग काफी परेशानी के दौर से गुजर रहे थे। केंद्र सरकार ने बजट में छोटे उद्योगों को राहत देने के लिए कई कदम उठाए हैं जिससे छोटे उद्योग जहां मंदी की मार झेल रहे एक बार फिर उबर सकेंगे। जिससे शहर में रोजगार के अवसरों में भी बढ़ोतरी की सम्भावना है।

हर वर्ग को दी राहत

उद्योगपति नवदीप चावला का कहना है कि वित्तमंत्री सीतारमण ने बजट में सभी वर्गो का पूरा ख्याल रखा है। आयकर छूट सीमा सात लाख कर शहर के लाखों लोगों को राहत दी है। वहीं अन्य वर्गो को भी टैक्स में काफी छूट देने का प्रयास किया है। एमएसएमई को राहत देने के फैसले का फायदा आने वाले लंबे समय तक दिखाई देगा।

समय पर मिलेगा भुगतान

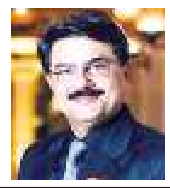

आईएएमएसएमई ऑफ इंडिया के चेयरमैन एवं उद्योगपति राजीव चावला का कहना है कि सरकार ने आम आदमी के साथ-साथ छोटे व मझोले उद्योगों को कई तरह की राहत दी हैं। अब इन उद्योगों को समय पर उनके उत्पाद का भुगतान आसानी से मिल सकेगा, क्योंकि भुगतान किये बिना खरीदार बिल खर्चो में नहीं दिखा सकेंगे।

ग्रामीणों को एक इकाई के रूप में काम करना चाहिए

फरीदाबाद। ग्रामीण गांव का विकास कराने तथा सामाजिक बुराइयों को खत्म करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसलिए ग्रामीणों को एकजुट होकर एक इकाई के रूप में काम करना चाहिए। उक्त विचार बुधवार को जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुमन भान्कर ने गढ़खेड़ा के ग्रामीणों से रूबरू होते हुए कहे। उन्होंने गांव में खेल नर्सरी के 400 मीटर ट्रैक निर्माण का नारियल तोड़कर और महिला सिलाई सेंटर का फीता काटकर उद्घाटन किया। साथ-साथ सरकारी स्कूल के सौंदर्यीकरण के अवलोकन भी किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच प्रतिनिधि विवेक सैनी ने की।

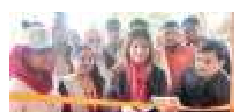

ग्रामीणों को संबोधित करते हुए सीईओ भांकर ने कहा कि गांव में विकास कार्य का पहिया चलता रहेगा। गांव को साफ सुथरा रखने, पानी की समुचित निकासी, सभी घरों में शौचालय, खेल नर्सरी में बच्चों को भेजना, सरकारी भवनों के रखरखाव इत्यादि ऐसे कार्य हैं, जो गांव को विकास की ओर ले जाते है। ग्रामीण सकारात्मक सोच रखते हुए अपनी जिम्मेवारियों का निर्वहन करें तो निश्चित गांव के विकास को नया रूप दिया जा सके। उन्होंने ग्रामीणों से सामूहिक स्वच्छता अभियान चलाने की अपील की करते हुए पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन भी दिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री के मीडिया समन्वयक मुकेश वशिष्ठ, जिप अधिकारी शकील अहमद, एचएसआरएलएम के कार्यक्रम प्रबंधक शिवम तिवारी, परियोजना अधिकारी मनोज, अमृता अस्पताल से रवि कालेंतरे, समूह सदस्य रेशमा, प्रताप सांगवान, बाबूराम कश्यप, पंच जनक कालीरमण, जयराम प्रजापति, सुनील सैनी, जीतू भारद्वाज, योगेश सांगवान और कोच योगेंद्र बीसला सहित अनेक लोग मौजूद थे।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक 9818848494
- मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ 9811477204
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट मोबाइल नंबर- 9255029919
- त्रिलोक,फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
- हितेश सेक्टर 29, 9910533103

मुकद्दर खूब सोता है जगाये से न जगता है
हमारा स्वार्थ ही हमको यहाँ दिन-रात ठगता है
पड़ी बस मुफ़्त की ये आदत, देश का पैसा
जो लगना था तरक्की में वो बर्बादी में लगता है

स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत व आधुनिक बनाने पर जोर

आईसीएमआर की प्रयोगशालाओं में सार्वजनिक और निजी चिकित्सा संस्थाओं को अनुसंधान सुविधा

कविता। फरीदाबाद

कोरोनाकाल के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं की कई खामियां उभर कर सामने आईं थीं। जिसके कारण इलाज के अभाव में अनेक लोगों को जान तक गंवानी पड़ी थी। जिसे ध्यान में रखते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए बजट में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं।

बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र में अनुसंधान और स्वास्थ्य सेवाओं के उच्चीकरण पर जोर दिया है। टेलीमेडिसिन नेटवर्क बढ़ने से सुदूर ग्रामीण इलाकों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ेगी। बजट में स्वास्थ्य को लेकर केंद्री सरकार की तरफ से उठाए गए कदमों के बारे में पायनियर ने स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी कुछ हस्तियों से बातचीत की।

डॉ. पुरुषोत्तम लाल।

इलाज में मददगार बजट : मेट्रो अस्पताल के चेयरमैन डॉ. पुरुषोत्तम लाल ने बताया कि केंद्र सरकार के इस बार के बजट में नए मेडिकल कॉलेज में ज्यादा से ज्यादा लैब की व्यवस्था की जाएगी। स्वाथ्य व्यवस्था में सुधार के लिए नई मशीनें लाई जाएंगी। ताकि भारत में बड़ी से बड़ी बीमारी का सफल इलाज किया जा सके। साल 2047 तक एनीमिया को जड़ से खत्म कर दिया जाएगा।

डॉ. सुशील अहलावत।

संतुलित बजट : डिप्टी सीएमओ डॉ. सुशील कुमार अहलावत ने कहा कि बजट नपा तुला और सुलझा हुआ है। यह बजट सबका ख्याल रखकर बनाया गया है। स्वाथ्य व्यवस्था में सुधार के लिए नई मशीने लाई जाएंगी। ऐसे में भारत में बड़ी से बड़ी बीमारी का सफल इलाज आसानी से किया जा सकेगा।

डॉ. प्रबल रॉय।

हेल्थ सेक्टर को मिलेगी रफ्तार: ग्रेटर फरीदाबाद सेक्टर 86 स्थित एकॉर्ड अस्पताल के चेयरमैन डॉ. प्रबल रॉय ने कहा कि बजट में हेल्थ सेक्टर के लिए की गई घोषणाओं से लोगों को काफी लाभ होगा। नए नर्सिंग कॉलेज खोलने से बच्चों को कम खर्च पर घर के नजदीक अच्छी शिक्षा मिल सकेगी। फार्मा सेक्टर में रिसर्च को बढ़ावा देना बेहतर कदम है।

डॉ. रोहित गुप्ता

स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतरीन कदम : एकॉर्ड अस्पताल के न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. रोहित गुप्ता ने कहा कि देश को एनीमिया मुक्त बनाने के लक्ष्य के साथ नए नर्सिंग कॉलेज और अनुसंधान केंद्रों को लेकर घोषणा सराहनीय कदम है। फार्मास्यूटिकल्स में अनुसंधान के लिए नए कार्यक्रम तैयार कर अनुसंधान में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। सार्वजनिक और निजी चिकित्सा संस्थानों द्वारा अनुसंधान के लिए आईसीएमआर की चुनिंदा प्रयोगशालाओं में सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

अज्ञात मृतक (नाश) की पहचान

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 31.01.2023 को समय सुबह 11 बजे पर एक अज्ञात पुरुष शव, उम्र करीब 60 साल रंग गेहुंआ, लंबूतरा चेहरा, दाढ़ी मूछ बढ़ी हुई, कद 5.8 फीट, जिसने जामुनी रंग की जर्सी, आसमानी रग की कमी, हलके नीले रग का पायजामा, नंग पैर, दुकान नबर 15 ट्रासंपोर्ट नगर, नीयर बाटा मोड, फरीदाबाद के सामने मिला है। जिसको पोस्ट मार्टम के लिए 72 घंटे के लिए सिविल अस्पताल, फरीदाबाद की मोर्चरी में रखवाया गया है। यदि किसी के पास इससे संबंधित कोई सूचना हो तो तुरंत निम्नलिखित नंबरों पर संपर्क करें।

प्रबंधक अफसर थाना सेक्टर-8 फरीदाबाद : फोन नंबर 9582200134
प्रभारी पुलिस चौकी सेक्टर-11 फरीदाबाद : फोन नंबर 9582200166
एएसआई असर खान, सेक्टर-11 पुलिस चौकी : 8901106070

खुदाई के दौरान गैस लीकेज से हो रहीं से आग की घटनाएं

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कभी सीवरेज लाइन की खुदाई, तो कभी अन्य कामों के लिए होने वाली खुदाई के दौरान शहर में जगह-जगह पीएनजी पाइप लाइन फटने से आग लगने की घटनाएं हो रही हैं। लेकिन फिर भी गैस कंपनियों के व्यक्तियों को मौके पर बुलाकर काम नहीं किया जाता है। ऐसे में बड़ा हादसा भी हो सकता है।

बुधवार को भी भारत कालोनी में एक सड़क निर्माण कार्य के दौरान गैस की पाईप लाइनों पर ध्यान नहीं

सड़क बनाने के दौरान जेसीबी से की गई खुदाई में गैस लीक होने से लगी आग

दिया गया। पाईप लाइन जेसीबी से खुदाई के दौरान फटने से आग लग गई। घटना में मौके पर मौजूद एक खाद्य पदार्थ विक्रेता की रेहड़ी में आग लग गई। जिससे उसकी रोजी-रोटी का सहारा छिन गया। शहर में पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी है। लेकिन इसके बावजूद

पाईप लाईन फटने से गैस लीकेज के कारण लगी आग का दृश्य।

अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

पहले भी फटी लाइनें : बुधवार को नहरपार स्थित भारत कालोनी में सड़क की खुदाई के दौरान पाईप लाइन फटने से आग लग गई। करीब आधे घंटे बाद फायर बिग्रेड ने आग पर काबू पाया। इस हादसे में एक रेहड़ी जलकर खाक हो गई। इससे पहले 14 दिसंबर 2020 को बल्लभगढ़ के सेक्टर-दो व 64 की डिवाईडिंग रोड पर सीवर की खुदाई के दौरान पाइप लाइन फटने से दो हजार घरों में चार घंटे गैस सप्लाई बंद हो गई थी।

तीन अप्रैल 2021 को डीएलएफ इलाके में एक कम्पनी के निकट जेसीबी से खुदाई के दौरान पीएनजी पाइप फटने से कंपनी के बाहर खड़ी कई बाइके और कार आग की चपेट में आग गई थी। 23 अक्टूबर 2021 को सारन चौक के समीप खुदाई के दौरान गैस की पाइप लाइन धमाके के साथ फट गई थी। जिससे करीब एक घंटे तक गैस लीक होती रही थी। 25 मार्च 2022 को भी बाईपास रोड पर खुदाई के दौरान गैस की पाइप लाइन फट गई थी।

लोगों का कथन : बुधवार को भारत कालोनी में आग लगने की घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने कहा कि अगर जमीन की खुदाई की जाती है, तो सबसे पहले गैस पाइप लाइन वालों को बुलाना चाहिए। ताकि किसी तरह की कोई घटना घटित न हो। ऐसे में कभी बड़ी घटना भी घटित हो सकती है।

उपराष्ट्रपति करेंगे 36 वें सुरजकुंड अन्तर्राष्ट्रीय शिल्प मेले का शुभारंभ

पिछली बार से दोगुनी होगी विदेशी मेहमानों की संख्या, 45 देशों के विदेशी कलाकारों सहित पूर्वोत्तर के आठ राज्य थीम स्टेट, सभी राज्यों के मुख्यमंत्री व राज्यपाल भी आएंगे मेले में

पर्यटन विभाग के सचिव एमडी सिन्हा, सीपी विकास अरोडा तथा डीसी विक्रम सिंह व अन्य अधिकारी गण मेले की तैयारियों की जानकारी देते हुए।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

भारत के उपराष्ट्रपति जयदीप धनखड़ 36 वें सुरजकुंड अन्तर्राष्ट्रीय शिल्प मेले का शुभारंभ करेंगे। मुख्य सचिव संजीव कौशल ने बुधवार को सूरजकुडं के राजहंस होटल में वीडियो कान्फ्रेंस के जरिये सूरजकुंड मेला की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। पर्यटन विभाग के सचिव एमडी सिन्हा ने जानकारी देते हुए बताया कि पिछली बार से दोगुनी विदेशी मेहमानों की संख्या होगी,वहीं 45 देशों के विदेशी कलाकारों सहित पूर्वोत्तर के आठ राज्य थीम स्टेट, सभी राज्यों के मुख्यमंत्री व राज्यपाल भी मेले में आएंगे। पर्यटन विभाग के प्रधान सचिव एमडी सिन्हा ने कहा कि तीन फरवरी से शुरू होने वाला अंतरराष्ट्रीय सूरजकुंड मेला इस बार अन्य वर्षों की अपेक्षा ज्यादा भव्य व विशाल होगा। उन्होंने बताया कि जी-20 समिट के चलते इस बार मेले में विदेशी मेहमानों की संख्या दोगुनी होगी। ऐसे में एंबेसेडर मीट दो दिन होगी। जी-20 से संबंधित देशों के राजदूत 9 फरवरी को आएंगे और एससीओ से संबंधित देशों के राजदूतों भी आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सूरजकुंड मेला हमारे देश की मजबूत सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। ऐसे में हमें मेले में किसी भी तरह की तैयारियों को लेकर कमी नहीं रखी गई है। उन्होंने कहा कि मेले में इस बार 45 देशों के विदेशी कलाकार हिस्सा लेंगे जिससे विदेशी कलाकारों की संख्या भी पिछले वर्षों की अपेक्षा दोगुनी रहेगी। उन्होंने बताया कि नॉर्थईस्ट के आठ स्टेट हिस्सा ले रहे हैं। ऐसे में इन सभी राज्यों से कलाकार आएंगे। इसके साथ ही वीआईपी भी ज्यादा संख्या में रहेंगे। इनमें नॉर्थईस्ट के आठ राज्यों के मुख्यमंत्री व राज्यपाल भी आएंगे। उन्होंने बताया कि इस दौरान एक दिन विदेशी पत्रकारों का एक दल भी सूरजकुंड मेला परिसर का भ्रमण करेगा। उन्होंने मेले के दौरान पार्किंग व्यवस्था अतिरिक्त करने के निर्देश दिए गए हैं ।

विडियो कान्फ्रेंस में पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा, उपायुक्त विक्रम सिंह, एचएसवीपी के स्टेट आफिसर कम मेला नोडल अधिकारी अमित कुमार, डीसीपी नितीश अग्रवाल, एसडीएम परमजीत चहल, एसडीएम पंकज सेतिया, सीटीएम अमित मान, पर्यटन विभाग के जीएम यूएस भारद्वाज, एजीएम हरविंद्र सहित सभी विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सजेगी सूरजकुंड मेले की हर शाम

प्रवीन शर्मा। फरीदाबाद

डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि 36 वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय हस्तशिल्प मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सजेगी। टूरिज्म विभाग से मिली जानकारी के अनुसार चार फरवरी से पूर्वोत्तर राज्यों का मेले में प्रतिदिन सुबह से लेकर शाम तक मुख्य चौपाल व छोटी चौपाल पर देश के विभिन्न राज्यों के लोक कलाकार, थीम स्टेट पूर्वोत्तर राज्यों और पार्टनर कंट्री एससीओ यानी शंघाई सहयोग संगठन से जुड़े देशों के कलाकार अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे। वहीं अलग से भी प्रतिदिन विशेष कलाकार सांस्कृतिक संध्या को सुरों से सजाएंगे। मेले के सहायक नोडल अधिकारी हरिवंद्र यादव ने बताया कि उद्घाटन वाले दिन तीन फरवरी को स्पेशल क्लासिकल कोरियोग्राफी से इसकी शुरुआत होगी। हरियाणा पर्यटन निगम की ओर से की गई तैयारी के अनुसार मेले में पंजाबी के साथ ही भोजपुरी गीतों की भी धूम रहेगी। चौपाल पर सूफियाना रंग भी जमेगा। उन्होंने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि 3 फरवरी शुक्रवार को कोरियोग्राफी का रंगारंग सास्कृतिक कार्यक्रम होगा। जबकि चार फरवरी को मेजर मिनिगं के साथ पूर्वोत्तर शो टटसो बहने की रंगा रंग सास्कृतिक प्रस्तुति होगी। पांच फरवरी को गायिका मालिनी अवस्थी की प्रस्तुति होगी।

कौशल विकास की दिशा में एक और कदम

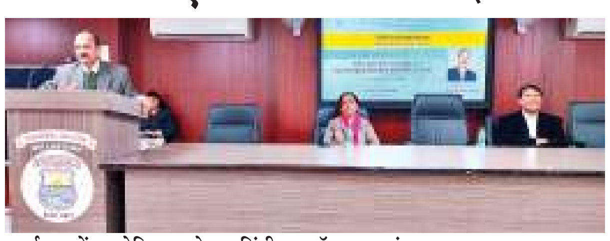

कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए प्रिंसीपल डॉ. कृष्णकांत गुप्ता।

फरीदाबाद। अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ में स्किल हब इनीशिएटिव पीएमकेवीवाई 3.0 के अंतर्गत चलाए जा रहे सर्टिफिकेट कोर्स रिटेल स्टोर ऑपरेशन असिस्टेंट तथा हाउसकीपिंग अटेंडेंट (मैनुअल क्लीनिंग) के सफल विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आरंभ सरस्वती माता के समक्ष दीपशिखा प्रज्वलित करके किया गया। मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता ने सफल छात्रों को शुभ आशीष दी, कहा कि दृढ़ निश्चय, कठोर परिश्रम तथा जुझारू ही सफल होता है। जो विद्यार्थी किसी कारणवश पढ़ाई बीच में ही छोड़ चुके थे स्किल हब इनीशिएटिव के यह सर्टिफिकेट कोर्स कर मुख्यधारा में फिर से जुड़ते हैं। उन्होंने अन्य छात्रों को भी महाविद्यालय में चल रहे अलग-अलग सर्टिफिकेट कोर्सेज से जुड़ने की अपील की। नोडल ऑफिसर डॉ. के.एल. कौशिक ने सर्टिफिकेट कोर्सेज के बारे में बताया। कहा कि महाविद्यालय ने सुनहरा अवसर प्रदान किया है जिसका अधिक से अधिक बच्चों को लाभ उठाना चाहिए। रोजगार पूरा के सर्टिफिकेट कोर्स सभी सरकारी तथा निजी संस्थानों में मान्य है। कार्यक्रम में कमल टंडन, ट्रेनर डॉ. डिंपल सिंघल, डॉ. पूनम रौतेला, डॉ. विनीत नागपाल, उप-अधीक्षक श्री मनमोहन सिंगला, लिपिक श्री सौरभ गुप्ता और श्री महेंद्र कुमार तथा विभिन्न कोर्स के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। सफल विद्यार्थी प्रमाण पत्र पाने को अति उत्सुक थे। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के और अतिथियों तथा छात्रों के जलपान के साथ हुआ।

मेधावी छात्र योजना के लिए करें आवेदन : उपायुक्त

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला के तहत हरियाणा सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा में अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, विमुक्त जाति, घुमंतु एवं अर्ध घुमंतू व टपरीवास जाति के विद्यार्थियों को शिक्षा हासिल करने के लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है। जिसके चलते डा. बीआर अंबेडकर मेधावी छात्र संशोधित योजना के तहत वित्त वर्ष 01-12 2022 से 31-01-23 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए है।

जिला कल्याण विभाग से मिली जानकारी के अनुसार डा. बी.आर. अंबेडकर मेधावी छात्र संशोधित योजना के लिए 10 फरवरी 2023 तक आवेदन किया जा सकता है। आवेदक के परिवार की वार्षिक आय चार लाख रुपए से अधिक न हो। इस योजना के तहत लाभार्थि डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट सरल हरियाणा डॉट कॉम पर जाकर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। उन्होंने आगे बताया कि अनुसूचित

डीसी विक्रम सिंह।

जाति के दसवीं पास आवेदक को शहरी क्षेत्र में 70 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्र में 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर 8000 रूपये की धनराशि, 12वीं पास विद्यार्थी को शहरी क्षेत्र में 75 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्र में 70 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर 8 से 1 0000 रूपये की धनराशि, ग्रेजुएट विद्यार्थी को शहरी क्षेत्र में 65 परसेंट और ग्रामीण क्षेत्र में 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर 9000 से ?12000 रूपये की धनराशि प्रदान की जाएगी। इसी प्रकार पिछड़ा वर्ग ए के आवेदकों के लिए 10वीं पास को शहरी क्षेत्र में 70 प्रतिशत व ग्रामीण क्षेत्र में 60 प्रतिशत अंक वाले को8000 रूपये की धनराशि, पिछड़ा वर्ग बी को दसवीं पास को शहरी क्षेत्र में 80 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्र में 75 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर 8000 रूपये की धनराशि दी जाएगी। इसी प्रकार सामान्य वर्ग के दसवीं पास को शहर 80 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्र में 75 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर ?8000 रूपये की धनराशि प्रदान की जाएगी।

आवेदक को बीआर अंबेडकर योजना के लिए विद्यार्थी द्वारा पास की गई कक्षा की मार्कशीट, हरियाणा का स्थाई निवासी हो का जाति प्रमाण पत्र, फैमिली आईडी व आधार कार्ड, बैंक खाता, वर्तमान कक्षा का आईडी कार्ड तथा माता-पिता और अभिभावक की 400000 रूपये की धनराशि से कम आय का प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए जिला कल्याण अधिकारी कार कार्यालय कमरा नंबर 408 व 409 चौथी मंजिल लघु सचिवालय सेक्टर 12 में संपर्क कर सकते हैं। आवेदन को पूर्ण रूप से भरे अधूरे आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

डिस्पोजेबल इनकम बढ़ाने में मिलेगी मदद

फरीदाबाद। ओमेक्स लिमिटेड के डायरेक्टर फाइनैन्स अतुल बंसल ने कहा कि महामारी और युद्ध के कारण बड़े पैमाने पर वैश्विक मंदी के बावजूद, भारतीय अर्थव्यवस्था में चमक बरकरार रही। इसे और मजबूत करने के लिए सरकार ने इस बजट में अन्य प्रमुख विकास क्षेत्रों के साथ इंफ्रा डेवलपमेंट और युवा शक्ति को बढ़ावा देने पर काफी जोर दिया है। नई कर व्यवस्था से वेतनभोगी वर्ग के हाथों में डिस्पोजेबल इनकम बढ़ाने में मदद मिलेगी। महत्वाकांक्षी मध्यवर्गीय उपभोक्ता आधार को सशक्त बनाने के लिए सरकार द्वारा यह एक उत्साहजनक कदम है। यह संभावित होमबॉयर्स को अपने घर के सपने को साकार करने और आने वाले वर्ष में संपत्ति निवेश में मदद करेगा। बजट में बड़ी बात पूंजी निवेश पर जोर और इसके आवंटन में 33 प्रतिशत की वृद्धि है। इंफ्रा अपग्रेडेशन और रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक अर्बन इंफ्रा फंड की स्थापना की जाएगी। यह विशेष रूप से टियर 2 और 3 शहरों में रियल्टी बाजारों को आगे बढ़ाने की संभावना है।

संक्षिप्त समाचार

सीजेएम किया जिला जेल का औचक निरीक्षण

फरीदाबाद। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण यशवीर सिंह राठौर के दिशा-निर्देश पर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुकिर्ती गोयल ने बुधवार को जिला जेल नीमका फरीदाबाद का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ने वहां रह रहे विचाराधीन बंदियों से रूबरू होते हुए उनकी समस्याओं की जानकारी लेकर उनका समाधान किया। साथ वहां पर बन्दियो से अपील करते हुए कहा कि यदि आपका कोई वकील नहीं है तो वह प्राधिकरण फरीदाबाद से मुफ्त कानूनी सहायता ले सकता है। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान जिला जेल नीमका में स्थित अस्पताल का लंगर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने देखा कि खाना बनाते समय साफ सफाई का ध्यान रखा जा रहा है या नहीं। इस अवसर पर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ने कहा कि यदि आपको किसी भी प्रकार की कोई कानूनी समस्या है या कोई अलग में अपनी शिकायत या समस्या बताना चाहता है तो वह भी कर सकता है। परंतु किसी बन्दी की कोई शिकायत मौके पर ना पाई गई। इस अवसर पर जेल विभाग अधिकारियो के साथ पैनल एडवोकेट रविंद्र गुप्ता, राजेंद्र गौतम, रामवीर तंवर उपस्थित रहे।

महिलाओं को गुड़, चना एवं सैनिटरी नैपकिन किए वितरित

बल्लबगढ़। भारत विकास परिषद की संस्कार शाखा द्वारा 'एनीमिया मुक्त भारत' अभियान के अंतर्गत पिछले 2 साल से हर महीने 75 महिलाओं और बेटियों को सैनिटरी नैपकिन और गुड़ चना वितरित किया जाता रहा है। उसी क्रम में आज भी सैनिटरी नैपकिन एवं गुड़ और चना वितरण का कार्यक्रम अग्रवाल समिति बल्लभगढ़ की लेडीज़ विंग द्वारा किया गया। परिषद की महिला संयोजिका सुनीता रानी ने उपस्थित अतिथियों एवं महिलाओं का स्वागत किया। ऑटो पिन बस्ती स्थित, शाखा द्वारा संचालित संत कबीर स्कूल में राष्ट्रीय बालिका दिवस भी मनाया गया। समिति की लेडीज़ विंग से राजबाला द्वारा गाए गए माता रानी के भजन का सबने आनंद लिया। उन्होंने सभी को रोजाना योग करने के लिए भी प्रेरित किया। हेमा जैन द्वारा बेटियों और महिलाओं को आत्मरक्षा कैसे करें और खुद को मजबूत कैसे बनाएं, इस विषय पर बहुत ही अच्छी जानकारी दी गई।

रूमेटाइड अर्थराइटिस हड्डियों से जुडी बीमारी: डॉ. अनुराग

डॉ. अनुराग अग्रवाल।

फरीदाबाद। रूमेटाइड अर्थराइटिस बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से हर साल 2 फरवरी को रूमेटाइड आर्थराइटिस अवेयरनेस डे मनाया जाता है। रूमेटाइड अर्थराइटिस हड्डियों से जुडी एक ऐसी बीमारी है जो जोड़ों में दर्द, सूजन का कारण बनती है और कार्टिलेज को नुकसान पहुंचाती है। यह एक ऑटोइम्यून डिजीज है जिसमें शरीर की इम्यूनिटी स्वस्थ कोशिकाओं को ही नुकसान पहुंचाती है। यह बीमारी आमतौर पर युवावस्था में शुरू होती है और 30 साल से कम उम्र की महिलाओं में ज्यादा देखने को मिलती है। यह बीमारी अनुवांशिक होती है। यह बात मैरिंगो क्यूआरजी हॉस्पिटल केआर्थोपेडिक्स एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट के डायरेक्टर एवं एचओडी डॉ. अनुराग अग्रवाल ने बताई। उन्होंने कहा कि यह बीमारी खासकर हाथ, पैरों के जॉइंट्स को प्रभावित करती है। शुरुआत में इस रोग में दर्द शुरू होता है, फिर बाद में यह कई अन्य जॉइंट्स को प्रभावित करने लगता है। इलाज न कराने पर हड्डी, मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं और ऑस्टियोपोरोसिस हो सकता है। धीरे-धीरे जॉइंट्स में टेढ़ापन आना शुरू हो जाता है। बॉडी का खराब पोस्चर इस समस्या को ज्यादा बढ़ा सकता है। मरीज को चलने-फिरने में काफी तकलीफ होती है। सर्दी के मौसम में यह समस्या ज्यादा बढ़ जाती है। एक महीने में ओपीडी में लगभग 8-10 मरीज रूमेटाइड अर्थराइटिस के आते हैं जिनमें ज्यादातर 30 वर्ष से कम उम्र की महिलाएं होती है। ऐसे मरीज ज्यादा होते हैं जिनके माता-पिता इस बीमारी से ग्रस्त रहे हैं। उन्होंने कहा कि खासकर हाथ या मल्टीप्ल जॉइंट्स में लगातार दर्द और सूजन को नज़रंदाज न करें। अगर कोई ट्रॉमा की हिस्ट्री नहीं है और अचानक से जॉइंट्स में दर्द है तो इसे गंभीर से लेना चाहिए।

अमृत काल का एक समावेशी बजट

फरीदाबाद। बजट 2023 पर मानव रचना शैक्षणिक संस्थानों के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत भल्ला की प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि बजट 2023 उद्योग-अकादमिक सहयोग पर ध्यान देने और सार्वजनिक-निजी भागीदारी पर निर्भरता के साथ अमृत काल का एक समावेशी बजट है। बजट में सप्तर्षि के रूप में युवा शक्ति और शिक्षा के लिए बढ़ा हुआ परिव्यय 1.12 लाख करोड़ निस्संदेह लक्ष्य का समर्थन करेंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में डिजिटलीकरण और उन्नत तकनीक और उद्योग 4.0 के लिए नए युग के पाठ्यक्रम जैसे कोडिंग, एआइ, रोबोटिक्स, मेक्ट्रोनिक्स, आईओटी, 3डी प्रिंटिंग, ड्रोन और सॉफ्ट स्किल कौशल विकास के लिए माननीय प्रधान मंत्री के सपने को बढ़ावा देंगे। अंतर्राष्ट्रीय अवसरों के लिए युवाओं को कुशल बनाने से भारतीयों को जिम्मेदार और प्रासंगिक वैश्विक नागरिक बनने में मदद मिलेगी। संक्षेप में, बजट 2023 अमृत काल में युवाओं के लिए एक भविष्योन्मुखी बजट है। नई शिक्षा नीति 2020 के लिए एक संबल के रूप में अनुसंधान को बढ़ावा दिया गया है।

सूरजकुंड मेले में स्मार्ट पार्किंग की शुरुआत

बुकमाईशो ने पार्क+ ऐप के साथ सूरजकुंड मेला मैदान में शुरू की स्मार्ट पार्किंग की सुविधा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

36वें सूरजकुंड अन्तर्राष्ट्रीय शिल्प मेला के दौरान विज़िटर्स को परेशानी मुक्त अनुभव प्रदान करने के लिए एक नई तकनीकी सुविधा लाते हुए, हरियाणा पर्यटन और सूरजकुंड मेला प्राधिकरण द्वारा स्मार्ट पार्किंग सुविधा शुरू की गई है।

हरियाणा पर्यटन निगम के प्रबंध निदेशक और सूरजकुंड मेला प्राधिकरण के मुख्य प्रशासक डॉ. नीरज कुमार ने कहा, परेशानी मुक्त अनुभव के लिए स्मार्ट पार्किंग की शुरुआत के साथ सूरजकुंड मेला में पार्किंग सुविधा में क्रांतिकारी बदलाव किया जा रहा है। बुकमाईशो ने पार्क+

मेले में लगा स्मार्ट पार्किंग सिस्टम।

ऐप के साथ मिलकर सूरजकुंड मेला मैदान में स्मार्ट पार्किंग समाधान उपलब्ध कराने का काम किया है। उन्होंने कहा कि आसान भुगतान के लिए फ़ास्टैग सक्षम होगी और विजिटर अब मेला के पास, सरकार द्वारा अनुमोदित पार्किंग क्षेत्रों में पार्किंग स्थल की खोज, बुकिंग और पूर्व भुगतान के लिए पार्क+ ऐप का उपयोग कर सकेंगे। उन्होंने कहा, %यह देश में पहली बार है कि ऐसे आयोजन के लिए इस तरह की उन्नत पार्किंग और ऑनलाइन टिकट बुकिंग तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। हरियाणा पर्यटन और सूरजकुंड मेला प्राधिकरण का यह निरंतर प्रयास है कि हर साल नई तकनीकी सुविधाएं पेश की जाएं और विज़िटर्स को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

सूरजकुंड मेला पार्टनर नेशन के रूप में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) और थीम स्टेट के रूप में भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र की भागीदारी होगी। ऐप-आधारित पार्किंग सेवाओं का उपयोग करने के लिए, विज़िटर्स को पार्क+ ऐप (आईओएस और एंड्रॉइड पर उपलब्ध) डाउनलोड करना होगा, वाहन पार्क करने के लिए स्थान दर्ज करना होगा, पार्किंग स्थल का चयन करना होगा और इसके माध्यम से भुगतान करके निर्धारित समय अवधि के लिए इसे बुक करना होगा।

फोटोजर्नलिस्ट के 10 हजार रुपये लेकर फरार हुआ बदमाश

फरीदाबाद। शहर के वरिष्ठ फोटोजर्नलिस्ट से एक स्कूटी सवार बदमाश धोखे से 10 हजार रुपये लूटकर फरार हो गया। पीड़ित फोटोग्राफर ने पुलिस को शिकायत दी गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाश की तलाश कर रही है।

भूदत्त कालोनी, बल्लभगढ़ के रहने वाले संजय कुमार एक अखबार में फोटोजर्नलिस्ट के पद पर तैनात है। उन्होंने बताया कि बुधवार को करीब 12 बजे वे एक असाइनमेंट पर सेक्टर तीन गए हुए थे। जब वे सेक्टर तीन में टैगोर स्कूल के पास थे, तभी एक स्कूटी पर सवार युवक उनके पास आया। उसने कहा कि उसे सामने खड़े लोगों से गाड़ी की किस्त लेनी है। उसके पास दो हजार रुपये के नोट हैं। उसने संजय कुमार से 10 हजार के छुट्टे रुपये मांगे। संजय ने बातों में आकर जेब में रखे 10 हजार रुपये उस व्यक्ति को दे दिए। उस व्यक्ति ने कहा कि

सीसीटीवी कैमरे में कैद स्कूटी सवार बदमाश की फोटो।

सामने वाले घर से किस्त के रुपये लेने है, आपको रुपये अभी दे देता हूं। इसके बाद वह स्कूटी लेकर धीरे-धीरे चलने लगा। संजय भी उसके साथ पैदल ही चलने लगे। थोड़ी दूर चलकर उसने स्कूटी की स्पीड बढ़ा दी और रुपये लेकर फरार हो गया। संजय ने शोर मचाया लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। आस-पास के लोगों ने बताया कि यह बदमाश इस क्षेत्र में कई लोगों के साथ इस तरह ठगी कर चुका है। सेक्टर तीन चौकी प्रभारी सीमा का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। रुपये लेकर भाग रहा बदमाश सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गया है।

अनुसंधान क्रियाविधि पर कार्यशाला का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अग्रवाल महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।अग्रवाल महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कृष्ण कांत गुप्ता की अगुवाई में हुई कार्यशाला का विषय-अनुसंधान क्रियाविधि रहा।

मुख्य वक्ता डॉ. सुमन गर्ग, सहायक प्रोफेसर (डीएवी शताब्दी कॉलेज फरीदाबाद) ने कहा कि शोध पत्र लेखन के क्रम में तथ्य एवं विचारों के अन्तर को ध्यान में रखना होता है। तथ्य को हम सत्य की तरह स्वीकार कर लेते हैं, इन्हें सिद्ध करने के लिए प्रमाण की आवश्यकता नहीं होती है। शोध प्रपत्र में अनेक विचारधाराओं तथा निरीक्षणों को प्रस्तुत किया जाता है, इसमें किसी प्रकार की आशंका होने पर पुष्टि की जा सकती है। शोध पत्र लिखने के छह सरल चरण बताते हुए कहा कि सर्वप्रथम शोध लेख विषय पर शोध कीजिये। विषय का विशेषज्ञ बनने के लिए इंटरनेट,

कार्यशाला में बच्चों को संबोधित करती डॉ. सुमन गर्ग।

शैक्षिक डेटाबेस और पुस्तकालय का उपयोग करके तथ्यों को जुटाइये और शॉर्ट नोट्स लीजिये। विद्यार्थियों ने अनेक प्रश्न पूछे मुख्य वक्ता ने उनका जवाब दिया। पूजा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला समाप्त हुई। कार्यशाला में वाणिज्य विभाग केशिक्षकडॉ. शोभना गोयल, डॉ. डिंपल, प्रीति अग्रवाल, पंकज, नेहा एवं प्रियंका भी उपस्थित रहे। इस कार्यशाला में कुल 112 स्नातकोत्तर व स्नातक विद्यार्थियों के साथ-साथ विभिन्न विभागों के अध्यापकों ने भाग लिया।

इंटर डिपार्टमेंटल प्रतियोगिता आयोजित: अग्रवाल महाविद्यालय में इंटर डिपार्टमेंटल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में मुख्य रूप से इन खेलों रेसलिंग, वेटलिफ्टिंग, कैरम एंड चैस, बेसबॉल, बॉक्सिंग और बैडमिंटन का आयोजन किया जा चुका है। फरवरी माह में इन खेलों का बैडमिंटन, सॉफ्टबॉल, बास्केटबॉल, स्विमिंग, योगा, क्रिकेट, टेबल टेनिस, टाई कमांडो, वॉलीबॉल, खो-खो और शूटिंग का आयोजन किया जाएगा।

प्राचार्य डॉ. कृष्ण कांत गुप्ता ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य कामना की द्य प्राचार्य जी ने कहा कि केवल मेहनत, लगन, धैर्य ही सफलता का मूल मंत्र है जो जीत का दृढ़ संकल्प मन में रख कर परिश्रम करता है उसे लक्ष्य प्राप्त करने से कोई नहीं रोक सकता। इस अवसर पर खेल संयोजक डॉ. के.एल. कौशिक रविंदर जैन, डॉ. देवेंदर, डॉ. रेखा सैन, पूजा, शारीरिक शिक्षक डॉ. जगबीर सिंह व मोहित हुड्डा मौजूद रहे।

गुरुग्राम में इजराइली तकनीक से तैयार की जा रही सब्जियों की पौध

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में इजराइली तकनीक से सब्जियों की पौध तैयारी की जा रही है। यह तकनीक किसानों को अच्छी गुणवत्ता की पौध देने के उद्देश्य से एक हाईटेक पॉली ग्रीन हाउस के माध्यम से तैयार की गई है। उद्यान विभाग हरियाणा की तरफ से गुरुग्राम में किसानों के लिए यह अच्छी शुरुआत है। अपनी पसंद से संबंधित फसल का बीज देकर उसकी पौध तैयार करवा सकते हैं।

पांच लाख पौधों के तैयार करने की क्षमता रखने वाली इस हाईटेक नर्सरी में किसानों से बेल वाली सब्जियों के पौध उत्पादन के लिए उस पर लगने वाली लागत एक रुपये बीस पैसा प्रति पौधा व अन्य

नर्सरी में तैयार पौध पर किसानों को दिया जा रहा अनुदान योजना का लाभ

सब्जियों के लिए एक रुपया चालीस पैसा उत्पादन खर्च लिया जाएगा। जिला उपायुक्त निशांत कुमार यादव के मुताबिक पौध तैयार होने के उपरांत खुले खेत में फसल तैयार करने वाले किसानों को प्रति पौधा एक रुपया व संरक्षित संरचना में खेती करने वाले किसान को चार रुपये पच्चीस पैसा प्रति पौध की दर से अनुदान दिया जाएगा। अनुदान योजना का लाभ केवल हरियाणा के किसानों को ही दिया जाएगा।

अगेती व पछेती फसल के रूप में कर सकते हैं रोपण : इस योजना के माध्यम से किसान इस पौधे को खेत में रोपित कर अगेती व पछेती फसल का लाभ उठा सकते हैं। नर्सरी में तैयार पौधे में खासियत यह है कि इसमें रोग लगने की संभावना कम रहती है और पौधा समय से अच्छी फसल देने लगता है। डॉ. नेहा ने कहा कि सब्जी व फल की खेती में बाजार भाव ही किसानों की

गुरुग्राम के उद्यान विभाग की नर्सरी में तैयार पौधों की देखरेख करती कर्मचारी।

आय का निर्धारण करता है। अच्छा भाव मिल जाने पर किसान की आय में निश्चित रूप से वृद्धि होती है। यह तभी संभव है कि जब फसल पहले व बाद में मिले। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम सहित साथ लगते अन्य जिलों के किसान भी इस हाईटेक नर्सरी में तैयार पौध का लाभ उठाकर संरक्षित संरचना के माध्यम से मनचाहे समय पर फसल हासिल कर सकते हैं।

हाईटेक नर्सरी में बिना मिट्टी के पौध होती है तैयार

जिला बागवानी अधिकारी डॉ. नेहा यादव ने बताया कि ये पौध हाईटेक नर्सरी में बिना मिट्टी के पौध तैयार की जाती है, जिससे मिट्टी से आने वाली बीमारियों का खतरा नहीं रहता। वहीं कम समय में पौध तैयार होने के चलते किसानों का समय भी बचता है। इस नर्सरी के माध्यम से किसान अपनी फसल की पौध का सर्दी, गर्मी व वर्षा से बचाव करते हुए ऑफ सीजन की पौध भी तैयार करवा सकते हैं। किसान के खेत में अगर फसल खड़ी है तो किसान यहां से पौध तैयार करवाकर अपना समय भी बचा सकते हैं। डॉ. नेहा ने बताया कि नर्सरी में पौध तैयार करवाने के इच्छुक किसान पैन कार्ड, आधार कार्ड, परिवार पहचान पत्र व बीज खरीद का ओरिजिनल बिल सहित जिला बागवानी अधिकारी गुरुग्राम के कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। इच्छुक किसान का मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण होना आवश्यक है।

बच्चे के जन्म वाले दिन ही जन्म प्रमाणपत्र पाकर परिजन हुए खुश

सेक्टर-10 स्थित नागरिक अस्पताल में बुधवार को जन्मे बच्चे की मां को बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र सौंपते सिविल सर्जन डा. विरेंद्र यादव

सिविल सर्जन ने इस सुविधा की शुरुआत के साथ मिठाई भी बांटी

फिलहाल सरकारी डिलीवरी हट में पैदा होने वाले बच्चों के बनेंगे सर्टिफिकेट

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

जन्म प्रमाण पत्र बनाने को लेकर जिला स्वास्थ्य विभाग की ओर से बुधवार को एक नई शुरुआत की गई। अब नागरिक अस्पताल में जन्म लेने वाले हर बच्चे का जन्म प्रमाणपत्र उसी दिन ही जारी होगा। बुधवार को जन्में सभी बच्चों की माताओं को सिविल सर्जन डा. विरेंद्र यादव ने जन्म प्रमाणपत्र देकर इसकी शुरुआत की। साथ ही इन माओं को मिठाई भी वितरित की गई।

इस कार्य को सिरे चढ़ाने की योजना कई दिन से तैयार की जा रही थी। गणतंत्र दिवस पर अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में सिविल सर्जन डा. विरेंद्र यादव ने कहा था कि बच्चे के जन्म वाले दिन ही उसका जन्म प्रमाणपत्र एक फरवरी से जारी करने की शुरुआत होगी। बुधवार को विधिवत रूप से इसकी शुरुआत सिविल सर्जन की ओर से की गई। उन्होंने इस कार्य के लिए अस्पताल के अधिकारियों, स्टाफ के काम को भी सराहा। उन्होंने कहा कि यह सबके प्रयासों से अच्छी शुरुआत है। भविष्य में कभी जन्म प्रमाण पत्र जारी करने में समय न लगे। जिस दिन बच्चे का जन्म हो, उसी दिन यह तैयार करके दे दिया जाए।

फिलहाल सरकारी अस्पतालों, डिलीवरी हट में सुविधा : डिप्टी सिविल सर्जन एवं एडिशनल रजिस्ट्रार जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण डा. नीलिमा ने बताया कि जन्म के दिन ही जन्म प्रमाणपत्र बनाने की प्रक्रिया फिलहाल स्वास्थ्य विभाग के डिलीवरी हट पर ही शुरू की गई है। जिले में छह स्थानों गुरुग्राम नागरिक अस्पताल सेक्टर-10, पटौदी अस्पताल, सोहना अस्पताल के अलावा बोहड़ाकलां डिलीवरी हट, मंदपुरा डिलीवरी हट और घंघोला डिलीवरी हट में जन्म लेने वाले बच्चों के जन्म के दिन ही प्रमाणपत्र बनाने की सुविधा होगी। काफी एरिया नगर निगम गुरुग्राम, नगर निगम मानेसर में आता है। इसके लिए नगर निगमों को भी पत्र लिखा गया है। उन्होंने कहा कि निजी अस्पतालों की ओर से डेटा निगमों को जल्दी भेजा जाएगा तो वहां भी यह सुविधा शुरू हो सकती है।

सांध्यकालीन ओपीडी की भी शुरुआत : बुधवार से ही अस्पताल में सांध्यकालीन ओपीडी की भी शुरुआत की गई। सांय की ओपीडी में ड्यूटी देने वाले स्टाफ का पूरा खाका तैयार करके अस्पताल में जगह-जगह पर चस्पा दिया गया, ताकि सभी को अपनी ड्यूटी के बारे में जानकारी रहे। सिविल सर्जन डा. विरेंद्र यादव ने कहा कि पुराने ढर्रे पर काम करने की बजाय हमें समय के साथ चलते हुए काम में कुछ बदलाव चाहिए। मरीजों को अच्छी, समय पर सुविधाएं देना हमारी प्राथमिकताओं में होना चाहिए।

सरकार हर वर्ष सभी संत-महात्माओं की जयंती मनाएगी

सोहना के अंबेडकर भवन में बुधवार को पटौदी विधायक सत्यप्रकाश जरावता शुक्रवार को मनाई जाने वाली गुरुग्राम में संत गुरु रविदास की जयंती में शामिल होने का न्यौता देते हुए।

सोहना। पटौदी विधायक सत्यप्रकाश जरावता ने कहा कि हरियाणा की भाजपा सरकार ने प्रदेश में सभी संत व महात्माओं की जयंती मनाने का फैसला लिया है। इस क्रम में संत गुरु रविदास की जयंती प्रदेश में शुक्रवार को तीन स्थानों पर मनाई जाएगी।

सत्यप्रकाश जरावता बुधवार को सोहना के अंबेडकर भवन में पहुंचे थे। यहां उन्होंने लोगों को शुक्रवार को गुरुग्राम में मनाई जा रही संत गुरु रविदास जयंती में भारी संख्या में पहुंचने का न्यौता दिया। जरावता ने बताया कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने फैसला लिया है कि महापुरुषों की तरह से संत व महात्माओं की जयंती भी मनाई जाएगी। इसके माध्यम से नवयुवकों को संत महात्माओं के जीवन से ज्ञान प्राप्त होगा। मनोहर लाल सरकार सभी वर्ग के लोगों को समान सम्मान देने और जनकल्याणकारी योजनाओं में एक समान लाभ दे रही है। चिरायु योजना से आज राज्य में सवा करोड़ नागरिकों को लाभ दिया जा रहा है। जबकि हरियाणा की कुल आबादी-सत्ताइस करोड़ है। इतना लाभ चिरायु के माध्यम से देश के किसी अन्य राज्य के नागरिकों को नहीं मिला है। सामाजिक संगठन और संस्थाओं को राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को जानने के बाद उन्हें जनजन तक पहुंचाने का कार्य करना चाहिए। जिससे सरकार की योजनाओं से अंजान व गरीब नागरिकों तक उनका लाभ पहुंच से। गुरुग्राम में संत रविदास जयंती के अवसर पर राजस्थान से सांसद अर्जुनराम मेघवाल होंगे। इस मौके पर उनके साथ बीरसिंह नंबरदार, मूलचंद नंबरदार, सुभाष कोहली, भारत भीमवाल, नगर परिषद पार्षद टेकचंद, ओमप्रकाश, बलबीर, सुशील रोहिल्ला व योगेश तवंर आदि मौजूद रहे।

विधायक जरावता ने संत रविदास की जयंती समारोह का दिया न्यौता

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में संत रविदास जी की जयंती समारोह के लिए गांव सिकन्दरपुर बढ़ा के अम्बेडकर भवन में पटौदी विधायक सत्यप्रकाश जरावता का गांव में पहुंचने पर पगड़ी पहनाकर और पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया। इस दौरान विधायक ने बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष भी नमन किया।

संत रविदास जयंती समारोह के लिए गांव सिकंदरपुर में लोगों को न्यौता देने के दौरान बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष नमन करते विधायक सत्यप्रकाश जरावता।

विधायक सत्यप्रकाश जरावता ने गांव में लोगों को जयंती समारोह में शामिल होने का न्यौता दिया। गांव की तरफ से रामानन्द, गोकल सूबेदार, धर्म सिंह, हरकेश नंबरदार, मनोहर लाल, जगदीश, कुलदीप, ब्लाक मेम्बर राजीव, मेम्बर प्रवीन सहित गांव के प्रमुख लोग उपस्थित रहे। गांव की तरफ से विधायक को भरोसा दिलाया गया कि रविदास जी की जयंती समारोह में बड़ी संख्या में गांव से समाज के लोग शामिल होंगे। विधायक सत्यप्रकाश जरावता ने कहा कि महापुरुषों की बदौलत हर समाज का विकास हुआ है। समाज मुख्यधारा में आया है। उन्होंने कहा कि महापुरुषों के दिखाए मार्ग पर चलकर हम समाज में बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हर महापुरुष ने आपसी भाईचारे, एकता से रहने का संदेश दिया है।

हमें उनके संदेशों, दिखाए मार्ग पर चलकर समाज में भाईचारा कायम करके रहना चाहिए। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल की महापुरुषों की यह अच्छी सोच है कि उन्होंने हर महापुरुष की जयंती मनाने का निर्णय लिया। आज प्रदेश में महापुरुषों की जयंती धूमधाम से सरकार मना रही है। सरकार का सबका साथ सबका विकास का यह नारा भी यहां साकार हो रहा है।

नगर परिषद के सभी वार्ड 21 फरवरी तक स्ट्रीट लाइट से जगमग होंगे

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

नगर परिषद सीमा क्षेत्र में स्ट्रीट लाइटों को ठीक करने के कार्य पर उठ रहे सवालों को लेकर विधायक संजय सिंह ने ठेकेदार को जल्द से जल्द ठीक करने के निर्देश जारी किए हैं। इस पर ठेकेदार ने 21 फरवरी तक सभी स्ट्रीट लाइटों को ठीक करने के लिए तीन टीमों का गठन किया है। सभी टीम एक दिन में एक ही वार्ड की सभी खराब स्ट्रीट लाइटों को ठीक करेंगी।

शहर में खराब स्ट्रीट लाइटों को ठीक करने की कवायद 10 जनवरी से शुरु की गई थी। लेकिन स्ट्रीट लाइटों को ठीक करने का कार्य धीमी गति से चलने के कारण परिषद की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगने लगे थे। फॉरचून एजेंसी के

नगर परिषद सीमा क्षेत्र में खराब स्ट्रीट लाइटों को ठीक करते हुए एजेंसी कर्मचारी।

कर्मचारी एक दिन में 25 से 30 स्ट्रीट लाइटों को ही ठीक कर रहे थे। उक्त समस्या को स्थानीय नागरिकों ने सोशल मिडिया पर वायरल करके परिषद प्रशासन की कार्यप्रणाली पर कार्य धीमा कराने का आरोप लगाया था। अब विधायक संजय सिंह ने जल्द ही और गति देने के लिए ठेकेदार को दिशा निर्देश जारी कर दिए है।

इतना ही नहीं विधायक संजय सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से स्ट्रीट लाइटों को ठीक कर रही एजेंसी के कर्मचारियों लेकर निरीक्षण करने वाले अधिकारियों के मोबाइल नंबर तक सोशल मीडिया पर डाल दिए है। जिसके लिए 31 जनवरी से 21 फरवरी तक परिषद के सभी 21 वार्ड के आम रास्तें लेकर चौक-चौराहे और सड़कें स्ट्रीट लाइट से जगमग होंगे। सोशल मीडिया पर स्ट्रीट लाइट ठीक करने वाली टीम का दिन और तारीख डाल दिया है। विधायक संजय सिंह ने ठीक करने वाली एजेंसी के मालिक को कड़े और सख्त दिशा निर्देश दे दिए है।

दुनिया की 5वीं बड़ी आर्थिक व्यवस्था बना भारत : ओमप्रकाश धनखड़

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

अमृत काल के पहले बजट में देश के समग्र विकास की गति बढ़ाने और समाज के हर वर्ग के उत्थान का ध्यान रखा गया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण द्वारा भविष्य लक्षित बजट पेश करने पर धन्यवाद करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि आज भारत दुनिया की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था से तीसरे पायदान की ओर अग्रसर होगा।

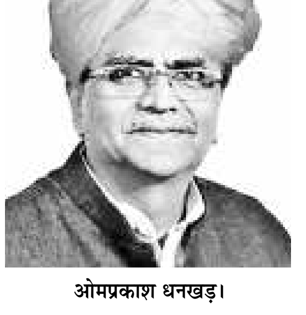
ओमप्रकाश धनखड़।

देश के समग्र विकास की गति बढ़ाएगा अमृत काल का पहला बजट

वंचितों को वरीयता, सहकार से समृद्धि और सभी के हितों का रखा ध्यान

धनखड़ ने कहा कि बजट में देश के 80 करोड़ लोगों के लिए निशुल्क राशन की अवधि एक वर्ष और बढ़ाना, आयकर सीमा सात लाख रुपये करना, रेलवे के लिए अब तक सर्वाधिक बजट दो लाख चालीस हजार करोड़ रुपये का प्रावधान, मोटे अनाज की पैदावार को बढ़ावा देना, एक जिला-एक उत्पाद, सीवरेज मैनहोल की सफाई मशीनों से करवाना, किसानों के लिए कृषि ऋण लक्ष्य को बढ़ाकर 20 लाख करोड़ रूपये, कारीगरों व शिल्पकारों के उत्पादों को एमएसएमई की मूल्य श्रृंखला से जोड़ते हुए गुणवत्ता में सुधार करना, 740 नये एकलव्य स्कूल व 157 नर्सिंग कॉलेज खोलना, नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को बढ़ावा देने के लिए तीन सेंटर ऑफ एक्सिलेंस बनाने की तैयारी, गरीबों को मकान देने के लिए पीएम आवास योजना के खर्च में 66 फीसदी बढ़ोतरी, पूंजीगत निवेश बढ़कर दस लाख करोड़ और ढांचागत विकास पर खर्च बढ़कर दस लाख करोड़ रूपये होना तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था की ओर शुभ संकेत हैं। ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि अमृत काल के प्रथम बजट में देश के समग्र विकास, किसानों, महिलाओं, युवाओं, ओबीसी, एससीएसटी और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों को बढ़ावा दिया गया है। बजट में वंचितों को वरीयता देने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है। कृषि क्षेत्र में डिजिटल तकनीक का उपयोग बढ़ाते हुए फसल, मार्केटिंग इंटेलिजेंस, एग्रीटेक उद्योग और स्टार्टअप से जोड़ा जाएगा।

बजट से आम जनता के मुद्दे गायब, सिर्फ दिखावे का बजट

प्रवीन शर्मा। गुरुग्राम

राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संघ के कार्यकारी अध्यक्ष एवं हरियाणा कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता अशोक बुवानीवाला ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किये गये आम बजट में ऐसा कुछ भी नहीं है, जिसे देशहित में कहा जा सके। बजट में आम जनता के मुद्दों को गायब करके सिर्फ गुमराह ही किया गया है।

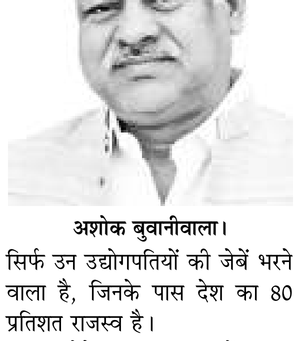
अशोक बुवानीवाला।

बजट में नौकरीपेशा के लिए कुछ नहीं, युवाओं को कुछ नहीं, किसानों को कुछ नहीं और उद्योगों को कुछ नहीं दिया गया। छलावे जैसा यह बजट पेश किया गया है। रक्षा क्षेत्र को लेकर बजट में कुछ नहीं कहा गया। महंगाई से देश की जनता पिस रही है, लेकिन महंगाई का 'म' बोलने से भी वित्त मंत्री ने परहेज किया। जिस दौर में बजट पेश किया गया है, उस दौर में देश की जनता महंगाई से त्रस्त है। इसके बावजूद सरकार का इस ओर कोई ध्यान नहीं गया।

आज जनता के लिए टैक्स स्लैब में कोई राहत ना देकर फिर से जनता को सरकार ने ठगा है। यह बजट सिर्फ उन उद्योगपतियों की जेबें भरने वाला है, जिनके पास देश का 80 प्रतिशत राजस्व है।

उन्होंने कहा कि बजट में मध्यम वर्ग का ध्यान रखने का प्रयास तक नहीं किया गया। जबकि मध्यम वर्ग ही सबसे अधिक टैक्स देता है। बजट में अर्थव्यवस्था में सुधार और रोजगार जैसे अहम पहलुओं से तो दूरी ही बनाई गई है। किसानों के साथ स्वास्थ्य सेवाओं को भी सीधे अनदेखी की गई है। इनकम टैक्स की बात करें तो मात्र तीन लाख रुपये सालाना आय पर कोई टैक्स नहीं होना जनता पर कोई मेहरबानी नहीं कही जा सकती।

वी-लॉजिस ने गाजियाबाद में नई वेयरहाउस सुविधा का उद्घाटन किया

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

वी-ट्रांस (इंडिया) लिमिटेड के एक प्रभाग और भूतल परिवहन से संबंधित मल्टीमॉडल एक्सप्रेस कार्गो मूवमेंट, वेयरहाउसिंग, थ्री पीएल, और ईकामर्स समाधान देने वाली कंपनी वी-लॉजिस ने गाजियाबाद में अपना फुली कम्प्लाइन्स ए-ग्रेड वेयरहाउस लॉन्च किया। 50,000 वर्ग फुट क्षेत्र में नवनिर्मित, यह हब लगभग 15 प्रत्यक्ष और 200 से अधिक अप्रत्यक्ष रोजगार देगा। इस नए लॉन्च के साथ, वी-लॉजिस की अब पूरे उत्तरी भारत में 10 से अधिक शाखाएं और 11 हब सेंटर्स हैं।

यह सुविधा रणनीतिक रूप से राष्ट्रीय राजमार्ग-91 पर स्थापित की गई है, जो बुलंदशहर वाया गाजियाबाद-कानपुर राजमार्ग के रूप में भी जाना जाता है, और आसपास के शहरों से से सीधा जुड़ा हुआ है। पिछले 63 वर्षों से उद्योग में होने के नाते, वी-लॉजिस एक मजबूत और तेज प्रबंधन टीम के साथ के सबसे बड़े उद्योग क्षेत्र में से एक को सेवाएं दे रहा है। प्रतिबद्ध और कुशल टीम के साथ वी-लॉजिस विभिन्न उद्योग आधारित निर्माता ग्राहकों को सेवा दे रहा है। उनके पास उत्तम और प्रभावी देखभाल के साथ विभिन्न उद्योगों के लिए कार्गो हैंडलिंग की विशेषज्ञता है और ग्राहकों की आवश्यकतानुसार समाधान देते हैं। उत्तम तकनीक से संचालन, विस्तृत नेटवर्क, उन्नत कार्यदल और चुस्त मैनेजमेंट प्रैक्टिस के जरिए वी-लॉजिस, माल का पूरी पारदर्शिता के साथ तेज और नुकसान मुक्त परिवहन सुनिश्चित करते हैं।

शहर में संचालित कई बड़े उद्योगों और छोटे उद्यमों के साथ यह सुविधा एक प्रमुख औद्योगिक हब है। गाजियाबाद को गेटवे ऑफ यूपी के रूप में भी जाना जाता है, जिसमें गाजियाबाद औद्योगिक क्षेत्र, साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र, ट्रांस-हिंडन औद्योगिक क्षेत्र और हिंडन विहार औद्योगिक क्षेत्र शामिल हैं। गाजियाबाद सबसे पुराने और सबसे बड़े औद्योगिक क्षेत्रों में से एक है, जहां छोटे और मध्यम आकार के इंजीनियरिंग, ऑटोमोटिव, टेक्सटाइल और फार्मास्यूटिकल्स उद्यम संचालित हैं। ट्रांस-हिंडन औद्योगिक क्षेत्र और साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र में बड़े पैमाने के कपड़ा, इंजीनियरिंग और फार्मास्यूटिकल्स उद्योग हैं।

महेंद्र शाह, ग्रुप चेयरमैन और प्रबंध निदेशक, वी-ट्रांस (इंडिया) लिमिटेड ने कहा कि हम भारत के ऑइल इंजन उद्योग के सबसे प्रसिद्ध केंद्रों में से एक, गाजियाबाद में अपने कारोबार का विस्तार करके बहुत खुश हैं। वी-लॉजिस औद्योगिक हब का हमारी विकास रणनीति में महत्वपूर्ण स्थान है। इसकी सीमा दिल्ली से सटी हुई है और यह उत्तर प्रदेश के मुख्य प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करती है। वी-ट्रांस भारत के साथ-साथ सार्क देशों के व्यवसाय के प्रत्येक क्षेत्र जैसे प्रौद्योगिकी से लेकर टीम के निर्माण तक, ब्रांड इमेज को बढ़ावा देने से तकनीकी विकास और बुनियादी ढांचे तक में काम करने वाली एक विकासशील लॉजिस्टिक समाधान प्रदाता कम्पनी है।

संक्षिप्त समाचार

देश के हर नागरिक के हितों की रक्षा वाला आम बजट

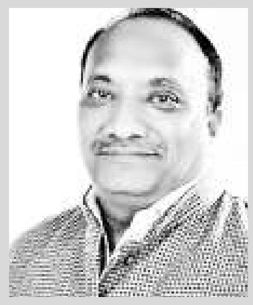
विधायक सुधीर सिंगला।

गुरुग्राम। गुरुग्राम में विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत किया गया आम बजट देश के हर नागरिक के हितों की रक्षा वाला है। हर नागरिकों को इस बजट में शामिल करके राहत देने का काम किया गया है। रोजगार की बात करें तो पीएम 4.0 पीएम कौशल विकास योजना देश के युवाओं को राहत देगी। विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि पीएम कौशल विकास योजना 4.0 के तहत 47 लाख युवाओं को 3 साल तक भत्ता दिया जाएगा। युवाओं को ग्लोबल स्तर की ट्रेनिंग दिलवाकर उनका भविष्य संवारा जाएगा। स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करते हुए 2027 तक एनीमिया खत्म करने का लक्ष्य भी महत्वपूर्ण है। साल 2047 तक बच्चों में खून की कमी को दूर किया जाएगा। भविष्य में मैनहोल साफ करने के लिए उसके अंदर आदमी नहीं उतरेंगे। इसके लिए अलग से सफाई योजना तैयार होगी। यह सारा काम मशीनों से ही किया जाएगा। हालांकि पहले से इस कार्य को किया भी जा रहा है। रोजगार सृजित करने और छोटे उद्योगों को मजबूत करने के लिए, सरकार काफी कदम उठा रही है। महिलाओं के प्रोडक्ट को बाजार में पहुंचाने के लिए बड़े प्रयास किए जा रहे हैं। हरित तकनीक और डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा दिया जा रहा है। इन योजनाओं से एससी, एसटी, ओबीसी और महिलाओं को काफी मजबूती मिल रही है। विधायक सुधीर सिंगला ने बताया कि बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि देश में 80 करोड़ लोगों को अनाज केंद्र सरकार दे रही है। वसुधैव कटुंबकम थीम पर आम लोगों के लिए एजेंडा तय करके स्थायी विकास की कोशिश की जा रही है। प्रति व्यक्ति आय देश में बढ़कर 1.97 लाख रुपये हो गई है। पिछले 9 साल में भारत 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। यह बड़ी उपलब्धि है।

आम बजट में पर्यावरण, स्वास्थ्य की चिंता क्रांतिकारी शुरुआत

नवीन गोयल।

गुरुग्राम। पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा प्रमुख नवीन गोयल ने बजट पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि भारत के आम बजट में इस बार देश के हर नागरिक की सेहत की चिंता करते हुए पर्यावरण और स्वास्थ्य पर बेहतर शुरुआत की गई है। यह एक क्रांतिकारी शुरुआत है। खेती को और अधिक लाभप्रद तथा पर्यावरण अनुकूल बनाने के उद्देश्य से रसायन मुक्त प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिए जाने की घोषणा महत्वपूर्ण है। नवीन गोयल ने कहा कि पर्यावरण में सुधार के लिए ई-वाहनों पर बजट में सरकार ने जोर दिया है। महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों को ई-वाहनों की खरीद पर विशेष छूट मिलेगी। ई-वाहनों का चलन ही हमारे देश के स्वास्थ्य को सुधारेगा। उन्होंने कहा कि खेती, प्राकृतिक खेती, शून्य जैविक खेती और कृषि की आधुनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए देश के कृषि विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में भी इन विषयों को शामिल करना एक नया बदलाव लाएगी। सरकार पहले से पर्यावरण को सुधारने के लिए ई-वाहनों पर ज्यादा ध्यान दे रही है। ऐसे में बिजली चालित वाहनों के क्षेत्र में इस तरह की पहल देश का वातावरण सुधारने में कारगर साबित होगी। इसे व्यापक रूप से बढ़ावा देने के लिए प्राइवेट सेक्टर को और भी मजबूत बनाना, नये व्यापार मॉडल विकसित करने की योजना लाना महत्वपूर्ण है। पर्यावरण प्रदूषण सबसे अधिक शहरी क्षेत्रों में फैलता है। ऐसे में शहरी क्षेत्रों विशेषकर महानगरों में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को ई-वाहनों के रूप में बदलना बड़ा बदलाव लाएगा। वायु प्रदूषण हमारे देश में बड़ी समस्या है। काफी हद तक इस निर्णय से सुधार होगा। उन्होंने कहा कि बजट में ग्रीन इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए संसाधन जुटाने के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान बाजार से उधार के रूप में सावरेन ग्रीन बॉन्ड जारी किए जाने की भी घोषणा सराहनीय है। इससे हरित परियोजनाओं को साकार करने के साथ ही पर्यावरण के क्षेत्र में मदद मिलेगी। यह बजट समर्थ और सक्षम भारत का नया प्रयोग कहा जा सकता है।

यह देश की उम्मीदों का बजटः जीएल शर्मा

जीएल शर्मा।

गुरुग्राम। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से संसद में पेश किए गए बजट को भारतीय जनता पार्टी हरियाणा के प्रदेश उपाध्यक्ष जीएल शर्मा ने सभी तबके के लोगों के लिए सौगात भरा करार दिया है। शर्मा ने कहा कि भाजपा-2 के कार्यकाल में देश के दूरदृष्टा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अमृत काल का लोक कल्याणकारी बजट पेश कर देश के साथ वैश्विक आकांक्षाओं पर खरा उतरने की प्रतिबद्धता को सिद्ध करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि यह बजट हर वर्ग के सपने पूरे करने वाला होगा। यह गरीब किसानों, आदिवासियों, दलितों, पिछड़ों, वंचितों, आर्थिक रूप से पिछड़े तथा मध्यम वर्ग को सशक्त और सक्षम बनाने वाला बजट है। यह बजट बच्चों की पढ़ाई, मध्यम वर्ग की कमाई और बुजुर्गों की भलाई पर बल देने वाला है। यह बजट न केवल देश की जनता के लिए, बल्कि विश्व की उम्मीदों को भी पूरा करने वाला बजट है। ये गरीबों का बजट है। इस बजट में नए भारत का संकल्प साफ दिखाई देता है। भारत की अर्थव्यवस्था आज 5वें नंबर की अर्थव्यवस्था बन चुकी है।

पैक्स कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को याद दिलाए वादे

लघु सचिवालय में हुए विरोध प्रदर्शन में गुरुग्राम तथा नूंह जिले के दर्जनों कर्मियों ने भाग लिया

आक्रोशित कर्मचारियों ने जिला प्रशासन के माध्यम से खट्टर के नाम ज्ञापन भेजा

ज्ञापन सौंपते पैक्स कर्मचारी।

प्रदर्शन कर जुलूस निकालते पैक्स के कर्मचारी।

पायनियर समाचार सेवा। मेवात

दी प्राथमिक कृषि सहकारी समितियां पैक्स कर्मचारी इन दिनों बेहद परेशानी में हैं। परेशान पैक्स कर्मचारियों ने बुधवार को लघु सचिवालय नूंह प्रांगण में इकट्ठे होकर सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन में गुरुग्राम तथा नूंह जिले के दर्जनों कर्मचारियों ने भाग लेकर जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री हरियाणा के नाम ज्ञापन भेजा।

पैक्स कर्मचारियों ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वर्ष 2019 में वेतनमान में बढ़ोतरी की बात कही थी। सहकारी बैंक कर्मचारियों की पदोन्नति का वायदा भी किया था, लेकिन उसका लाभ उन्हें नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 में की गई घोषणाओं को लागू करवाने के लिए सरकार को बार-बार कहा गया। सीएम आवास करनाल, चंडीगढ़ के अलावा सहकारिता मंत्री के रोहतक, बावल तथा रेवाड़ी आवास इत्यादि शहरों में प्रदर्शन किया गया। वेतनमान में खामी को कमेटी ने माना और 2018 में विभाग को रिपोर्ट सौंप दी गई। सरकार के साथ इस बारे में कई बैठकों का आयोजन भी हुआ, लेकिन चार साल बीत जाने के बावजूद भी अधिकतर कर्मचारी सेवानिवृत्त होकर घर चले गए। सरकार के इस समय रवैया से कर्मचारी नाराज हैं।

कलमबंद ही नहीं अनिश्चित कालीन हड़ताल को भी तैयार

पैक्स कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि पैक्स कर्मचारी कलम छोड़ हड़ताल पर चल रहे हैं। जरूरत पड़ी तो कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल भी कर सकते हैं। सरकार के कानों तक आवाज पहुंचाने के लिए इस मामले को मजबूती से उठाया जा रहा है।

छापेमारी से मिलावटी पनीर बनाने वालों में मचा हड़कंप

सीएम फ्लाइंग ने गुर्जर नगला में पनीर बनाने की अवैध फैक्टरी पर की छापेमारी

फैक्टरी मालिक को दिया शोकाज का नोटिस, पनीर के लिए सैंपल

पनीर का सैंपल लेती सीएम फ्लाइंग की टीम।

चिराग गोयल। फिरोजपुर झिरका

खंड के गांव गुर्जर नगला में सीएम फ्लाइंग द्वारा एक पनीर की फैक्ट्री पर छापा मारने का मामला प्रकाश में आया है। मिली जानकारी के अनुसार सीएम फ्लाइंग के रेवाड़ी के डीएसपी रमेश चेची को गुप्त सूचना मिली कि गुर्जर नंगला गांव में मिलावटी पनीर बनाने की अवैध फैक्टरी चल रही है।

जो की अपना बनाया नकली पनीर शहर की दुकानों, होटलों और ढाबों पर सप्लाई करती है। ये पनीर लोगों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। सूचना पर डीएसपी रमेश चेची ने एसआई सचिन कुमार, राजकुमार सीआईडीआई, फारुख एएसआई सीआईडी ने गुर्जर नंगला के महमूद की इस पनीर की अवैध फैक्टरी पर छापा मारा। इस टीम ने फैक्टरी मालिक से लाइसेंस व अन्य दस्तावेज मांगे।

महमूद इस पनीर फैक्टरी का ना कोई दस्तावेज दिखा सका और ना ही उसने लाइसेंस दिखाया। इसको लेकर टीम ने इसको शोकॉज का नोटिस थमा दिया। जिला फूड सेफ्टी ऑफिसर शयाम लाल ने पनीर के सैंपल लिए जिन्हें जांच के लिए लैब में भेज दिए। शोकाज नोटिस का जवाब ना देने पर महमूद के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जायेगी।

संक्षिप्त समाचार

टैक्सी चालक का शव खाली प्लाट में मिला

सोहना। शहर के वार्ड-19 के एक खाली प्लाट की झाड़ियों में एक व्यक्ति का शव लावारिस हालत में पड़ा मिला। मृतक की पहचान जखोपुर निवासी जीतराम (45) के रुप में हो गई है। वह टैक्सी चलाता था और सोमवार की शाम से लापता था। पत्नी आशा ने उसकी गुमशुदगी की शिकायत शहर थाने में दर्ज कराई थी। नागरिक अस्पताल के पीछे से गुजरने वाली सड़क के साथ लगते खाली प्लॉट की झाड़ियों के बीच बुधवार की शाम चार बजे लोगों ने एक व्यक्ति का शव पड़ा देखा तो पुलिस का सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक की शिनाख्त के इरादे से जखोपुर से लापता हुए जीतराम के परिजनों को बुलाया। मौके पर पहुंची जीतराम की पत्नी आशा ने शव की पहचान पति का होने के रूप में की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल के शव गृह कक्ष में रखवा दिया। मामले की जांच कर रहे एसआई अंकित ने बताया कि आशा की शिकायत पर पुलिस ने मंगलवार को ही जीतराम के लापता होने का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी थी। पत्नी आशा और परिजन जीतराम की हत्या किए जाने का आरोप लगा रहे हैं। पत्नी के अनुसार जीतराम शराब नहीं पीता था। उसकी हत्या करने के बाद शव का खुर्दबुर्द करने के इरादे से सूनसान इलाके में फेंक दिया। पुलिस के मुताबिक मृतक जीतराम के शरीर पर किसी प्रकार की चोट का निशान नहीं है। शव सर्दी के कारण अकड़ा हुआ है। जीतराम अपने पीछे पत्नी समेत तीन बेटी व एक बेटा को छोड़ गया है।

बेदाग सेवानिवृति कर्मचारी की सबसे बड़ी दौलतः सुंदर लाल

एमसीडी से सेवानिवृत पुनीराम का स्वागत करते सरपंच सुंदरलाल।

गुरुग्राम। दिल्ली नगर निगम से सेवानिवृत हुए गुरुग्राम के गढ़ी गांव निवासी पुनीराम के सेवानिवृत कार्यक्रम में सरपंच सुंदर लाल यादव ने शिरकत की। उनके स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए उनका सम्मान किया। सुंदर लाल ने कहा कि एमसीडी में पुनीराम ने सदा ईमानदारी से अपना काम किया। अपनी ईमानदारी से ही वे अपने वरिष्ठ अफसरों, ग्रामीणों के सदा चहेते रहे हैं। किसी भी नौकरी में बेदाग सेवानिवृत उस कर्मचारी की सबसे बड़ी दौलत होती है, जिसे हर कोई जीवनभर याद रखता है। ऐसी ही दौलत के धनी हैं पुनीराम। उन्होंने अपने विभाग में रहकर इज्जत कमाई। इसलिए उनकी सेवानिवृत पर गढ़ी गांव के लोगों ने उनका सम्मान भी किया है। समाज में पुनीराम जैसे ईमानदार व्यक्तियों का होना बहुत जरूरी है। अगली पीढ़ियों के लिए भी वे एक उदाहरण हैं। सरपंच सुंदर लाल ने कहा कि हमें ऐसे वरिष्ठजनों का मान करके खुद को गर्व हो रहा है। उन्हें खुशी है कि उनकी सेवानिवृति के अवसर पर उनका सम्मान करने का मौका मिला। इस अवसर पर गांव में पुनीराम की तरफ से भंडारे का भी आयोजन किया गया। इस दौरान राहुल, डीका, संदीप डीका, मुरारी लाल, सोनू स्वैनी, राकेश प्रजापत, मुकेश, पुरुषोत्तम, नेविस, सोनू समेत अनेक ग्रामीण, परिवारजनों ने पुनीराम का मालाएं पहनाकर स्वागत किया।

एक वाहन चोर आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच सेक्टर 56 प्रभारी सुरेंद्र सिंह की टीम ने वाहन चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी का नाम लक्ष्य है। आरोपी फरीदाबाद के भैंसरावली गांव का रहने वाला है। क्राइम ब्रांच टीम ने आरोपी को अपने सूत्रों से प्राप्त सूचना से सेक्टर 55 सोहना रोड टी-पोइंट से फार्च्यूनर गाड़ी सहित थाना कोतवाली के चोरी के मामले में गिरफ्तार किया है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी फॉर्च्यूनर गाड़ी को बेचने की नियत से ले गया था। आरोपी ने मालिक के घर करीब 20 दिन पहले 5 दिन तक नौकरी की थी। उसके बाद लड़की की बीमारी का बहाना करके नौकरी पर नहीं आया। आरोपी 30 जनवरी को सुबह 4.00 बजे गाड़ी की चाबी निकालकर गाड़ी चोरी करके ले गया। आरोपी को पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर जेल भेजा गया है।

20 साल से फरार आरोपी एक गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच सेक्टर-56 और डीएलएफ की टीम ने लूट के मामले में 20 साल से फरार सजा याफ्ता आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी का नाम रमेश है आरोपी मूल रुप से उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के गांव मालव का तथा वर्तमान में महेन्द्रगढ़ जिले के गांव खोड का रहने वाला है। क्राइम ब्रांच टीम ने आरोपी को अपने सूत्रों से प्राप्त सूचना से थाना एनआईटी के वर्ष 2000 के आभूषण, रुपये और अन्य सामान लूट के मामले में भिवाड़ी के नजदीक से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपने साथी बिजेन्द्र व अन्य के साथ मिलकर लूट की वारदात को अनजाम दिया था। जिसमें आरोपी को 7 साल की सजा हुई थी। आरोपी ने करीब 3 साल की सजा कटने पर हाईकोर्ट से जमानत पर आया था। जिसके बाद आरोपी लगातार 20 साल से फरार चल रहा था। आरोपी को पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर जेल भेजा गया है।

एनएसएस शिविर लगा

फरीदाबाद। सेक्टर नौ स्थित डीसी मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बुधवार को एनएसएस विशेष शिविर का तीसरा दिन रहा। क्रियात्मक गतिविधियों में एनएसएस पार्क तथा उसकी देखभाल एवं कचरा निस्तारण की गतिविधि को सुचारू रूप से संपन्न कराया गया। इस अवसर पर समाजसेवी तथा कुशल प्रबंधक मोनिका शर्मा ने बच्चों का मार्गदर्शन किया। बच्चों ने पर्यावरण जागरूकता पर एक रैली भी निकाली और विभिन्न पेड़-पौधों फूलों की क्यारियों इत्यादि के सौंदर्यीकरण का कार्य किया। क्रियात्मक गतिविधियों के पश्चात बच्चों को कदमताल का भी अभ्यास कराया गया। सायंकालीन गतिविधियों में बच्चों ने कविता प्रस्तुति तथा भाषण के द्वारा अपने विचार साझा किए।

पायनियर क्लासीफाइड

◆ नाम परिवर्तन ◆

मैं अमित सिंगला पुत्र श्री संजय कुमार निवासी मकान नं. 813/23, शिव नगर सोनीपत तहसील व जिला हरियाणा ब्यान करता हूं अमित और अमित सिंगला एक ही व्यक्ति के नाम है।

बेदखली सूचना

मैं राजू पुत्र श्री भीम सिंह निवासी महमूदपुर, फतेहपुर बिल्लौच, तहसील बल्लभगढ़, जिला फरीदाबाद का निवासी हूं। मेरे पुत्र मनवीर व उसकी पत्नी अंजलि का व्यवहार मेरे परिवार व अन्य सदस्यों के साथ ठीक नहीं है। हमारे साथ आए दिन गालीगलौज व झगड़ा करते हैं। हम सभी इन दोनों से संबंध विच्छेद कर रहे हैं। ये दोनों किसी से किसी भी प्रकार का कोई लेनदेन, व्यवहार रखते हैं, तो वे उसके स्वयं जिम्मेदार होंगे। हमारी कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

मैं जयभगवान पुत्र श्री लख्मी चंद, निवासी मकान नंबर 174, राजेंद्र नगर, नजदीक टेलीफोन एक्सचेंज सोनीपत तहसील का रहने वाला हूं और बयान करता हूं कि मेरा लड़का सतीश व उसकी पत्नी विशाखा, दोनों पति पत्नी हमसे झगड़ा, गाली गलौज करते हैं। हमारे कहे अनुसार नहीं चलते। ये दोनों किसी से किसी भी प्रकार का कोई लेनदेन, व्यवहार रखते हैं, तो वे उसके स्वयं जिम्मेदार होंगे। हमारी कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल रमेशचंद पुत्र श्री मूलचंद निवासी मकान नंबर-292, गली नंबर-4, नजदीक अग्रवाल स्कूल, संजय एंकलेव, एनआइटी फरीदाबाद (आधार नंबर :- 737609067244) का निवासी है, ने अपने पुत्र उमेश व पुत्रवधू अंजू पत्नी उमेश को उनके व्यवहार से तंग व परेशान होकर दोनों को अपने पूर्ण संबंध विच्छेद कर लिए हैं। वे हमें झूठे केस में फंसाने की धमकी देते हैं। ये दोनों किसी से किसी भी प्रकार का कोई लेनदेन, व्यवहार रखते हैं, तो वे उसके स्वयं जिम्मेदार होंगे। हमारी कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। मेरे मुवक्किल ने इन दोनों को अपनी चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है।

राजेश अहलावत, एडवोकेट, फरीदाबाद

मेवात को खसरा और रुबेला बीमारी से करेंगे मुक्त

एसएमओ पुन्हाना ने प्राचार्यों व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन किया

विश्व स्वास्थ्य संगठन की डॉ निवेदिता ने परस्पर सहयोग और निर्धारित लक्ष्यों के बारे में बताया

मेवात। नीति आयोग द्वारा चलाएं जा रहे आकांक्षी जिला कार्यक्रम के अंतर्गत, देश में तृतीय चरण के खसरा और रुबेला टीकाकरण अभियान में हरियाणा प्रदेश के नूंह (मेवात) जिले में खसरे और रुबेला जैसी बीमारियों से रोकथाम के लिए 06 फरवरी से विशेष टीकाकरण अभियान शुरू किया जा रहा है। इस अभियान के तहत नूंह (मेवात) में 9 माह से 15 वर्ष तक के बच्चों को टीका लगाया जाएगा। इसी क्रम में आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुन्हाना के सभागार में विश्व स्वास्थ्य संगठन, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला व बाल विकास विभाग व कैवल्या एजुकेशन फाउंडेशन के परस्पर सहयोग से खसरा व रुबेला बीमारी की रोकथाम के लिए टीकाकरण अभियान की तैयारियों को लेकर सरकारी व निजी स्कूलों के प्राचार्यों (156) व खंड के सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं (223) की बैठक का आयोजन एसएमओ कपिल देव के मार्गदर्शन में किया गया।

डॉ योगेंद्र ने सबसे पहले बैठक में आएं हुए सभी विद्यालयों के प्राचार्य और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए सरकार के आदेशानुसार खसरा और रुबेला की बीमारियों की रोकथाम हेतु चलाए जाने वाले टीकाकरण अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी मुहैया करवाई। इस दौरान विश्व स्वास्थ्य संगठन से डॉ निवेदिता ने सभी विभागों के परस्पर सहयोग और निर्धारित लक्ष्यों के बारे में बताते हुए विद्यालय की भागीदारी व जिम्मेदारी पर विशेष बल दिया क्योंकि इस अभियान के 65 प्रतिशत से ज्यादे लाभार्थी विद्यालयों में है, इसी कारण से इस अभियान की शुरुआत विद्यालयों से किया जा रहा है, उन्होंने ये भी स्पष्ट किया की ये टीका शत प्रतिशत सुरक्षित है और इसका प्रभाव भी 95 प्रतिशत से ज्यादे हैं। खण्ड शिक्षा अधिकारी धर्मवीर सिंह ने सभी प्राचार्य से स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम को इस अभियान में सहयोग करने की अपील की और साथ ही अभिभावकों के साथ समुदाय में बैठक करके टीकाकरण के बारे में अधिक से अधिक जागरूक करने की अपील की, जिससे सभी अभिभावक इस अभियान के प्रति जागरूक हो सकें। कैवल्या एजुकेशन फाउंडेशन से चंदन वर्मा ने विद्यालय प्रबंधन समिति, पंचायत समिति के सहयोग से लोगों को खसरा टीकाकरण अभियान के प्रति जागरूक करने की बात कहीं। उन्होंने कहा कि लोगों के जहन में जो भ्रातियां है उसे दूर करना बहुत जरूरी है तभी हम जल्द से जल्द लक्ष्य को पूरा कर पायेंगे, इस अभियान में कैवल्या एजुकेशन फाउंडेशन की पूरी टीम जिला प्रशासन के साथ मिलकर कार्य करेगी। इस कार्यक्रम में मेडिकल ऑफिसर राहुल, विश्व स्वास्थ्य संगठन के कर्मचारी आसिफ, कैवल्या एजुकेशन फाउंडेशन से गांधी फेलो दुर्गेश सिंह व देव्यानी यादव मौजूद रहे।

सामाजिक समरसता के प्रति जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी सर्वाधिक : डा. बनवारी लाल

सहकारिता मंत्री डा. बनवारी लाल ने ली बीजेपी के कार्यकर्ता व जनप्रतिनिधियों की बैठक

पायनियर समाचार सेवा। मेवात

कार्यकर्ता व जनप्रतिनिधियों की बैठक को संबोधित करते सहकारिता एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डा. बनवारी लाल।

सहकारिता एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डा. बनवारी लाल ने बुधवार को बीजेपी कार्यकर्ता व जनप्रतिनिधियों की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में तीन फरवरी को गुरुग्राम के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में मनायी जाने वाली राज्य स्तरीय संत गुरु रविदास जयंती को सुचारू रूप से संपन्न करने हेतु महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार सामाजिक समरसता की स्थापना हेतु ऐतिहासिक प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि समाज का कोई भी वर्ग अकेले विकास के रास्ते पर नहीं चल सकता संपूर्ण विकास हेतु सामाजिक ढांचे में हर एक वर्ग की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सरकार के बाद सामाजिक समरसता के प्रति सबसे ज्यादा जवाबदेही जनप्रतिनिधियों की बनती है। इसलिए आने वाली तीन फरवरी को सामाजिक समरसता की दिशा में सरकार द्वारा जो कदम उठाया जा रहा है। उसको सुचारू रूप से सम्पन्न करने हेतु जनप्रतिनिधियों द्वारा हरसंभव प्रयास की दरकार है।

डा. बनवारी लाल ने कहा कि उन्हें 3 फरवरी को गुरुग्राम के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में मनायी जाने वाली राज्य स्तरीय संत गुरु रविदास जयंती का संयोजक बनाया गया है। उन्होंने आह्वान किया जिले में सभी गांवों के सभी वर्गों के लोग राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि ये सुनिश्चित करें कि आमजन को 3 फरवरी के महा समारोह के संदर्भ में किसी भी प्रकार की कोई समस्या का सामना न करना पड़े।

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री ने कहा कि जनता की सुविधा के लिए सरकार द्वारा परिवहन और भोजन संबंधित जो व्यवस्था की गयी है उसके बारे में अपने क्षेत्र के लोगों को अवगत कराएं और सरकार द्वारा की गयी व्यवस्थाओं के प्रबंधन में भी स्वयं से पहल कर के हिस्सा ले। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष नरेंद्र पटेल, जिला परिषद के चेयरमैन जान मौहम्मद, जिला परिषद की सदस्य कुमारी श्वेता, योगेश तंवर, जाहिद बाई, बीरपाल कालियाका, दलबीर सिंह सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पिनगवां में मेधावी छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

मुख्य अतिथि के रूप में एसएचओ अजय वीर भड़ाना तो विशिष्ट अतिथि एसडीओ रौनक अली ने दिया आशीर्वाद

रिजवान कासिम। मेवात

मेधावी छात्रा को सम्मानित करते अतिथिगण।

बुधवार को सर्व समाज सेवा समिति पिनगवां के द्वारा नगीना, पुन्हाना मार्ग पर स्थित बाइक एजेंसी बिट्टू मार्केट पिनगवां में आयोजित कार्यक्रम में मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। समिति द्वारा आयोजित इस सम्मान समारोह में 10वीं-12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में 90 फीसदी से अधिक अंक लाने वाले छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह हुआ।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में एसएचओ अजयवीर भड़ाना पिनगवां तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में बिजली बोर्ड नगीना कार्यालय में कार्यरत एसडीओ रौनक अली ने भाग लेकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इसके अलावा सर्व समाज सेवा समिति पिनगवां के पदाधिकारियों की हौसला अफजाई करने के लिए डॉक्टर सुशील कुमार, डॉ हेमंत कुमार, डॉ सौरभ वर्मा, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रिंसिपल गिर्राज प्रसाद, तौफीक सरपंच शाहचोखा, मास्टर तौफीक बीडीकेएम, संयोजक हाजी गुलदीन कुरैशी के अलावा कई लोगों ने कार्यक्रम में शामिल होकर बच्चों की हौसला अफजाई की।

इस कार्यक्रम को सफलता के मुकाम तक पहुंचाने में समिति के प्रधान रिटायर्ड सूबेदार मेजर हाजी मोहम्मद इसराइल, महासचिव डॉ आस मोहम्मद, उपाध्यक्ष मुस्तफा खान, कोषाध्यक्ष नवरंग हुसैन इत्यादि मौजूद रहे।

वैज्ञानिक प्रयोगों से मानव ने बहुत विकास किया

एडीसी ने विज्ञान एवम गणित प्रदर्शनी का उद्घाटन कर कहा

जिला स्तर पर प्रथम, द्वितीय रही टीमें राज्य स्तर पर लेंगी भाग

पायनियर समाचार सेवा। मेवात

जिला शिक्षा विभाग द्वारा सरदार गुरुमुख सिंह मैमोरियल पब्लिक स्कूल में बुधवार को दो दिवसीय जिला स्तरीय विज्ञान एवम गणित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ संजय ने किया। कार्यक्रम का उद्घाटन एडीसी रेणु सोगन ने रिबन काटकर उद्घाटन किया। इसके बाद सरस्वती मां के सामने दीप प्रज्वलित करके विधिवत शुरुआत की। प्रदर्शनी में लगाए गए मॉडल प्रदर्शनी को एडीसी ने एक-एक बच्चे के मॉडल को जाना और उनके नवाचार और विचारों की काफी सराहना की। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद को सम्बोधित करते हुए कहा को वर्तमान युग में विज्ञान की बहुत अधिक महत्ता है। इसे समझने के लिए सभी को काम करने की जरूरत है। बच्चों ने आज कार्यक्रम में बड़ी मेहनत से अपने मॉडल को तैयार किया है। जिसमें मुझे उम्मीद से ज्यादा कार्य किया हुआ मिला है। आज जिले के कई प्रतिभागी बच्चों ने बिल्कुल नए विचार के साथ मूलभूत समस्याओं के लिए कार्य किया हैं जो महत्वपूर्ण है। आज का समय वैज्ञानिक सोच का है जिसमें हम सभी को सजग और सक्रिय आधुनिक तरीके से कार्य करना चाहिए। इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में विषय के प्रति जागरूकता एवं वैज्ञानिक समझ को उत्पन्न करने का सर्वोत्तम मार्ग है।

जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी मुकेश यादव ने कहा की इस तरह की प्रतियोगिता में भाग लेने से बच्चों में टैलेंट उभर कर सामने आता है, इससे बच्चों को बहुत लाभ मिलेगा। जिला विज्ञान विशेषज्ञ रामकिशन आर्य ने बताया की जिला स्तरीय प्रदर्शनी कार्यक्रम में खंड स्तर पर प्रथम और द्वितीय रहे बच्चों ने अपने मॉडल प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के 70 से अधिक बच्चों ने साथ थीम पर आधारित मॉडल से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।सभी विजेता टीम को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया और उनकी पारितोषिक राशि खाते में ट्रांस्फर की जायेगी। जिला स्तर पर प्रथम रही टीम को 2500, द्वितीय टीम को 2000, तृतीय रही टीम को 1500 राशि दी जायेगी। वहीं उन्होंने बताया की जो टीम जिला स्तर पर प्रथम और द्वितीय रही है इसी माह में होने वाली राज्य स्तर प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेगी। प्रदर्शनी कार्यक्रम में जूरी की टीम में डॉ पवन यादव, मंजीत वर्मा, हरदीप, कुलजीत ने भूमिका निभाई। इस मौके पर स्कूल के चेयरमैन सरदार जीएम मलिक, जिला एफएलएन समन्वयक कुसुम मलिक,एपीसी सुंदर सिंह , डॉ प्रमोद, दिनेश गोयल, सत्यपाल सहित अन्य मौजूद रहे।

बंदरों के आक्रमण से 60 वर्षीय बुजुर्ग की मौत

पायनियर समाचार सेवा। फिरोजपुर झिरका

मृतक गंगाराम (फाइल फोटो)

शहर में पिछले कई वर्षो से बंदरों का आतंक दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। खूंखार आतंकी बंदरों के आतंक से शहर के लोग काफी खौफजदा नजर आ रहे हैं। लेकिन नगरपालिका प्रशासन बंदरों के टेंडर को लेकर आंखें मूंदे बैठा है। लोगों ने बंदरों से राहत दिलाने की मांग की है। हाल ही में बंदरों के एक झुंड द्वारा आक्रमण करने से खटीक मोहल्ले के रहने वाले 60 वर्षीय बुजुर्ग की मौत होने का मामला प्रकाश में आया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 60 वर्षीय बुजुर्ग गंगाराम निवासी वार्ड 13 खटीक मोहल्ला फिरोजपुर झिरका दोपहर 12.00 अपने घर की छत पर धूप ले रहा था। अचानक बंदरों के एक झुंड ने 60 वर्षीय बुजुर्ग गंगाराम पर हमला बोल दिया। जिसके कारण वो अपने घर के छत से नीचे आ गिरा। जैसे ही आनन-फानन में उनके परिजनों ने गंगाराम को प्राथमिक उपचार के लिए हॉस्पिटल पहुंचाया तो गंगाराम की रास्ते में ही मृत्यु हो गई। वहीं दूसरी तरफ वार्ड-4 रतनलाल कॉलोनी में रहने वाले 8 वर्षीय चिराग चौहान पुत्र यशपाल चौहान अपने घर के बाहर गली में खेल रहा था। अचानक बंदरों के एक झुंड ने 8 वर्षीय बच्चे पर आक्रमण कर जगह-जगह से काट लिया। जिसका इलाज फिरोजपुर झिरका के सामान्य अस्पताल में कराया जा रहा है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, जिला- गौतमबुद्ध नगर - 201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक : नवीन उपाध्याय, स्थानीय संपादक : प्रवीण मोहंती। दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

रामचरितमानस विवाद

सपा राजद की राजनीति

रामचरितमानस पर विवाद को हवा देकर सपा और राजद मंडल राजनीति को पुनर्जीवित करना चाहते हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार के कुछ राजनेताओं द्वारा रामचरितमानस के खिलाफ दिए बयान बड़े विवाद को जन्म दे सकते हैं। अयोध्या में तपस्वी छावनी मंदिर के प्रमुख पुजारी महंत परमहंस दास ने 'समाजवादी पार्टी एमएलसी का सिर लाने वाले किसी व्यक्ति को 500 रुपये नकद इनाम देने की घोषणा की है क्योंकि उन्होंने गोस्वामी तुलसीदास की रामचरितमानस का अनादर किया है।' लेकिन इससे भगवान राम की जीवन कथा का वर्णन करने वाले महाकाव्य के आलोचक हतोत्साहित नहीं हुए हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य का समर्थन करने वाले एक समूह 'अखिल भारतीय ओबीसी महासभा' ने रविवार को वृंदावन योजना लखनऊ में रामचरितमानस के उन पन्नों की फोटो प्रतियां जलाईं जिनमें कथित रूप से 'महिलाओं व दलितों के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई हैं।' भारतीय जनता पार्टी का यह कहना सही है कि मौर्य को रामचरितमानस के खिलाफ बोलने का पुरस्कार मिला है। इन घटनाओं के कुछ दिन पहले अयोध्या के पुजारी ने बिहार के मंत्री चंद्रशेखर की रामचरितमानस पर इस टिप्पणी को खारिज किया था कि यह महाकाव्य 'विभाजनकारी तथा समाज में घृणा फैलाने वाला' है। हालांकि, आधिकारिक रूप से उसने स्वयं को रामचरितमानस टिप्पणियों से अलग कर लिया है, लेकिन समाजवादी पार्टी मौर्य से नाराज नहीं है जिनको रविवार को पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव घोषित किया गया। यह लगभग हर राजनीतिक पार्टी की परीक्षित रणनीति है कि वह अपने एक नेता को ऐसी बातें कहने की अनुमति देती है जिनका आमतौर से बचाव नहीं किया जा सकता है। इसके बाद वह

इसे संबंधित नेता के 'व्यक्तिगत विचार' बता कर इनसे पल्ला भी झाड़ लेती है। लेकिन संबंधित नेता को ऐसे बयानों का कोई खामियाजा नहीं भुगतना पड़ता है। इसके बारे में एक कहावत प्रचलित है 'चोर से कहें चोरी करो और शाह से कहें पकड़ो।' सपा तथा चंद्रशेखर की पार्टी राजद की इस रणनीति से स्पष्ट है कि वे 'मंडल राजनीति' पुनर्जीवित करना चाहते हैं जो जातीय व्यवस्था के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण रखती है, पर उनका दावा है कि यह 'हिंदू विश्वासों' से जुड़ी है। मंडल आयोग रिपोर्ट के क्रियान्वयन से ओबीसी राजनीति का उभार हुआ था। इस रिपोर्ट में भी ऐसे अनेक संदर्भ दिए गए हैं जो हिंदूवाद के प्रति आलोचनात्मक हैं। सपा और राजद तथा बिहार में राजद की सहयोगी जदयू को भी मंडल रिपोर्ट से लाभ मिला है।

पिछले दशक में नरेन्द्र मोदी-अमित शाह के नेतृत्व में भाजपा के शानदार उभार ने जाति-आधारित ओबीसी राजनीति को हाशिए पर धकेल दिया है। लेकिन इसके बावजूद शायद ही कोई स्वीकार करे कि 'जाति' का यथार्थ भारत में समाप्त हो गया है। भाजपा यह तथ्य भलीभांति जानती है, इसिलए पिछले कुछ दशकों में भाजपा ने 'सोशल इंजीनियरिंग' का अपना अलग फार्मूला विकसित किया है। ऐसा लगता है कि 'मंडल' समर्थक पार्टियां वापस अपने जमीनी आधार-जाति की ओर लौट रही हैं। इसी कारण 'जाति गणना' की मांग लगातार तेज होती जा रही है। ये पार्टियां जानती हैं कि यह एक भावनात्मक मुद्दा है और तर्कों के बजाय इसका प्रभाव संभवत: अधिक होगा। लेकिन भाजपा ने पिछले आठ सालों में 'जातिवादी विभाजन' का मुकाबला करने में बड़ी सीमा तक सफलता पाई है। उसने 'सबका साथ, सबका विकास' के अंतर्गत जो जन-कल्याणकारी नीतियां जमीनी स्तर तक व्यापक रूप से लागू की हैं उनका लाभ हर जाति, समुदाय व धर्म के लोगों को मिला है। इसके साथ ही जनता 'मंडल' समर्थक पार्टियों के शासनकाल में व्याप्त भयानक भ्रष्टाचार व 'परिवारवादी' नीतियों से भी भलीभांति परिचित है जिनका नुकसान अंतत: समाज के सबसे गरीब लोगों को होता है।

हमारी संस्कृति में निहित लोकतंत्र

इतिहास पर गहराई से गौर करने पर स्पष्ट होता है कि भारत को 'लोकतंत्र की जननी' कहना अतिरंजना नहीं है। लोकतंत्र हमारी संस्कृति में निहित है।

सच्चिदानंद जोशी

(लेखक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सचिव हैं)

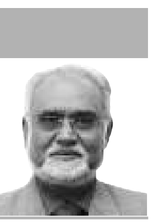

भारत ने लगातार प्रशासन की अनेक व्यवस्थाओं का धीरे-धीरे विकास किया जो हमारे विविधतापूर्ण संस्थानों का सर्वाधिक उल्लेखनीय तत्व है। दसवीं शताब्दी के सोमदेव श्री ने उचित ही अपनी उल्लेखनीय रचना 'नीतिवाक्यमित्र' में ठीक ही कहा है कि 'अथ धर्माथफलेय राज्येय नम:', यानी सरकार की व्यवस्था धर्म व अर्थ प्रदान करती है। भारतीय संस्कृति की विशिष्ट उपलब्धि इसे आदर्श प्रदान करना है। इन व्यवस्थाओं का निर्माण नियमित सामाजिक जीवन की आवश्यकतायें पूरी करने के लिए हुआ था। हमारे लोकतांत्रिक संस्थान एक ऐतिहासिक घटना का परिणाम न होकर हजारों सालों के सांस्कृतिक विकास का नतीजा हैं। वैदिक साहित्य, स्मृतियां, महाकाव्य, पुराण साहित्य, सूत्र साहित्य, खेल, कविता तथा विभिन्न लोककथायें ऐसी कुछ सामग्रियों में शामिल हैं जो लोकतांत्रिक आयामों वाली प्राचीन भारतीय सामाजिक व्यवस्थाओं में निहित थीं। वैदिक युग से आज तक अनेक शब्दों ने उस सामूहिक व्यवस्था को परिभाषित किया जो प्राचीन भारत में लगातार विकसित हो रही थी। यह भी सच है कि विभिन्न विचारकों ने इन शब्दों को अलग-अलग तरीके से परिभाषित किया, जिससे इनकी सटीक समझ निर्धारित करना चुनौतीपूर्ण है। कहने की आवश्यकता नहीं कि ऐसी कुछ व्याख्याओं ने हमारे अतीत की गलत व्याख्या का रास्ता भी खोला। प्राचीन भारत का सामाजिक व राजनीतिक जीवन समिति, सभा, कुल, गण, जाति, पुग, वृत्त, श्रेणी, संघ, समुदाय, समभूय-समुत्थान, चरण व परिषद से प्रशासित है।

वेद अक्सर 'एकसाथ आने' या 'सभा' का उल्लेख ऐसे समूहों का उल्लेख करने में करते हैं जहां राजनीतिक व गैर-राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा होती थी। वे एक लोकतांत्रिक समिति की भी चर्चा करते हैं जिसे सत्ताच्युत शासक को पुन: शासनारूढ़ करने का अधिकार प्राप्त था। प्रख्यात वैदिक विद्वान सायन सभा के बारे में अत्यधिक जटिल विस्तृत विवरण देते हैं जिसमें 'अनेक लोगों द्वारा किए प्रस्ताव तोड़े नहीं जा सकते थे।' अथर्ववेद में सामूहिक बैठक के लिए 'संसद' शब्द का प्रयोग किया गया है जिसकी तुलना आधुनिक संसद से की जा सकती है। भारत ने परा-वैदिक संस्कृति में विभिन्न प्रकार की आत्मनियंत्रित व्यवस्थाओं का प्रयोग कर शहरी केन्द्रों का विकास किया जहां समिति व सभा ने गण, संघ व श्रेणी जैसी अतिरिक्त व्यवस्थाओं के गठन का रास्ता खोला। सरकार के गणतांत्रिक रूप-अनेक गणों की रचना पूरे बौद्ध-जैन युग में हुई। इस कालखंड में लोकतांत्रिक रुझान वाले अनेक संस्थानों का गठन हुआ। इस चरण पर गण व संघ के विचारों का विकास हुआ। जैन शिक्षाओं के अनुसार, गण एक समूह है जहां सचेतन लोग निर्णय करते थे। इसके अनुसार गण एक संख्या है और गण-राज्य संख्याओं पर आधारित शासन है। उन दिनों समूह या संसद को गण कहा जाता था और इस संस्था के शासन को गणराज्य कहा जाता था। संस्कृत व्याकरणाचार्य पाणिनि ने अपनी प्रमुख रचना 'अष्टाध्यायी' में कहा है कि संघ व गण शब्दों के अर्थ समान हैं। कौटिल्य ने ईसापूर्व तीसरी शताब्दी में संघ को 'शास्त्रोपजीविन' व 'राजशब्दोपजीविन' कहा, जबकि पाणिनि ने इसे 'आयुधजीविन' बताया है। दोनों दृष्टिकोणों से स्पष्ट है कि संघों का अस्तित्व था जिनमें से प्रत्येक के सदस्य सैनिक कला का अभ्यास करते थे। उनमें से प्रत्येक का एक शासक होता था जिसके लिए 'राजन' उपाधि दी गई थी। मज्झिम निकाय ने 16 महाजनपदों का उल्लेख करते हुए गण व संघ शब्दों का एक वाक्य में साथ प्रयोग किया है।

संघ को एक समूह या राज्य के रूप में देखा जा सकता है, जबकि गण को सरकार का एक स्वरूप कहा जा सकता है। महाभारत के शांति पर्व में राजनीतिक समूह के रूप में संघ के चरित्रों की सर्वोत्तम परीक्षा निर्धारित की गई है। सामूहिक जीवन गण को 'संघत वृत्ति' बनाता है। पाणिनि, कायत, वेदव्यास व नारद ने श्रेणी की परिभाषा समान कौशल या बिजनेस करने वालों के समूह के तौर पर की है-'एकेन शिल्पेन पानेयान ये ये जीवन्ति तेषम समूह श्रेणी।' श्रेणी एक आत्मकेन्द्रित संस्था की तरह व्यवहार करती थी। 'श्रेष्ठी' का अर्थ इसका प्रमुख या मुखिया था। इन समूहों या गिल्डों का समुदाय में बहुत सम्मान होता था। स्थानीय सरकार की नीतियों की चर्चा नियमित रूप से श्रेणी की बैठकों में होती थी। इन श्रेणियों को अपने सामाजिक समूहों के लिए दिशानिर्देश निर्धारित करने का अधिकार था और राजा के लिए उनको प्रभावित करने वाली नीतियां तय करते समय उनसे विचार-विमर्श करना जरूरी था। श्रेणियां एक बिजनेस ढांचे का प्रतिनिधित्व करती थीं जिनका एक स्पष्ट क्षेत्राधिकार होता था। राज्य को इन श्रेणियों से 'भंडागारिक' को नियुक्त करने का अधिकार प्राप्त होता था। महत्वपूर्ण है कि विभिन्न गिल्डों के संबंध ताम्रपर्णी-श्रीलंका, सुवर्णपर्णी-सुमात्रा तथा बवेरू से थे। इसके साथ ही उन्होंने आंतरिक वाणिज्यिक संबंध बेबीलोनिया से विकसित किए थे। संघ व श्रेणी शब्द वास्तव में प्रारंभिक राजनीतिक ढांचों का प्रतिनिधित्व करते हैं जिनका प्रयोग हजारों सालों तक होता रहा। प्राचीन भारत ने कलाओं, विनिर्माण व कृषि में महत्वपूर्ण प्रगति की थी जिनसे अपरिहार्य रूप से श्रेणियों का विकास संभव हुआ। श्रेष्ठी, श्रेष्ठय व श्रेणी शब्दों का प्रयोग बार-बार वेदों, ब्राह्मण ग्रंथों, रामायण, महाभारत व पाली साहित्य में होता है। श्रेष्ठी व श्रेष्ठयन शब्द गिल्ड के प्रमुखों के लिए थे।

रामायण में एक उल्लेख है जहां भरत के साथ राम की खोज में नागरिकों का एक समूह जाता है। इसमें हीरों के कारीगर, मिट्टी के कारीगर, कपड़ा बनाने वाले, हथियार बनाने वाले, जवाहरातों पर काम करने वाले, प्रख्यात सुनार, व्यापारी, धोबी, टेलर, अभिनेता, अभिनेत्रियां, ऊन उत्पादक, सुगंध उत्पादक व आदर्श चरित्र वाले ब्राह्मण शामिल थे। इस प्रकरण से स्पष्ट है कि गिल्डें कैसे समाज को अपनी स्वशासी व्यवस्था बनाने में सहायता करती थीं। महाभारत में भी इन गिल्डों के कामकाज तथा व्यवस्था बनाए रखने में उनके महत्व की चर्चा की गई है। बुद्ध को श्रावस्ती में अनन्त पिंडक नामक अमीर श्रेष्ठी ने प्रख्यात जीवक उद्यान उपहार में दिया था। पांच कौशलों के प्रमुखों को उन संदेशवाहकों का दायित्व सौंपा गया था जो सीलोन के ऐतिहासिक विवरण के अनुसार कित्ति श्रीमेघ का संदेश उसके बेटे पराक्रम को देने गए थे। बाण के 'हर्षचरित्र' में प्रतिभाशाली चित्रकारों के समूह का उल्लेख है जिनको राजकुमारी के विवाह में आमंत्रित किया गया था। 'हरिवंश' में उल्लेख है कि अनेक राजसी परिवार कृष्ण व बलराम के बीच संभावित युद्ध देखने के लिए उपस्थित हुए थे। अनेक पुरालेखों से भी इन दावों की पुष्टि होती है। सांची, भरहुत, बोधगया, मथुरा, जुन्नार व दक्षिण भारत तथा अन्य स्थानों पर मिले अभिलेखों से तेल निकालने वालों, बर्तन बनाने वालों, हाइड्रोलिक इंजन बनाने वालों, मक्के के व्यापारियों, बांस के कारीगरों, कपड़ा बुनने वालों व अनेक प्रख्यात गिल्डों की संख्या का पता चलता है। अनेक अभिलेखों से पता चलता है कि श्रेणियों व राजशक्ति के बीच संपर्क थे।

इस प्रकार श्रेणी व संघ की स्थापना के पीछे स्वशासन की मजबूत अवधारणा अंतर्निहित रूप से पाई जाती है। यह पूरा ढांचा लोगों के समूहों व सहकारिताओं को संस्थागत स्वरूप प्रदान करने के लिए बनाया गया था। इन सामाजिक संस्थानों का एक लोकतांत्रिक ढांचा होता था और ये आसानी से प्राचीन भारत में सामुदायिक प्रबंधन व सामाजिक प्रबंधन का उत्कृष्ट उदाहरण कहे जा सकते हैं। इतिहास पर गहराई से गौर करने पर स्पष्ट होता है कि भारत को 'लोकतंत्र की जननी' कहना अतिरंजना नहीं है। लोकतंत्र हमारी संस्कृति में निहित है। पिछले वर्षों में अपने अतीत व शास्त्रीय परंपराओं पर पुनर्विचार का आंदोलन तेज हुआ है। इसका नतीजा किसी भी तरह असाधारण उपलब्धि से कम नहीं कहा जा सकता है। इनमें से एक सच्चाई यह है कि 'भारत लोकतंत्र की जननी' है।

भारत के गुमनाम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी

स्वप्ना मजूमदार

(लेखिक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

वह दर्द से कराह रही थी, उसे रुकने के लिए मिन्नतें कर रही थी लेकिन उसकी चीख अनसुनी हो गई। महाराष्ट्र के सांगली में भवानी नगर में थाने के सामने ऐसा होने के बावजूद वहां मौजूद दो पुलिसकर्मियों ने हौसाबाई पाटिल के खिलाफ हिंसा को रोकने के लिए कुछ नहीं किया। अचानक हौसाबाई के नशे में धुत पति ने एक बड़ा पत्थर उठा लिया और उसका सिर फोड़ने की धमकी दी। जब दोनों पुलिसकर्मियों को यह एहसास हुआ कि अगर उनके थाने के सामने एक महिला की हत्या हुई तो उन्हें घसीटा जाएगा, वे हस्तक्षेप करने के लिए दौड़ पड़े।

पति को उसकी धमकी पर अमल करने से रोकने के बाद दोनों पुलिसकर्मियों ने उसकी समझाइश करने की कोशिश की। उन्होंने उसे अपनी पत्नी को घर ले जाने और उसके साथ सम्मान से पेश आने के लिए कहा। लेकिन हौसाबाई ने उनके साथ जाने से मना कर दिया। उसने अपने भाई से, जो वहां मौजूद था, उसे अपने साथ वापस ले जाने के लिए कहा क्योंकि वह अब और पिटाई बर्दाश्त नहीं कर सकती थी। लेकिन उन्होंने भी मना कर दिया। पुलिसकर्मी असमंजस में थे। अंत में, कुछ घंटों की काउंसलिंग के बाद, उनकी राहत के लिए, दंपति अपने गांव लौटने को तैयार हो गए।

लेकिन यह राहत अल्पकालिक थी। जब दोनों पुलिसकर्मी अपने थाने पहुंचे तो उनके होश उड़ गए। सभी राइफलें और गोला-बारूद चोरी हो गए थे। उन्होंने महसूस किया कि पूरा नाटक उन्हें स्टेशन से बाहर निकालने की चाल थी ताकि आग्नेयास्त्रों को लूटा जा सके।

जब हौसाबाई ने 1943 में तूफान सेना के अपने साथियों के साथ इस अभियान में भाग लिया, तब वह सिर्फ 17 वर्ष की थीं। सेना सतारा की अनंतिम सरकार की सशस्त्र शाखा थी जिसने 1943 में ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता की घोषणा की थी। लेकिन न तो उसकी उम्र और न ही तथ्य। उसके एक छोटा बच्चा था, जिसे वह अपने परिवार के पास छोड़ गई थी, जिसने हौसाबाई को स्वतंत्रता संग्राम का सक्रिय हिस्सा बनने से रोक दिया था। देश के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और प्रेम से प्रभावित होकर, सेना के नेताओं ने उन्हें कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दीं, जिसमें खुफिया जानकारी एकत्र करना और गोवा में पंजिम सेंट्रल जेल में जेलब्रेक का हिस्सा बनना शामिल था, जहां उनके साथियों को कैद किया गया था। इस मिशन को अंजाम देने के लिए हौसाबाई को

मंडोवी नदी के किनारे रात के अंधेरे में एक छोटे से डिब्बे पर तैरना पड़ा।

ये हौसाबाई और उन अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों की बहादुरी के कई कार्यों में से कुछ थे जिन्होंने अपनी जान की बाजी लगाकर देश को आजाद कराने का बीड़ा उठाया। अफसोस की बात है कि वह भी उन कई लोगों में से एक हैं, जो दशकों तक स्वतंत्रता सेनानी के रूप में पहचाने नहीं गए। हौसाबाई, वास्तव में, भाग्यशाली थीं कि उन्हें 1992 में 75 वर्ष की आयु में मान्यता मिली। बहुत से अन्य लोग हैं जो मर गए, सरकार द्वारा अज्ञात और अपरिचित। इन बहादुर महिलाओं, पुरुषों और बच्चों की कहानियों को पत्रकार पी साईनाथ ने अपनी नई किताब में लिपिबद्ध किया है। 'आखिरी नायक-भारतीय स्वतंत्रता के पैदल सैनिक' शीर्षक वाली यह अच्छी तरह से शोधित पुस्तक आदिवासी, दलित, ओबीसी, ब्राह्मण, मुस्लिम, सिख और हिंदुओं की दिल को छू लेने वाली और दिल दहला देने वाली कहानियां बयान करती है, जो अलग-अलग बोलने के बावजूद भारत की आजादी की अपनी खोज में एकजुट थे। भाषाएं और विभिन्न जातियों और धर्मों से संबंधित थे।

पेंगुइन द्वारा प्रकाशित इस अत्यंत रोचक और ज्ञानवर्धक पुस्तक की 16 कहानियां महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, पंजाब, कर्नाटक और राजस्थान में रह रहे इन अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों के व्यापक साक्षात्कार पर आधारित हैं। ये पिछले कई वर्षों में साईनाथ द्वारा किए गए थे। बाद के कुछ को उनके वंशजों, उनके रिश्तेदारों, उनके गांवों के लोगों और उस युग के इतिहासकारों के साथ किया जाना था क्योंकि स्वतंत्रता सेनानियों का निधन हो गया था। ये उन घटनाओं के रिकॉर्ड और किताबों से भी मान्य थे जिनमें ये क्रांतिकारी शामिल थे।

विडंबना यह है कि उनमें से अधिकांश स्वतंत्रता सेनानियों के रूप में केंद्र सरकार की सूची में 23,000 नामों में शामिल नहीं हैं क्योंकि उनमें से अधिकांश के पास मान्यता प्राप्त करने के लिए आवश्यक कोई आधिकारिक प्रमाण नहीं था। नतीजतन, उनमें से कुछ जो अभी भी जीवित हैं और दूसरों के आश्रित हैं, पेंशन से बाहर रहते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि 1980 की स्वतंत्रता सैनिक सम्मान योजना के तहत, केवल वे व्यक्ति जो मुख्य भूमि की जेलों में कम से कम छह महीने की कैद का पीड़ित हैं, पेंशन के लिए पात्र हैं। नतीजतन, जो लोग कारावास से बच गए या छह महीने से कम जेल में बिताए, वे अपात्र हो गए। तो देमानी देई सहर सलियन जैसे देशभक्त, 16 वर्षीय आदिवासी लड़की, जिसने 40 आदिवासी युवतियों के साथ केवल लाठियों (लाठों) के साथ एक उग्र पलटवार का नेतृत्व किया, एक ब्रिटिश पुलिस बल पर उड़ीसा में उसके गांव पर छापा मारा, और जीत गई, एक के रूप में अपरिचित बनी रही सरकार द्वारा स्वतंत्रता सेनानी क्योंकि वह जेल नहीं गई थी। अपने जीवन को जोखिम में डालकर अवज्ञा के इस कार्य को मान्यता के लिए पर्याप्त नहीं माना गया।

कई अन्य गिरफ्तारी के प्रमाण प्रस्तुत करने में असमर्थता के कारण वंचित हैं, क्योंकि उनके पास अपने गिरफ्तारी आदेश की आवश्यक प्रतियां नहीं थीं, एक घोषित अपराधी होने की घोषणा, या संपत्ति को कुर्क करने, जब्त करने, या स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भागीदारी के प्रमाण के रूप में बेचने के आदेश, आदि नहीं थे। जैसा कि भारत अपनी स्वतंत्रता के 75वें वर्ष का जश्न मना रहा है, निश्चित रूप से यह सोचने का समय है कि क्यों सभी सामान्य लोग जो साधारण विश्वास के साथ युद्ध में गए थे, और प्रशंसा के बारे में कोई विचार नहीं किया गया था, को भुला दिया गया है।

आप की बात

बीबीसी की साजिश

बीबीसी कभी भारत में लोकप्रिय था, मगर भारत में टेलीविजन क्रांति के बाद इसके श्रोताओं व दर्शकों की संख्या सिमट गई है। आज भी बीबीसी पुरानी अधिनायकवादी मानसिकता से ग्रस्त है और अपने समाचारों व डॉक्युमेंट्रीओं को चटपटा मसालेदार बनाने के लिए वह किसी भी हद तक जा सकता है। कहा जा रहा है कि विवादित डॉक्यूमेंट्री का निर्माण पाकिस्तानी कर्मचारियों द्वारा किया गया है। गुजरात के 20 साल पहले के दंगों को लेकर ऐन चुनाव के वक्त इसी डॉक्यूमेंट्री का सामने आना गहरी साजिश का हिस्सा है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सम्मान को ठेस पहुंचाने के लिए सोची-समझी साजिश ही है। मगर देश की 140 करोड़ जनता अब किसी अफवाह या साजिश से प्रभावित होने वाली नहीं है। सोशल मीडिया पर यह जाहिर हो चुका है जहां बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री की जमकर खिंचाई हो रही है। विडंबना यही है कि देश के भीतर अभी भी कुछ राष्ट्रद्रोही संस्थान इस पर रोक के बावजूद इसकी स्क्रीनिंग करने पर आमादा है। उनको विपक्ष का भरपूर सपोर्ट मिलने का कारण लोग अच्छी तरह समझ रहे हैं। यह सारा घटनाक्रम जनता में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की छवि धूमिल करने के बजाए उसे और चमकाने का कार्य ही करेगा।

सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

न्यायाधीशों की नियुक्ति

न्यायाधीश की नियुक्ति को किसी संस्था का आंतरिक मसला कहकर टाल देना सच्चाई से मुंह मोड़ लेने जैसा है। कॉलेजियम के माध्यम से जजों द्वारा ही जजों की नियुक्ति की प्रक्रिया पर सवाल को देखते हुए संसद में राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग -एनजेएसी, विधेयक पारित किया था जिसे सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक करार दे दिया। तर्क दिया जाता है की इससे न्यायिक नियुक्तियों में राजनीतिक हस्तक्षेप बढ़ेगा। हालांकि इस तर्क को स्वीकार करना थोड़ा मुश्किल है। एनजेएसी मैं जजों की नियुक्ति के लिए बनाए जाने वाले पैनल में सीजेआई, कानून मंत्री, दो जज और दो प्रबुद्धजन को शामिल करने की बात कही गई थी। दोनों प्रबुद्धजनों का चयन सीजेआईए प्रधानमत्री और नेता विपक्ष से बनी तीन सदस्य समिति द्वारा किया जाना था। न्यायपालिका के इतने महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्ति में सरकार एवं समाज की हिस्सेदारी को न्यायपालिका की स्वतंत्रता में दखल कैसे कहा जा सकता है। यह सवाल इसलिए भी अहम है क्योंकि कुछ पूर्व न्यायाधीश भी सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में जजों की नियुक्ति कि कॉलेजियम की व्यवस्था पर सवाल उठा चुके हैं।

सदन जी, पटना

कैंसर का इलाज

दिल्ली में कैंसर मरीजों के लिए एक बड़ी राहत की खबर सामने आई है। हाल ही में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ने बताया है कि अब कैंसर के मरीजों का इलाज घर बैठे हो सकेगा। एम्स ने एक एप तैयार किया हैं। इसकी मदद से अब कैंसर के मरीजों को पैलिएटिव केयर की सुविधा मिलेगी। ऐप के जरिए मरीज घर बैठे एम्स के डॉक्टरों से परामर्श ले सकेंगे। बहरहाल ये पहल इसलिए शुरू की गई है क्योंकि कई कैंसर के मरीजों की समस्या को डॉक्टर घर बैठे ही आसानी से समझा सकते है। अब एप के जरिए डॉक्टर मरीजों से घर बैठे ही से संपर्क में रहेंगे। अब उन्हें बिना किसी वजह के अस्पताल आने की जरूरत नहीं पड़ेगी। साथ ही फोन पर दवाई खाने का मैसेज भी भेज सकेंगे ताकि वह समय पर अपनी दवाइयां लें। जब डॉक्टर को लगेगा कि मरीज को अस्पताल आने की जरुरत है तो वह तभी उन्हें अस्पताल बुलाएंगे। इस पहल से मरीजों के आने-आने का समय, खर्चा और टेंशन बचेगी। इससे उनकी आधे से ज्यादा परेशानी कम हो जाएगा। इसका पूरे देश में विस्तार होना चाहिए।

निधि जैन, गाजियाबाद

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से pioneerhry@gmail.com पर भी भेज सकते है।

फरमाया

"**कुछ** लोग जानबूझ कर चीनी मुद्दे पर गलत खबरें फैला रहे हैं।

– **एस. जयशंकर**
विदेश मंत्री

मई 2020 से सरकार चीनी घुसपैठ के बारे में इनकार, झूठ व भ्रम पैदा करने की रणनीति अपना रही है।

– **जयराम रमेश**
कांग्रेस नेता

अस्तित्वहीन बातों पर उत्तर कोरिया की छवि खराब करने के प्रयास गंभीर उकसावा हैं।

– **क्वोंग जोंग गुन**
उत्तर कोरिया के प्रवक्ता"

केंद्रीय वित्त मंत्री ने देश के समक्ष अच्छा बजट पेश किया

बजट पर कुरुक्षेत्र के विभिन्न राजनीतिकों ने कुछ इस तरह से दी प्रतिक्रिया

देश के गरीबों को पूरी तरह समर्पित है बजट : रेखा वाल्मीकि

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

भारतीय जनता पार्टी हरियाणा महिला मोर्चा की प्रदेश सचिव रेखा वाल्मीकि ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट देश के गरीबों को पूरी तरह समर्पित है। इस बजट में सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत दो लाख करोड़ रुपये केंद्र सरकार द्वारा वहन किया जा रहा है। अंत्योदय योजना के तहत गरीबों के लिए मुफ्त खाद्यान्न की आपूर्ति को एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया है। उन्होंने बताया कि अनुसूचित जनजातियों के बच्चों के लिए 740 एकलव्य मॉडल स्कूल बनाए जाएंगे। उनमें अनुसूचित जनजातियों के बच्चों एवं आवासीय विद्यालयों के लिए अगले तीन वर्षों में 38 हजार शिक्षकों और सहायक कर्मचारियों की भर्ती की जाएगी। रेखा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना है कि हर गरीब

बजट प्रतिक्रिया देतीं भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश सचिव रेखा वाल्मीकि।

व्यक्ति के सिर पर छत हो और उसका अपना पक्का मकान हो।

इसके लिए पीएम आवास योजना के लिए 79 हजार करोड़ का फंड मिलेगा, जिससे देश के गरीबों के पक्के मकान का सपना साकार होगा। उन्होंने बताया कि सरकार का प्रयास है कि मेनहोल या सीवर की सफाई का काम इंसानों के द्वारा न किया जाए और इसे मशीनों के जरिए किया जाए। उन्होंने बताया कि जेल में बन्द गरीबों की जमानत के लिए भी अब मोदी सरकार मदद करेंगी।

मध्यम वर्ग, किसान, मजदूर की जेब खाली करने वाला बजट : रीना वाल्मीकि

कार्यकारी प्रदेशाध्यक्षा रीना वाल्मीकि

कुरुक्षेत्र। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग की कार्यकारी प्रदेशाध्यक्षा रीना वाल्मीकि ने कहा कि यह बजट मध्यम वर्ग, किसान, मजदूर की जेब खाली करने वाला बजट है। इस बजट से मंहगाई बढ़ेगी और उद्योगपतियों की जेब भरेगी। इस बजट में मध्यम वर्ग का बिल्कुल भी ध्यान नही दिया गया, जो कि देश में सबसे ज्यादा टैक्स भरते हैं। साथ ही इस बजट मे अर्थव्यवस्था में सुधार एवं रोजगार पर कोई फोकस तो रहा ही नहीं, किसानों और स्वास्थ्य सेवाओं को भी अनदेखा किया है। नौकरी पेशा लोगों को टैक्स में कोई खास छूट नहीं दी गई है। मात्र 3 लाख सालाना आय पर कोई टैक्स नही है, लेकिन आज के समय में तो एक छोटी सी प्राईवेट कंपनी का कर्मचारी भी साल में 3 लाख से ज्यादा कमाता है। 15 लाख से ऊपर की आय पर 30 प्रतिशत का टैक्स देना होगा। इसमें ये बताएं जिसकी 16 लाख सालाना आय उसको भी 30 प्रतिशत टैक्स देगा होगा और जिसकी 10 करोड आय है, उसको भी 30 प्रतिशत ही टैक्स देना होगा, जोकि न्याय संगत नहीं है।

बजट के बाद किसानों के हाथ पहले की तरह खाली रह गए : आशा पठानिया

वरिष्ठ नेत्री आशा पठानिया

कुरुक्षेत्र। आम आदमी पार्टी हरियाणा की वरिष्ठ नेत्री आशा पठानिया ने कहा कि किसानों को बहुत उम्मीद थी कि फसल के न्यूनतम समर्थन मूल्य की ओर ध्यान दिया जाएगा। 2022 में किसानों की आय दोगुनी होनी थी, उसके लिए सरकार ने कोई जवाब नहीं दिया। इस बजट के बाद किसानों के हाथ पहले की तरह खाली रह गए हैं। दूसरी तरफ मोदी सरकार के बजट में देश के करोड़ों प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के लिए कुछ भी नहीं है। पठानिया ने कहा कि देश की महंगाई को तो वित्त मंत्री भूल ही गई। महंगाई को काबू पाने के लिए सरकार क्या कदम उठाएगी। वहीं बजट में रक्षा खर्च बढ़ाना चाहिए था, लेकिन शायद सरकार को देश के जवानों की परवाह नही है। बेरोजगारों के लिए कोई ध्यान नहीं दिया गया, जबकि बेरोजगारों के लिए बेरोजगारी भत्ता दिया जाना चाहिए था। वहीं मनरेगा की ओर भी वित्त मंत्री ने ध्यान नहीं दिया। पिछले 8 साल में केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा दोगुना हो गया है।

आधुनिक भारत के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगा यह बजट : संजय गर्ग

संजय गर्ग

कुरुक्षेत्र। केंद्र सरकार के बजट से मध्यम वर्ग तथा किसानों को बहुत बड़ा लाभ पहुंचेगा, जिससे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। यह बजट आधुनिक भारत के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगा। यह दावा अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार न्याय परिषद के अंबाला जिला अध्यक्ष संजय गर्ग ने बजट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए किया। उन्होंने बताया कि भारत के आम बजट में इस बार देश के हर नागरिक की सेहत की चिंता करते हुए पर्यावरण और स्वास्थ्य पर बेहतर शुरुआत की गई है। यह एक क्रांतिकारी शुरुआत है। खेती को और अधिक लाभप्रद तथा पर्यावरण अनुकूल बनाने के उद्देश्य से रासायन मुक्त प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिए जाने की घोषणा महत्वपूर्ण है। गर्ग ने सरकार के बजट को आम लोगों के हित का बजट बताया और कहा कि इससे हर वर्ग के लोगों को लाभ मिलेगा। उन्होंने आम बजट को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का धन्यवाद करते हुए कहा कि समाज के सभी वर्गों को विकास की मुख्यधारा में जोड़ने का संकल्प इस बजट के हर पहलू में नजर आता है।

संक्षिप्त-समाचार

लॉन टेनिस खिलाड़ी खुशी और तमन्ना ने जीते पदक

मेडल जीतने वाली खिलाड़ी।

सोनीपत। सोनीपत में आयोजित ऑल इंडिया लॉन टेनिस चैंपियन सीरीज अंडर-18 में लिटल एंजल्स स्कूल की होनहार खिलाड़ी तमन्ना व खुशी ने इस प्रतियोगिता में स्वर्ण व सिल्वर पदक अपने नाम कर विद्यालय व राज्य का नाम रोशन किया। तमन्ना ने अंडर-18 बालिका एकल वर्ग का टाइटल अपने नाम किया। इसके साथ ही खुशी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में देशभर से लगभग 76 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। वहीं बालक वर्ग अंडर-18 में भी पुष्कर, युवराज व रिदम ने भी सेमीफाइनल तक अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय के चेयरमैन तरसेम कुमार गर्ग, सेक्रेटरी डॉ. विशाल गर्ग व विद्यालय की प्रधानाचार्या आशा गोयल ने खुशी व तमन्ना को बधाई दी। उनको भविष्य में भी बेहतर खेल प्रर्दशन के लिए प्रेरित किया।

शहीद एमएल वर्मा को श्रद्धासुमन किए अर्पित

विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते अतिथिगण।

कुरुक्षेत्र। वात्सल्य वाटिका ब्रह्मा कालोनी में शहीद एमएल वर्मा का श्रद्धांजलि समारोह किया गया। सबसे पहले शहीद एमएल वर्मा के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। श्रद्धांजलि समारोह के मुख्य अतिथि सुरेंद्र पाल एसडीएम थानेसर एवं मुख्य वक्ता विजय सभरवाल रहे। अतिथियों का परिचय व स्वागत प्रधानाचार्य गौरव चौधरी ने करवाया। मंच का संचालन आचार्य शिवानी शर्मा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन आचार्य विजयलक्ष्मी ने किया। बालक-बालिकाओं द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत गीतों पर बहुत ही सुंदर एवं अद्भुत एकल एवं समूह नृत्य की प्रस्तुति दी गई। प्रधानाचार्य ने विद्यालय गतिविधियों से अवगत करवाया। मुख्य अतिथि सुरेंद्र पाल ने शहीद को नमन करते हुए उनके जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों पर चर्चा की। उन्होंने वात्सल्य वाटिका द्वारा किए गए इस आयोजन के लिए भी उन्हें साधुवाद दिया। मुख्य वक्ता विजय सभरवाल ने बताया कि मेरा महाराजजी के साथ पिछले 28 वर्षों से संबंध है। इतना बड़ा आश्रम महाराजजी ने बड़ी लगन और मेहनत से खड़ा किया है। जो बच्चे आज यहां पढ़ रहे हैं, उनका वर्तमान ही नहीं, बल्कि भविष्य भी उज्जवल बन रहा है। शहीद एमएल वर्मा के बारे में उन्होंने कहा कि वे पूर्व मुख्यमंत्री भजन लाल के प्रशासनिक सलाहकार थे। उन्होंने मुख्यमंत्री भजन लाल से कुरुक्षेत्र के लिए अनेक कार्य करवाए। सिविल इंजीनियर आरडी वर्मा ने कहा कि वर्माजी व्यक्तित्व के धनी थे। समाज में वर्माजी को जब-जब कोई भी काम सौंपा, उन्होंने उसको पूरा किया है। अतिथियों को विद्यालय परिवार की तरफ से स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। स्वामी हरिओम दास परिव्राजक ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन कल्याण मंत्र के द्वारा हुआ। इस दौरान समाजसेवी खैराती लाल सिंगला, ट्रस्ट प्रधान ओमप्रकाश मित्तल, उपप्रधान सुरेश कुमार, सचिव ओमप्रकाश गेरा, कोषाध्यक्ष संत राजेंद्र सिंह, राजकुमार सैनी भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, रेनू खुग्गर, पवन गुप्ता, प्रवीण गुप्ता, विद्यालय प्रबंध समिति कोषाध्यक्ष शिवदत्त, स्वाती गुप्ता, नरेश गर्ग, पंडित योगेश, पूनम सलूजा, परविन्द्र कौर, रेनू यादव और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

पीएम मोदी सरकार ने क्रांतिकारी बजट पेश किया : अमित गुप्ता

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

हरियाणा चेंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के उपाध्यक्ष अमित गुप्ता ने पीएम नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा सात लाख तक की आय को कर मुक्त करने के निर्णय को जन हितकारी बताया है।

उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीता रमण द्वारा प्रस्तुत आम बजट को क्रांतिकारी बताते हुए देश की इकोनॉमी को फाइव ट्रिलियन की बनाने की तरफ आवश्यक कदम बताया है। उन्होंने कहा की मध्यम वर्ग को सरकार ने राहत दी है। उन्होंने एमएसएमई को ब्याज पर एक प्रतिशत की छूट देने का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी जी के नौ साल क्रांतिकारी है। उन्होंने कहा कि इस बजट में ग्रामीण विकास के लिए छह करोड़ रुपये

अमित गुप्ता।

आवंटित करने का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस बजट में महिलाओ बुजुर्गों, विधार्थियों युवाओं सहित सभी वर्गों का ध्यान रखा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार द्वारा 157 नये मेडीकल कालेज खोलने का निर्णय सराहनीय है। इससे स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत होगी। उन्होंने बजट में आधारभूत विकास योजनाओं पर बजट बढ़ाने का स्वागत किया।

गरीबों के मुंह से निबाला छीन रही है सरकार

चंडीगढ़। सीटू के जिला सचिव लच्छी राम शर्मा ने कहा कि केंद्र में वित्त मंत्री ने जो बजट पेश किया है वह एक छलावा है जिस प्रकार से बजट पेश किया है। उसमें गरीब और मजदूर को राहत देने की बजाय उल्टा उनके मिलने वाली सुविधाओं पर कटौती किया है।

मनरेगा का बजट में यह सरकार लगातार कटौती कर रही है पिछ्ले साल 73 हजार करोड़ का बजट था जिसको घटाकर 60 हजार करोड़ कर दिया है। खाद्य सुरक्षा पर भी कटौती की है। इसके इलावा मिड डे मील के बजट में कटौती की गई है। समाजिक सुविधाओं के बजट में भी कटौती की गई है। इस बजट से गरीब और गरीब होता जायेगा।

जिसका कोई नहीं होता उसके भगवान होते हैं : सिंगला

तीन लावारिस लोगों की अस्थि इकट्ठाकर विधि विधान से पूजा करवा कर हरिद्वार गंगा जी में किया विसर्जित

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

सेफ इंडिया फाउंडेशन द्वारा जिला सोनीपत के शमशानों में रखी हुई लावारिस अस्थि विसर्जन कार्यक्रम के तहत बुधवार को शहर के अलग-अलग शमशानों से तीन लावारिस लोगों की अस्थि इकट्ठा कर विधि विधान से पूजा करवा कर हरिद्वार गंगा जी में विसर्जित किया गया।

सुबह 5 बजे तिरंगा चौक शिवमुक्ति धाम सोनीपत से अस्थि लेकर संस्था के उपप्रधान प्रवीण वर्मा, समाज सेवी नरेन्द्र भूटानी, सेफ सैनिक सतीश बाल्याण व समाज सेवी यशपाल आर्या के साथ

हरिद्वार में लावारिस अस्थियों की पूजा करवाते समाजसेवी।

रवाना किया गया। हरी झंडी संस्था के प्रधान संजय सिंगला ने दिखाई। सेफ इंडिया फाउंडेशन के चेयरमैन वाई के त्यागी ने बताया कि हर महीने की पहली तारीख को जिला सोनीपत के सभी शमशान घाटों से लावारिस अस्थियों को लेकर विसर्जन किया जाता है तथा जो लोग अपने खर्चे पर अपने परिजनों की अस्थि विसर्जन के लिए हरिद्वार नहीं ले जा सकते उनको भी इस गाड़ी में आने जाने की नि:शुल्क व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि कहते है जिसका कोई नहीं होता उसके भगवान होते है। उन्हीं प्रभु की कृपा से यह सेवा चल रही है। इस कार्यक्रम के संयोजक दिनेश कुच्छल है। सेफ इंडिया फाउंडेशन लगातार कई वर्षों से यह अस्थि विसर्जन कार्य कर रही है।

लिंग जांच करने वाले अवैध सेंटरों की गुप्त सूचना मिलते ही करें छापेमारी

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

डीसी ने जिला टास्क फोर्स की मीटिंग में स्पष्ट कर दिया कि लिंग जांच करने वाले अवैध सेंटरों की गुप्त सूचना मिलते ही छापेमारी कार्रवाई की जाए। जहां भी गर्भपात व लिंग जांच की संदिग्ध गतिविधि का पता चले, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के जिन गांवों में लिंगानुपात कम है, वहां पर टास्क फोर्स खुद जाकर दौरा करें और लिंगानुपात कम होने के कारणों की तलाश कर, उन पर कार्य करें।

उन्होंने कहा कि आशा वर्कर व एएनएम गांवों में गर्भवती महिलाओं का समय पर रजिस्ट्रेशन करें, जो भी समय पर रजिस्ट्रेशन न करे, उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। अधिकारियों को निर्देश दिए कि गर्भवती महिलाओं के एएनसी रजिस्ट्रेशन में किसी तरह की देरी नहीं होनी चाहिए। आशा वर्कर व एएनएम इस कार्य को समय पर पूरा करें।

डीसी के साथ मीटिंग में चर्चा करते सीनियर ड्रग्स ऑफिसर गुरचरण सिंह।

एमटीपी करवाने वालों को किया जाए ट्रैक

उपायुक्त अनीश यादव ने जिन भी एमटीपी सेंटर पर नियम के मुताबिक गर्भपात हो रहा है, वहां एमटीपी करवाने वालों के रिकॉर्ड को चैक किया जाए। इसके साथ-साथ एमटीपी करवाने वालों को ट्रैक किया जाए। उनसे जानकारी जुटाई जाए और एमटीपी सेंटर के रिकॉर्ड से मैच की जाए। उपायुक्त अनीश यादव ने कहा कि समय-समय कप्पल आईडी की जांच हो। नियमों को न मानने वाले अस्पतालों पर कार्रवाई की जाए। बैठक में सिविल सर्जन डॉ. योगेश कुमार शर्मा, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. सतपाल आदि मौजूद रहे।

किसान, गरीब-मजदूरों के लिए निराशाजनक रहा बजट: मेयर मदान

शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र के बजट में कमी करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

नगर निगम मेयर निखिल मदान ने आम बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सरकार द्वारा पेश किया गया बजट पूरी तरह से दिशाहीन है। बजट में जहां देश की रीढ़ समझे जाने वाले किसान, कमेरे वर्ग को निराशा हाथ लगी हैं। क्योंकि बजट में किसानों की आय दोगुनी करने के लिए कोई बात नहीं की गयी। साथ ही फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर भी सरकार की कथनी और करनी का फर्क सामने आ गया है।

इसके अतिरिक्त शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों के बजट में कटौती करना भी

नगर निगम मेयर निखिल मदान

सरकार की नीयत दर्शा रहा है। साथ ही देश में बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई को कम करने में सरकार पूरी तरह नाकाम रही है। कुल मिलाकर सरकार द्वारा पेश किया गया बजट चुनावी जुमला बनकर रह गया है। उन्होंने कहा कि देश में बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई को कम करने में सरकार नाकाम रही है। यह बजट चुनावी जुमला साबित हुआ।

स्वयं व देश का नाम रोशन करने के लिए मेहनत कर ग्रहण करें शिक्षा : डॉ. खैहरा

विद्यालय अपग्रेड होने से कई गांव के बच्चों को मिलेगा फायदा

कुरुक्षेत्र। गांव लुखी का सरकारी स्कूल अपग्रेड होने पर बुधवार को जननायक जनता पार्टी के युवा जिलाध्यक्ष व शुगर केन कंट्रोल बोर्ड के सदस्य डॉ. जसविंदर खैहरा का विद्यालय पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान डॉ. जसविंदर खैहरा ने स्कूली बच्चों से बातचीत की और सफल होने का मंत्र दिया। डॉ.जसविंदर खैहरा ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश के कई स्कूलों को अपग्रेड किया गया है ताकि बच्चों को शिक्षा ग्रहण करने में किसी प्रकार की कोई दिक्कत का सामना ना करना पड़े।

इसी कड़ी में उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के प्रयास से गांव लुखी का स्कूल भी अपग्रेड कर 12वीं तक का कर दिया गया है। इस विद्यालय के अपग्रेड होने से लुखी व आसपास के कई गांव के बच्चों को फायदा मिलेगा। पहले जहां शिक्षा प्राप्त करने के लिए इन बच्चों को दूरदराज क्षेत्र में जाना पड़ता था वहीं अब नजदीकी इस विद्यालय में आकर 12वीं तक की शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। डॉ. जसविंदर खैहरा ने बच्चों को सफल होने का मंत्र देते हुए कहा कि युवा देश का भविष्य है। ऐसे में युवा यदि सफल

बच्चों के साथ बातचीत करते डॉ जसविन्द्र खैहरा।

होता है तो देश भी आगे बढ़ता है। इसलिए अपने स्वयं, परिवार व देश के लिए सभी बच्चों को मन लगाकर शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए। कुछ ही समय में बोर्ड के एग्जाम भी होने हैं ऐसे में सभी बच्चे मन लगाकर पढ़ाई करें और अच्छे नंबरों के साथ पास हों। अच्छे नंबरों के साथ पास हुए बच्चे अच्छे कॉलेज में यूनिवर्सिटीज में उनका दाखिला हो सकेगा। उन्होंने कहा कि अपनी इच्छा के अनुसार अपने बड़ों से सलाह करके अपने भविष्य को संवारें।

फेमिना मिस इंडिया 2023 के ऑडिशन में दिल्ली में जबरदस्त प्रतिक्रिया

उत्तर भारत के हिस्सों से प्रतिभागियों की भारी भीड़ देखी गई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वीएलसीसी और ट्रेंड सह-प्रस्तुत फेमिना मिस इंडिया 2023 मणिपुर टूरिज्म द्वारा आयोजित ओरा फाइन ज्वेलरी द्वारा सह-संचालित, मेकअप पार्टनर कलरबार मेड फॉर मैजिक और सह-संचालित रजनीगंधा पर्ल ने दिल्ली में उत्तरी राज्यों के लिए ऑडिशन आयोजित किए। एंबिएंस मॉल, वसंत कुंज में ज्तमदके स्टोर में आयोजित ऑडिशन में, जिन्होंने बेहतरीन मेजबान की भूमिका निभाई, उत्तर भारत के सभी हिस्सों से प्रतिभागियों की भारी भीड़ देखी गई।

रणनीतिक सहयोग और अवसरों के माध्यम से जो महिलाओं को रोल मॉडल और एंबेसडर के रूप में अपनी पूरी क्षमता का एहसास कराने में मदद करते हैं, फेमिना मिस इंडिया को अंतरराष्ट्रीय प्रभाव और सामाजिक प्रभाव का एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की उम्मीद है, जिससे भारत को वैश्विक स्तर पर सम्मान मिलेगा।

फेमिना मिस इंडिया की संस्था सौंदर्य की शक्ति की मनोवृत्ति को बदलने, आत्मविश्वास को प्रोजेक्ट करने और युवा महिलाओं को व्यक्तित्व की भावना, और विशिष्टता, आत्म-अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने और युवाओं के बीच महत्वपूर्ण और आकांक्षात्मक मूल्य पैदा करने के लिए सशक्त बनाने में विश्वास करती है। पेजेंट ने 29 राज्यों (दिल्ली सहित) के प्रतिनिधियों और केंद्र शासित प्रदेशों (जम्मू-कश्मीर सहित) के लिए एक सामूहिक प्रतिनिधि चुनने के लिए एक राष्ट्रीय खोज शुरू कर दी है, कुल 30 राज्य विजेता हैं, जो ग्रैंड फिनाले चरण में प्रतिस्पर्धा करेंगे। ऑनलाइन पंजीकरण करने वाले सभी आवेदकों को उनके संबंधित जोनल ऑडिशन के लिए बुलाया जाएगा, और वहां से शॉर्टलिस्ट किए गए प्रतिभागियों को प्रतियोगिता में अपने संबंधित राज्यों का प्रतिनिधित्व करने का मौका देने के लिए मुंबई में मेगा ऑडिशन के लिए आमंत्रित किया जाएगा। हाल ही में आयोजित ऑडिशन में, प्रतिभागियों को मूल्यांकन के कई दौरों से गुजरना पडा और रैंप वॉक राउंड और जूरी इंटरेक्शन में उनके प्रदर्शन पर निर्णय लिया गया। एलीट ज्यूरी पैनल में लक्ष्मी राणा - सुपरमॉडल, भरत गुप्ता -ऑफिशियल पेजेंट स्टाइलिस्ट, भावना राव-फैशन डिजाइनर, कोयल राणा-मिस वर्ल्ड एशिया 2014, और पुनीत बेनीवाल-मिस्टर इंडिया 2014 - फर्स्ट रनर-अप शामिल थे।

राजकीय स्कूल में विद्यार्थियों को करवाया सूर्य नमस्कार का अभ्यास

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में स्वामी विवेकानंद की जयंती पर शुरू किए गए 75 लाख सूर्य नमस्कार अभियान के तहत गांव बादशाहपुर माछरी स्थित राजकीय स्कूल में योग सहायक सरिता बाल्याण द्वारा विद्यार्थियों को सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया गया। योग सहायक ने कहा कि सूर्य नमस्कार सिर्फ साधना ही नहीं है बल्कि शरीर को तमाम स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से दूर रखने का महत्वपूर्ण साधन है।

रोजाना सुबह के समय सूर्य के सामने इसे करने से शरीर को विटामिन डी भरपूर मात्रा में मिलता हैं। जिससे शरीर को मजबूती मिलने के साथ ही शरीर को स्वस्थ रखने में काफी सहायता मिलती हैं। उन्होंने कहा कि सूर्य नमस्कार करना शरीर को कई तरीके से फायदा पहुंचाता है। यदि व्यक्ति नियमित रूप से सूर्य

75 लाख सूर्य नमस्कार अभियान के तहत विभिन्न गांवों व शहरों में आयोजित किए जा रहे हैं अभ्यास

नमस्कार का अभ्यास करता है तो शरीर के हर अंग के लिए बहुत सारे लाभ मिलते हैं।

सूर्य नमस्कार के योग आसन हृदय, यकृत, आंत, पेट पर बहुत प्रभाव डालते हैं और वजन घटाने के लिए विशेष रूप से लाभकारी हैं। योग सहायक ने कहा कि सूर्य नमस्कार की क्रियाएं करने से फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है। इसके अलावा मेटाबोलिज्म में सुधार होता है, मधुमेह प्रबंधन में उपयोगी, सही वजन बनाए रखने में कारगर, मांसपेशियों को मजबूती तथा शरीर को विषाक्त पदार्थों से मुक्त रखता है।

सुपर बॉटम्स ने फीमेल वैलनैस कैटेगरी में प्रवेश किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पल्लवी उतागी फाउंडर एंड सीईओ सुपर बॉटम्स के अनुसार सुपर बॉटम्स भारत का नंबर-1 स्थायी ब्राण्ड है। जो बेबी एवं मॉम असेन्शियल कैटेगरी में इनोवेटिव प्रोडक्ट्स लेकर आता है। हम बेबी केयर प्रोडक्ट्स में ऐसे बदलाव लाना चाहते हैं ताकि ये प्रोडक्ट्स पर्यावरण के अनुकूल बन जाएं और साथ ही आपके बेबी के लिए भी बेहतरीन हों। 2014 में, मेरा ध्यान डायपर रैश की समस्या की तरफ गया, मेरे बेटे का जन्म 2013 में हुआ, डिस्पोजेबल डायपर पहनाने से अक्सर उसकी त्वचा पर रैश हो जाते थे। इसलिए हमने इस समस्या का समाधान खोजने की कोशिश की, तभी हमने एक इंटरनेशनल क्लोथ डायपर ब्राण्ड बेहद पसंद आया। तभी मेरे मन में यह विचार आया कि

क्यों न मैं भारत में क्लोथ डायपर का अपना ब्राण्ड शुरू करूं।

सुपरबॉटम्स न सिर्फ एक प्रोडक्ट है बल्कि हर परिवार के लिए आसान, किफायती और सुलभ समाधान है। इसे पैरेंटिंग पाट्नर कहा जा सकता है, जो बेबीज के माता-पिता को अपने बेबी की देखभाल के लिए आधुनिक एवं स्थायी प्रोडक्ट उपलब्ध कराता है। हमारे प्रोडक्ट्स में ड्राय फील लंगोट, डायपर पैन्ट्स, पॉटी-ट्रेनिंग पैन्ट्स तथा नए लॉन्च किए गए पीरियड अंडरवियर शामिल हैं।

हम हर उम्र की महिलाओं को अपनी सेवाएं प्रदान करना चाहते हैं। जिन्हें आज के दौर भी में उचित मैन्स्ट्रुअल हाइजीन प्रोडक्ट्स उपलब्ध न होने की वजह से मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। सुपरबॉटम्स में हमारा मानना है कि हर महिला को हाइजीनिक, सुरक्षित एवं स्थायी पीरियड प्रोडक्ट मिलने चाहिए, ताकि वे माहवारी के दौरान आरामदायक महसूस करें। इसीलिए हम फीमेल वैलनैस एवं हाइजीन सेगमेन्ट में भारत का सबसे ज़्यादा एब्जार्बेन्ट पीरियड अंडरवियर- मैक्सएब्जॉर्बन्न् पीरियड अंडरवियर लेकर आए हैं।

हमारी एकता के साथ होगा अखंड भारत का विस्तार : स्वामी रामदेव

संतों ने महर्षि दयानन्द सरस्वती स्मारक बनाने का प्रस्ताव पारित किया

अजमेर शरीफ के मौलाना सलमान चिश्ती ने कहा, वह दिन दूर नहीं जब पाकिस्तान में भी तिरंगा होगा

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

कुरूक्षेत्र में ब्रह्मसरोवर पर आयोजित चतुर्वेद परायण यज्ञ में आहुति डालते योगगुरु स्वामी रामदेव और अन्य विद्वतजन।

योग गुरू स्वामी रामदेव ने कहा है कि यह सदी अखंड भारत की सदी होगी। अब वो समय आ गया है कि हम सभी को एकजुट होकर विघटनकारी ताकतों को मुंहतोड़ जवाब देना होगा। अपने वीर शहीदों के स्वप्न को साकार करते हुए ऐसे अखंड भारत का निर्माण करना है, जो भय, भूख ओर भ्रष्टाचार मुक्त हो।

वे बुधवार को कुरुक्षेत्र के प्रसिद्ध ब्रह्मसरोवर पर महर्षि दयानन्द सरस्वती द्वितीय जन्मशताब्दी शुभारम्भ समारोह के वर्ष भर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के उद्घाटन समारोह में शामिल होकर बतौर मुख्य अतिथि देश के विभिन्न धर्म, सम्प्रदाय व परम्पराओं के प्रमुख संतों की दिव्य उपस्थिति में लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। इस दौरान स्वामी रामदेव ने समारोह में शामिल सभी संतों के साथ सहमति से प्रस्ताव पारित करते हुए कहा कि धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र धर्म नगरी है, ऐसे में यहा पर हमारे आदर्श, महापुरूष महर्षि दयानन्द सरस्वती का स्मारक बनाया जाए, ताकि लोग उनके कार्यों व चिंतन से प्रेरणा ले सकें। इस दौरान उन्होंने कहा कि वेद का दूसरा नाम ज्ञान है। उन्होंने आज की युवा पीढ़ी को वेद के मार्ग का अनुसरण करने की बात कही। रामदेव ने कार्यक्रम में शामिल होने से पूर्व बारह दिवसीय चतुर्वेद परायण यज्ञ का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में बतौर अतिविशिष्ट अतिथि शामिल अखिल भारतीय इमाम संगठन के प्रमुख डा. उमेर अहमद इलियासी एवं प्रसिद्ध इस्लामिक गुरू मौलाना कोकब मुस्तफा ओर अजमेर शरीफ के मौलाना सलमान चिश्ती ने संयुक्त रूप से पाकिस्तान द्वारा संगठित रूप से चलाए जा रहे आतंकवाद को चेतावनी देते हुए कहा कि आज पाकिस्तान बर्बादी की ओर बढ़ रहा है। वह दिन दूर नहीं जब पाकिस्तान में भी तिरंगा होगा। उनकी इस दहाड़ से पूरा पंडाल भारत माता के नारों ओर अखंड भारत से गुजायमान हा गया।

समारोह में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानन्द महाराज ने महर्षि दयानन्द सरस्वती के दिखाए पर चलने का आह्वान किया। समारोह में शामिल बिशप बशटियन ने कहा, महर्षि दयानन्द सरस्वती भारत की एकता एवं अखंडता को मजबूत करने वाले महापुरूष थे। जिन्होंने प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का बिगुल बजाया। समारोह में शाामिल सभी संतों व धर्मगुरूओं ने महर्षि दयानन्द सरस्वती के चिंतन व विचारों को पूरी दूनिया के लिए आदर्श बताया। कार्यक्रम को जैन धर्म के विवेक मुनि, आचार्य योग भूषण, विश्व रविदास समाज के वीर सिंह हितकारी, हिमाचल से स्वामी योग तीर्थजी महाराज, विश्व बौद्ध संगठन भिक्षू संगसेना, विश्व सर्व धर्म संसद के सुशील जी महाराज, पतंजलि योग पीठ के वरिष्ठ न्यासी डाक्टर यशोदेव शास्त्री ने अपने उद्बोधन में महर्षि दयानन्द सरस्वती को आधुनिक भारत का निमार्ता बताया। प्रसिद्ध बौद्ध गुरू दलाईलामा ने अपना संदेश अपने आचार्य एसी द्वारा भिजवाया। समारोह में मुख्यमंत्री हरियाणा ने किसी कारण से कार्यक्रम में उपस्थित न होने के चलते अपना संदेश वीडियों कांफ्रेसिंग के माध्यम से अपना संदेश दिया।

कोटा जैसी कोचिंग मिले कैथल में : डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला

कोचिंग सेंटर के लिए की 51 लाख रुपये देने की घोषणा

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ

हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने शिक्षण संस्थानों से आह्वान किया कि वे युवाओं को उच्च प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों के लिए अवसर दें और कोटा जैसा कोचिंग सेंटर बनावाएं। उन्होंने कहा कि इससे ग्रामीण विद्यार्थी अपने क्षेत्र में ही प्रतियोगी प्रतियोगिताओं की अच्छे से तैयारी कर सकेंगे। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला बुधवार को कैथल में जाट शिक्षण संस्थान के वार्षिक उत्सव में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इस अवसर पर डिप्टी सीएम ने डिजिटल लाइब्रेरी व कोचिंग सेंटर के लिए अपने कोटे से 51 लाख रुपये देने की घोषणा की।

उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि पिछले दिनों ग्रामीण आंचल में युवाओं को घर द्वार पर शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर देने के लिए पूर्व उपप्रधानमंत्री जननायक चौधरी देवी लाल के जन्मदिवस पर 108 डिजिटल लाइब्रेरी खोलने की शुरुआत की गई थी। उन्होंने कहा कि अब इस परियोजना को बजट के जरिए केंद्र सरकार ने भी अपनाया है। उन्होंने कहा कि जाट शिक्षण संस्थान अपने परिसर में बच्चों को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए केंद्र स्थापित करें ताकि बच्चे यूपीएससी, एचपीएससी, नीट जैसी बड़ी परीक्षाओं के लिए तैयारी करें सफलता के मुकाम हासिल कर सके।

इस दौरान उपमुख्यमंत्री जाट शिक्षण संस्थान को नियमित एनओसी दिलवाने तथा शिक्षण परिसर में हरियाणवी लोक संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन हेतु बनाए जाने वाले केंद्र के लिए पांच लाख रुपये देने की भी घोषणा की। डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने कहा कि दीनबंधु सर छोटू राम तथा चौधरी देवीलाल ने सदैव किसानों, मजदूरों व कमेरे वर्गों के हितार्थ कार्य किया। उन्होंने कहा कि जननायक चौधरी देवी लाल द्वारा शुरू की गई बुढ़ापा पेंशन, कर्ज माफी, काम के बदले अनाज, जच्चा-बच्चा जैसी योजनाएं देशभर में प्रेरणा बनी हैं।

दुष्यंत चौटाला ने दीनबंधु सर छोटू राम की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। उन्होंने जाट शिक्षण संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम स्थल से ही टीक गांव में 38 करोड़ 81 लाख रुपये की धनराशि से बने रेलवे ओवर ब्रिज का उद्घाटन किया। यह कैथल जिला के लिए बहुत बड़ी सौगात है। इस पुल के उद्घाटन उपरांत लोगों को आवागमन की और भी बेहतरीन सुविधा मिलेगी

28 किलोग्राम डोडापोस्त के साथ नशा तस्कर गिरफ्तार, दो दिन के रिमांड पर

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर 28 किलोग्राम डोडापोस्त के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया। आरोपी को कोर्ट में पेश कर दो दिन का रिमांड हासिल किया। रिमांड के दौरान आरोपी से नशे की खेप के बारे में पूरी जानकारी हासिल की जाएगी।

पुलिस की माने तो एंटी नारकोटीक सेल के इंचार्ज निरीक्षक राजेश कुमार को सूत्रों के हवाले से एक नशा तस्कर के संबंध में सूचना प्राप्त हुई, मुखबिर ने बताया कि आरोपी जल्द ही नशे की खेप के साथ लाडवा से होती हुई जिला करनाल में दाखिल होगा। सूचना मिलते ही एंटी नारकोटिक सेल इंचार्ज द्वारा अपनी टीम के साथ लाडवा से इन्द्री रोड पर खानपुर क्षेत्र में नाकाबंदी करके तस्कर को गिरफ्तार करने के लिए जाल बिछाया और कुछ ही समय के इंतजार के बाद कामयाबी उनके हाथ लगी। उनकी टीम ने योजनाबद्व तरीके से गाड़ी को निश्चित स्थान तक आने दिया, फिर मौका मिलते ही आरोपी पंकज वासी केशवनगर थाना लक्षर जिला हरिद्वार को उसकी होंडा सिटी गाड़ी सहित धर दबोचा व आरोपी के कब्जा से 28 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद की गई।

नशा तस्कर जल्द अमीर बनना चाहता था

एंटी नारकोटिक सेल के इन्चार्ज निरीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि नशे की यह खेप आरोपी उतराखंड के उतरकाशी जिला के एक गांव के पास से लेकर आया था। आरोपी ने पूछताछ पर बताया कि वह नशे की इस खेप को थाना इन्द्री क्षेत्र में मोटे मुनाफे में बेचकर बहुत सारे रूपये कमाकर जल्द अमीर बनना चाहता था।

हिमाचल में हरियाणा की स्पोर्ट्स पॉलिसी होगी लागू : विक्रमादित्य सिंह

चंडीगढ़। हिमाचल के युवा सेवा एवं खेल मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा की स्पोर्ट्स पॉलिसी स्टडी करने के निर्देश दिए। खेल विभाग की पहली समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हरियाणा सबसे ज्यादा मेडल जीतने वाला राज्य है। इसलिए हिमाचल भी हरियाणा के मॉडल पर आगे बढ़कर खेलों को प्रोत्साहन देगा। विक्रमादित्य सिंह ने इन्फ्रास्ट्रक्चर, प्राइज मनी, खिलाड़ियों की नौकरी, डाइट मनी इत्यादि सभी पहलुओं पर बारीकी से स्टडी करने के निर्देश दिए हैं, ताकि राज्य में इससे खेलों को प्रोत्साहन दिया जा सके। बाद में इन्हें राज्य की स्पोर्ट्स पॉलिसी में शामिल किया जाएगा। विक्रमादित्य सिंह ने विंटर ओलंपिक के अंतर्गत स्कीइंग, माउनटेयरिंग, स्नो बोर्डिंग, पैराग्लाइडिंग को भी बढ़ावा देने को कहा है।

हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन ने सुनीं व्यापारियों की समस्याएं

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

बैठक में मौजूद हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन के साथ जिलाध्यक्ष कृष्ण लाल तनेजा व व्यापारीगण।

हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन बालकिशन अग्रवाल बुधवार को व्यापारी बोर्ड के जिलाध्यक्ष कृष्ण लाल तनेजा के कार्यालय पहुंचे। जहां पर जिलाध्यक्ष ने चेयरमैन का स्वागत किया। बोर्ड चेयरमैन बालकिशन अग्रवाल ने व्यापारियों के साथ मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं।

चेयरमैन बाल किशन अग्रवाल ने बताया कि जिला अध्यक्ष कृष्ण लाल तनेजा के आह्वान पर करनाल में व्यापारियों के समक्ष आ रही समस्याएं सुनने के लिए आए हैं। उन्होंने कहा कि व्यापारियों को किसी प्रकार की समस्याएं नहीं आने दी जाएंगी। इसीलिए तो मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने व्यापारी कल्याण बोर्ड गठित किया है। जिलाध्यक्ष कृष्ण लाल तनेजा ने कहा कि जिले के व्यापारियों की जो समस्याएं है। उन्हें प्रशासन के साथ मिलकर सुलझाया जाता है। जो समस्याएं बड़ी होती हैं। उन्हें चेयरमैन के माध्यम से सरकार के पास बात पहुंचाई जाती हैं ताकि व्यापारियों की समस्याओं का निवारण हो सके। मौके पर मुख्य रूप से मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि संजय बठला,वरिष्ठ उप प्रधान विपिन शर्मा, हरियाणा व्यापार मंडल करनाल इकाई के वाइस चेयरमैन कुलदीप मक्कड़, महासचिव हरमीत सिंह हैप्पी, विजय कौशल, मनोज वधवा, शाम बत्रा,नवीन गांधी, अमित खुराना, राजेश सिंधवानी, विकास टंडन, जेसी बब्बर, राम स्वरुप पोपड़ा, परवीन गुप्ता, संजय पोपली, राजेश पोपली, तरसेम हांडा, परमिंदर बजाज, अनिल ठुकराल,प्रेम सिंह मान, मोहिंदर अरोड़ा सहित अन्य मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

बजट में किसानों के लिए कुछ विशेष नहीं : चढूनी

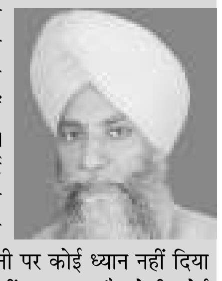

कुरुक्षेत्र। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत किए गए बजट पर भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बजट में किसानों के लिए कुछ विशेष नही किया गया है। किसानों की आर्थिक स्थिति सुधारने बारे कोई प्रावधान नहीं किया गया है। बरसाती पानी को रोकने के लिए व रिचार्ज के लिए कोई अलग से बजट से बजट का प्रावधान नहीं किया गया। पानी पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। इसके अलावा एमएसपी पर कोई बजट नहीं रखा गया है। ऐसी कोई स्कीम नहीं लाई गई। जिससे किसानों का लाभ हो। चढूनी ने कहा कि अबकी बार फिर किसान ठगा सा महसूस कर रहे हैं। बजट में सिंचाई बारे कोई बात नहीं की गई। बजट में एमएसपी कानून लाए जाने के बारे में कोई जिक्र नहीं किया गया है। किसान नेता गुरनाम सिंह चढूनी ने इस बजट को किसान और कृषि विरोधी करार दिया है।

सर्वजीत सिंह का हुआ आर्मी में चयन

गांव फालसंडा रागड़ान के सर्वजीत सिंह का आर्मी में चयन होने पर उसे सम्मानित करते समाजसेवी संदीप गर्ग।

कुरुक्षेत्र। गांव फालसड़ा रागड़ान से सर्वजीत सिंह पुत्र नैब सिंह का आर्मी में चयन होने पर गांव में खुशी की लहर है। सर्वजीत सिंह व खेल कोच ने इस नियुक्ती का श्रेय स्टालवार्ट फांउडेशन के चेयरमैन एवं समाजसेवी संदीप गर्ग को दिया है, क्योंकि समाजसेवी संदीप गर्ग द्वारा गांव संघौर में खेल नर्सरी सांगवान अकैडमी गोद ली हुई है। अकैडमी के कोच अनिल कुमार ने बताया कि इस नियुक्त का श्रेय समाजसेवी संदीप गर्ग व सर्वजीत सिंह की मेहनत को जाता है। उन्होंने बताया कि समाजसेवी संदीप गर्ग ने गांव संघौर में खेल नर्सरी सांगवान अकैडमी गोद ली हुई है। इस नर्सरी का पूरा खर्च समाजसेवी संदीप गर्ग खुद करते है। चाहे गाऊड में लाइट की व्यवस्था हो, चाहे खिलाड़ियों के ट्रैक सूट व खिलाड़ियों की टाईट का खर्च समाजसेवी संदीप गर्ग द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सर्वजीत सिंह ने ग्राऊड में पूरी मेहनत से अभ्यास किया है। वहीं समाजसेवी संदीप गर्ग ने सर्वजीत सिंह व उनके परिजनों को बधाई दी। कहा कि आज बहुत ही खुशी की बात है गांव फालसड़ा का सर्वजीत सिंह का आर्मी में चयन हुआ है। जो पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया सभी युवा अपने आस-पास बने खेल मैदान में अभ्यास करें ताकि आगे भी लाडवा के हलके युवा आर्मी व पुलिस में भर्ती होकर देश की रक्षा कर सकें। उन्होंने कहा कि लाडवा हल्के के युवाओं को इसके लिए प्ररेरित किया जाएगा और हर गांव के युवाओं को पुलिस व आर्मी की भर्ती के लिए प्रक्षिशण दिया जाएगा।

जिला स्तरीय रिडिंग प्रमोशन माह के तहत विभिन्न विधाओं में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

प्रतियोगिता में भाग लेते जिलेभर के विद्यार्थी।

हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद के तहत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय करनाल में जिला स्तरीय रिडिंग प्रमोशन माह के तहत विभिन्न विधाओं में राजकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के बीच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन डीपीसी करनाल महावीर सिंह के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रतियोगिता में 6 से 8 कक्षा की चार विधाओं हिंदी में वाद-विवाद प्रतियोगिता, हिंदी वृर्तनी प्रतियोगिता, अंग्रेजी स्पेलिंग बी प्रतियोगिता, लेखन प्रतियोगिता तथा 9 से 12 कक्षा के बीच हिंदी वाद विवाद प्रतियोगिता, इंगलिश टेंस प्रतियोगिता, लेखन प्रतियोगिता, यंग चिल्ड्रन कविता लेखन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की नोडल अधिकारी एपीसी अंजू ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं में प्रत्येक ब्लॉक से प्रत्येक कक्षा से प्रत्येक विधा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। कक्षा 6वीं से 8वीं कक्षा के 72 बच्चों ने और 9 से 12 कक्षा के 96 बच्चों ने भाग लिया। एपीसी अंजू ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों को स्कूल स्तर से लेकर राज्य स्तर तक अपनी शैक्षित प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त होता है। डीपीसी महावीर सिंह ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों की लिखने की कला में सुधार, वृर्तनी की शुद्धता व बच्चों की अंग्रेजी व हिंदी में पढने की क्षमता को विकसित करना है। इस तरह की प्रतियोंगिताओं में भाग लेने से बच्चों की तार्किक क्षमता बढती है और उनका मानसिक विकास भी होता है। ऐसी प्रतियोगिताओं में बच्चों को बढ चढकर भाग लेना चाहिए।

इस प्रकार रहे परिणाम

वाद विवाद प्रतियोगिता में कक्षा 6 में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गंगाटेहड़ी पोपड़ा से ऐंजल, कक्षा 7 से राजकीय मॉडल स्कूल खेड़ा चमरान से समीरा, कक्षा 8 से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नरूखेड़ी से नैन्सी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कहानी लेखन में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बल्ला से प्रीति, राजकीय मिडल विद्यालय जडौली से अंकित, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तरावडी से अंजू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सियासतदानों को रास नहीं आ रही गोहाना की जलेबी धरती

पायनियर समाचार सेवा। सिरसा

गोहाना का जिक्र चलते ही वहां की जलेबी कोई याद करते हुए मुंह में मिठास के लिए पानी आ ही जाता है। गोहाना और जलेबी एक दूसरे के पर्याय हैं, मगर बात सियासत की की जाए तो सियासतदानों के लिए यहां की धरती कड़वाहट ही दे रही है। पिछले कुछ वर्षों से हरियाणा के राजनेताओं ने गोहाना को रैली के लिए उपयुक्त स्थल माना हुआ है, मगर जिस जिस नेता या पार्टी ने यहां रैली की वह अक्सर बंटाधार ही हो गई। अमित शाह की फ्लॉप हुई रैली ने इस पर एक और मोहर लगा दी हैं। अब अमित शाह की अगली रैली सिरसा ससदीय शेत्र में होनी है।

इतिहास में झांककर देखा जाए तो वर्ष 2013 में तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने गोहाना में एक राज्य स्तरीय रैली का आयोजन किया तो उसके बाद 2014 में हुए चुनाव में प्रदेश से कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया। जाट बहुल क्षेत्र मांनते हुए भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने सोनीपत लोकसभा क्षेत्र से अपनी किस्मत आजमाई मगर सफलता फिर भी हाथ नहीं लगी उल्टा बेटे दीपेंद्र हुड्डा की रोहतक संसदीय क्षेत्र से भी छुट्टी हो गई। शिक्षक भर्ती घोटाले के बाद हाशिए पर चली गई इंडियन नेशनल लोकदल के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने संघर्ष के बूते पार्टी को जिंदा ही नहीं रखा बल्कि सत्ता के करीब भी ले गए मगर पूर्व उप प्रधानमंत्री चौधरी देवी लाल की 25 सितंबर 2018 को जयंती को सम्मान दिवस के तौर पर मनाया गया।

भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व ले सकता है चंडीगढ़ में बैठे नेताओं की सियासी बलि

पोक्सो एक्ट में दो आरोपियों को 20 साल की सजा

अपहरण के मामले में भी सुनाई चार साल की कठोर कारावास की सजा

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

मामले की जानकारी देते जिला न्यायवादी डा. पंकज।

अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायधीश, करनाल श्रीमति रेणु राणा ने नाबलिग लडक़ी को बहला-फुसलाकर एवं दुष्कर्म के मामले में युवक व उसके नाबालिग दोस्त दोषी मानते हुए पोक्सों एक्ट में 20 साल का कठोर कारावास व 25 हजार रुपये जुर्माना अदा करने के आदेश दिए हैं। जुर्माना न भरने पर दोषी को 6 माह अतिरिक्त जेल में रहना होगा। इसके अलावा अपहरण के मामलें में अदालत ने युवक व नाबालिग दोस्त को दोषी मानते हुए 4 साल का कठोर कारावास व 10 हजार रूपए जुर्माना लगाया है। जुर्माना न भरने पर दोनों को 2 महीने अतिरिक्त सजा काटनी होगी।

डॉ. पंकज जिला न्यायवादी ने बताया कि इस मामले की पैरवी करते हुए अदालत में गवाहों एवं सबूतों को मजबूती से पेश किया गया ताकि आरोपयिों को अधिक से अधिक सजा मिल सकें। सबूतों और गवाहों को देखते हुए अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायधीश रेणु राणा ने फैसला सुनाते हुए दोषी सुरेश व उसके दोस्त को पोक्सो एक्ट में 20 साल के कठोर कारावास की सजा व 25 हजार रुपये जुर्माना अदा करने के आदेश दिए हैं। जुर्माना न भरने पर दोषियों को 6 माह अतिरिक्त जेल में रहना होगा। इसके अलावा अपहरण के मामलें में अदालत ने दोनों को दोषी मानते हुए 4 साल के कठोर कारावास की सजा व 10 हजार रुपये जुर्माना लगाया है। जुर्माना न भरने पर दो महीने अतिरिक्त सजा काटनी होगी।

पैरोल जम्परों सम्पत्ति कुर्क होगी : **पैराले** पर आकर जेल में वापसी न करने वाले भगोड़े कैदियों की सम्पत्ति कुर्कहोगी। इसे लेकर बुधवार को जिला मजिस्ट्रेट अनीश यादव ने जिला न्यायवादी डॉ. पंकज सैनी और एडीए बृज मोहन के साथ एक मीटिंग कर ऐसे केसों का रिव्यू किया। उन्होंने पेरोल जम्परों की सम्पत्ति कुर्क करने के लिए जो भी प्रक्रिया है, उसे अपनाने के लिए जिला न्यायवादी से सलाह-मशवरा किया और बताया कि इसके लिए जिले के एसडीएम व डीआरओ सरीखे अधिकारी, जो एक्सीक्यूटिव मजिस्ट्रेट के तौर पर जमानत के कागजात लेते हैं।

शिकायत में ये लगाए थे आरोप

15 सितंबर 2019 को थाना घरौंड़ा में शिकायत दर्ज कराते हुए लडक़ी के पिता ने बताया था कि उसकी 15 वर्ष की बेटी को सुरेश निवासी सदरपुर उसकी बेटी को गलत नीयत से बहला-फुसलाकर ले गया है। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लडक़ी के साथ आरोपी सुरेश को गिरफतार कर लिया। आरोपी से जब पूछताछ की तो मालूम हुआ कि इस साजिश में उसका दोस्त जो अपचारिक बालक भी शामिल था। पुलिस इस मामले में सुरेश व उसके दोस्त के खिलाफ पोक्सो व अपहरण के तहत मामला दर्ज कर लिया था।

जिला न्यायवादी करनाल डॉ. पंकज ने बताया कि सरकार के आदेशों के मुताबिक पोक्सों एक्ट के मामलों में दोषियों को अधिक से अधिक सजा दिलाने का प्रयास रहता है। बीते मामलों में भी दोषियों को लंबी सजा करवाई गई है। अदालत में गवाहों एवं सबूतों को मजबूती से पेश किया जाता है, ताकि दोषी बच के निकल ना पाए। दोषियों को सजा मिलने से समाज में भी संदेश जाता है कि अपराधी गतिविधियों में संलिप्त होने से दोषी बच नहीं सकता और आखिर में उसे जेल की सलाखों के पीछे आना ही पड़ता है। इसलिए अदालत ओर सजा का डर अपराध को कम करने में मददगार साबित होता है।

हिस्ट्री टीवी 18 पर मिलिए नई दिल्ली के माचिस कलेक्टर से, जिसके संग्रह में आइटम हैं 25,000 से अधिक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आपने संग्रहालयों में कुछ बेहतरीन संग्रह देखे होंगे, लेकिन इस शख्स का संग्रह निश्चित रूप से अनोखा है। मिलिए 67 वर्षीय गौतम हेमाडी से, जिनके पास 25,000 से अधिक माचिस की डिब्बियों, लेबल और कवर का संग्रह है। यह अनूठा कलेक्शन देखिए ओएमजी ये मेरा इंडिया के अगले एपिसोड में, इस गुरुवार, 2 फरवरी को रात 8 बजे, सिर्फ हिस्ट्री टीवी 18 पर। फैक्चुअल एंटरटेनमेंट में सबसे कामयाब सीरीज का नौवां सीजन हमेशा की तरह हर गुरुवार को रात 8 बजे असाधारण भारतीयों की ऐसी अविश्वसनीय कहानियां लेकर आएगा जो मनोरंजक होने के साथ-साथ प्रेरणा से भरपूर हैं।

गौतम नई दिल्ली के एक रिटायर्ड आर्किटेक्ट हैं, जो हमेशा से ही माचिस की डिब्बियों में रुचि दिखाते रहे हैं। उनके विशाल संग्रह में कुछ बहुत ही खास लेबल हैं जिनमें से सबसे विशेष है। स्वतंत्रता सेनानियों का कलेक्शन और यहां तक कि उनके संग्रह में 19वीं शताब्दी के आइटम भी शामिल हैं! गौतम ने दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में 'माचिस लेबल्स एंड द स्टोरीज दे टेल' नाम से अपनी पहली प्रदर्शनी भी आयोजित की। गौतम और उनके संग्रह के बारे में और जानिए इस गुरुवार को रात 8 बजे, ओएमजी ये मेरा इंडिया पर।

इस कार्यक्रम में नई दिल्ली के माचिस कलेक्टर की कहानी के अलावा देश के अलग-अलग कोनों से कई और अद्भुत कहानियों को देखने का मौका मिलेगा। जिसमें भारत की पहली सौर ऊर्जा से चलने वाली ड्राइवर रहित बस भी शामिल है। देखिए 'ओएमजी ये मेरा इंडिया, हर गुरुवार, रात 8 बजे, सिर्फ हिस्ट्री टीवी 18 पर।

कैसे तैयार होता है केंद्रीय बजट?

बजट प्रभाग प्रति वर्ष अगस्त-सितंबर के महीनों में आगामी वित्त वर्ष का केंद्रीय बजट तैयार करने की प्रक्रिया शुरू करता है

प्रक्रिया की शुरुआत में बजट प्रभाग प्रति वर्ष अगस्त के आखिरी सप्ताह या सितंबर के पहले पखवाड़े में वार्षिक बजट परिपत्र जारी करता है। अधिकांश देशों की तरह, भारत में बजट प्रक्रिया के चार विशेष चरण हैं।

बजट तैयार करना: आगामी वित्त वर्ष के लिए आय और व्यय का अनुमान तैयार करना, बजट मंजूर करना, वित्त विधेयक और विनियोजन विधेयक मंजूर करके विधानपालिका द्वारा प्रस्तावित बजट का अनुमोदन, बजट लागू करना, सरकार द्वारा वित्त विधेयक और विनियोजन विधेयक के प्रावधान लागू करना, आय एकत्र करना व विधानपालिका के अनुमोदन के अनुसार विभिन्न सेवाओं के लिए इन्हें संवितरित करना तथा बजट के कार्यान्वयन की समीक्षा, विधानपालिका की ओर से सरकार के वित्तीय कार्यों की लेखा परीक्षा।

प्रक्रिया अगस्त-सितंबर में शुरू होती है

केंद्र सरकार में वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले आर्थिक कार्य विभाग में बजट प्रभाग है।

यह प्रभाग प्रति वर्ष अगस्त-सितंबर के महीनों में आगामी वित्त वर्ष का केंद्रीय बजट तैयार करने की प्रक्रिया शुरू करता है। प्रक्रिया की शुरुआत में बजट प्रभाग प्रति वर्ष अगस्त के आखिरी सप्ताह या सितंबर के पहले पखवाड़े में वार्षिक बजट परिपत्र (सर्कुलर) जारी करता है। इस वार्षिक बजट परिपत्र में केंद्र सरकार के मंत्रालयों/ विभागों द्वारा तैयार किए जाने वाले बजट अनुमान के विवरण के रूप और अंतर्वस्तु से संबंधित विस्तृत निर्देश शामिल होते हैं।

अनुमान, संशोधित अनुमान और वास्तविक आंकड़े

यह भी उल्लेखनीय है कि बजट तैयार करने की इस प्रक्रिया के दौरान मंत्रालयों को अपनी आय और व्यय से संबंधित तीन तरह के आंकड़े उपलब्ध कराने होते हैं।

ये हैं, बजट अनुमान, संशोधित अनुमान और वास्तविक आंकड़े

मान लीजिए, कैलेंडर वर्ष 2011 की दूसरी छमाही में बजट तैयार करना है। केंद्र सरकार सितंबर 2011 से फरवरी 2012 की अवधि के दौरान वर्ष 2012-13 के लिए बजट तैयार करेगी। इस मामले में, वर्ष 2012-13 की अनुमानित प्राप्तियों/ व्यय के लिए संसद का अनुमोदन मांगा जाएगा जिसे बजट अनुमान कहा जाएगा। इसी समय केंद्र सरकार वर्ष 2012-13 के अपने बजट में चालू वित्त वर्ष 2011-12 के संशोधित अनुमान प्रस्तुत करेगी। यहां उल्लेखनीय है कि सरकार 2011-12 के संशोधित अनुमान के लिए संसद का अनुमोदन नहीं मांगेगी लेकिन ये संशोधित अनुमान सरकार को वित्त वर्ष 2011-12 के पहले छः महीनों के दौरान वर्ष 2011-12 के बजट के कार्यान्वयन के आधार पर विभिन्न मंत्रालयों के बीच अपनी निधि का पुन: आबंटन करने का अवसर देंगे।

अंतत: मंत्रालय पिछले वित्त वर्ष 2011-12 के लिए अपनी वास्तविक आय

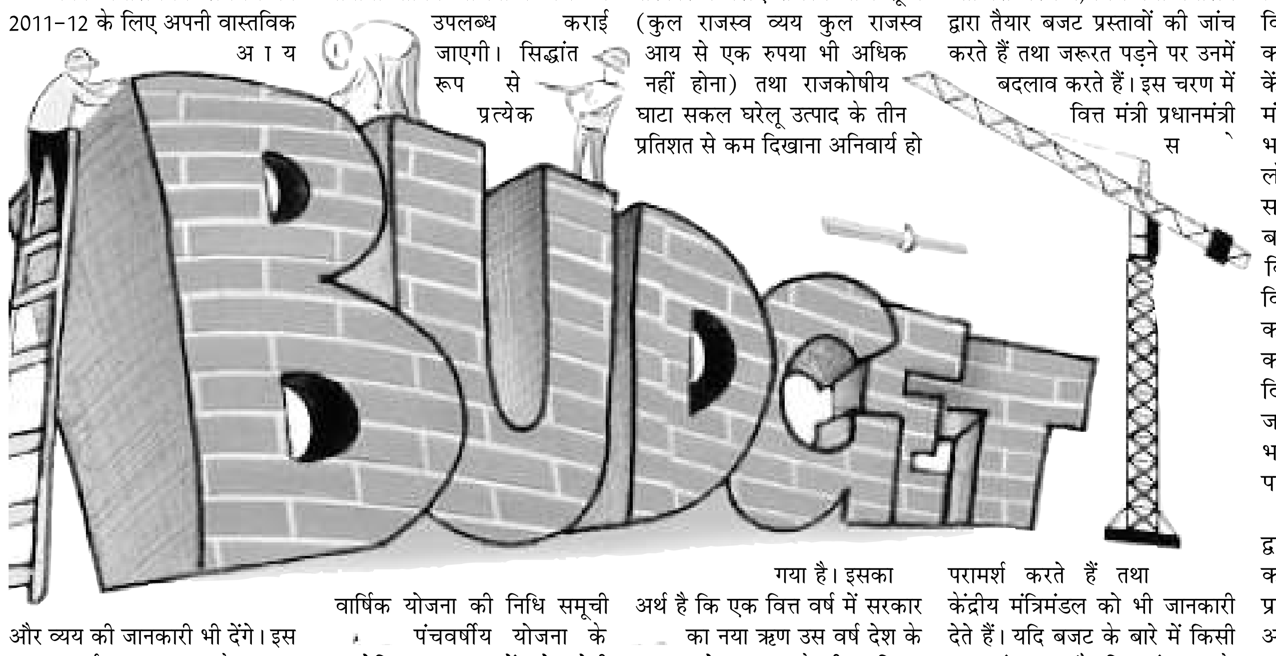

और व्यय की जानकारी भी देंगे। इस प्रकार वर्ष 2012-13 के बजट अनुमान, वर्ष 2011-12 के संशोधित अनुमान और वर्ष 2010-12 की वास्तविक आय और व्यय शामिल होंगे।

क्या थी पूर्ववर्ती योजना आयोग की भूमिका

केंद्र सरकार के मंत्रालय अपनी संबंधित योजनागत स्कीम के बारे में केंद्रीय योजना आयोग (जिसे भंग कर नीति आयोग बनाया गया है) के साथ विचार-विमर्श करने के बाद ही आगामी वित्त वर्ष के बजट अनुमान के लिए योजनागत व्यय हेतु बजट अनुमान उपलब्ध कराएंगे। योजना आयोग कुछ बजटीय सहायता का आकार तय करने के लिए वित्त मंत्रालय पर निर्भर करता है। यह बजटीय सहायता केंद्र सरकार की आगामी वार्षिक योजना के बजट में उपलब्ध कराई जाएगी। सिद्धांत रूप से प्रत्येक वार्षिक योजना की निधि समूची पंचवर्षीय योजना के अनुमोदित आकार में से होनी चाहिए। हालांकि व्यवहार में, वार्षिक योजना के लिए कुल बजटीय सहायता का आकार आगामी वित्त वर्ष के लिए वित्त मंत्रालय के पास उपलब्ध संभावित निधि पर भी आधारित होता है।

घाटे को कम करने की जरूरत

पिछले कुछ वर्षों में वित्त मंत्रालय राजकोषीय उत्तरदायित्व और प्रबंधन अधिनियम तथा इसके नियमों का हवाला देकर केंद्र सरकर के राजकोषीय घाटे और राजस्व घाटे को कम करने की जोर-शोर से मांग कर रहा है। अत: योजना आयोग और केंद्र सरकार की इस अधिनियम की कानूनी बाधाओं से बचने की अभिलाषा के कारण केंद्र सरकार के लिए राजस्व घाटा शून्य (कुल राजस्व व्यय कुल राजस्व आय से एक रुपया भी अधिक नहीं होना) तथा राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद के तीन प्रतिशत से कम दिखाना अनिवार्य हो गया है। इसका अर्थ है कि एक वित्त वर्ष में सरकार का नया ऋण उस वर्ष देश के सकल घरेलू उत्पाद के तीन प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए।

आखिरी चरण

इसके साथ ही, बजट तैयार करने के आखिरी चरण में राजस्व अर्जित करने वाले केंद्र सरकारी मंत्रालय वर्तमान वित्त वर्ष (संशोधित अनुमान) और आगामी वित्त वर्ष (बजट अनुमान) में अपने राजस्व के अनुमान वित्त मंत्रालय को उपलब्ध कराते हैं। इसके बाद, सामान्यत जनवरी में अनुमानित प्राप्तियों को अंतिम रूप देने पर अधिक ध्यान दिया जाता है। आगामी वित्त वर्ष में व्यय को पूरा करने के लिए संसाधनों की कुल आवश्यकता के मद्देनजर वित्त मंत्रालय आगामी वित्त वर्ष के लिए राजस्व प्राप्तियों पर ध्यान देता है। बजट तैयार करने के आखिरी चरण में, वित्त मंत्री मंत्रालय द्वारा तैयार बजट प्रस्तावों की जांच करते हैं तथा जरूरत पड़ने पर उनमें बदलाव करते हैं। इस चरण में वित्त मंत्री प्रधानमंत्री स` परामर्श करते हैं तथा केंद्रीय मंत्रिमंडल को भी जानकारी देते हैं। यदि बजट के बारे में किसी अन्य मंत्रालय और वित्त मंत्रालय के बीच कोई मतभेद होता है तो उसे भी मंत्रिमंडल में सुलझाया जाता है।

अंतिम चरण में, वित्त मंत्रालय का बजट प्रभाग बजट में प्रस्?तुत किए जाने वाले सभी आंकड़ों को समेकित करता है तथा अंतिम बजट दस्?तावेज तैयार करता है। नेशनल इन्फोर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) बजट संबंधी आंकड़े समेकित करने की प्रक्रिया में बजट प्रभाग की मदद करता है। यह प्रक्रिया पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत है। इस प्रक्रिया के अंत में वित्त मंत्री संसद में केंद्रीय बजट प्रस्तुत करने के लिए भारत के राष्ट्रपति से अनुमति लेते हैं।

संविधान के अनुसार, राष्ट्रपति द्वारा निर्धारित दिन पर केंद्रीय बजट लोक सभा में प्रस्तुत किया जाता है। परंपरा के अनुसार वित्त मंत्री फरवरी के आखिरी कार्य दिवस पर लोकसभा में केंद्रीय बजट प्रस्तुत करते हैं। वित्त मंत्री बजट प्रस्तुत करते समय भाषण देते हैं। वित्त मंत्री द्वारा लोकसभा में अपना बजट भाषण समाप्त करने के बाद ही वार्षिक बजट विवरण राज्यसभा में प्रस्तुत किया जाता है। लोकसभा में वित्त विधेयक पेश होने के बाद सांसदों को बजट दस्तावेज उपलब्ध कराया जाता है और सदन उस दिन के लिए स्थगित कर दिया जाता है। यह उल्लेखनीय है कि भारत में बजट प्रक्रिया के एक पहलू में पारदर्शिता का अभाव है।

एक ओर जहां विधानपालिका द्वारा बजट मंजूर करने तथा उसके कार्यान्वयन की समीक्षा करने की प्रक्रिया पारदर्शी है, वहीं दूसरी ओर सरकार द्वारा बजट तैयार करने की पूरी प्रक्रिया बंद दरवाजों के पीछे होती है।

(सौजन्य सेंटर फॉर बजट एंड गवर्नेंस अकाउंटेबिलिटी (सीबीजीए)। यह संगठन गैर सरकारी सार्वजनिक नीतियों और शासन की जवाबदेही पर काम करता है)

आम बजट 2023-24 : ग्रामीण घरों का सर्वे करने के लिए राज्यों को करना होगा एमओयू, स्वामित्व योजना में 40 फीसदी कटौती

इस योजना के तहत गांवों में ड्रोन के जरिए सर्वे का काम बेहद मंद गति शुरु से हुआ लेकिन बीते चार वर्षों में खास प्रगति नहीं हो पाई है।

गांव के परिवारों को उनके घर का प्रॉपर्टी कार्ड दिलाने के मकसद से शुरू की गई केंद्र प्रायोजित योजना स्वामित्व (सर्वे ऑफ विलेज एंड मैपिंग विद इंप्रूवाइज्ड टेक्नोलॉजी इन विलेज एरियाज) का बजट वित्त वर्ष 2023-24 में 40 फीसदी कम कर दिया गया है। केंद्रीय पंचायती राज्य मंत्रालय इस योजना को सर्वे ऑफ इंडिया और राज्य सरकारों की मदद से संचालित कर रही थी। इस योजना के तहत ग्रामीण परिवार को उसके घर की संपत्ति के आधार पर कर्ज और अन्य वित्तीय सेवाओं के योग्य भी बनाना है।

पंचायती राज मंत्रालय के वित्त वर्ष 2023-24 के लिए स्वामित्व योजना को कुल 76 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में इस योजना का संशोधित बजट 105 करोड़ रुपये था। 24 अप्रैल, 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जरिए नौ राज्यों में पायलट आधार पर शुरु की गई इस योजना को 24 अप्रैल, 2021 को पूरी तरह से पंचायती राज मंत्रालय के जरिए लागू किया गया।

वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में स्वामित्व योजना के लिए कहा गया है

कि पंचायती राज मंत्रालय के संयुक्त प्रयास से चलाई जा रही इस योजना को लागू करने के लिए राज्यों को सर्वे ऑफ इंडिया के साथ एमओयू करने होंगे। इस योजना के तहत गांवों में ड्रोन के जरिए सर्वे का काम बेहद मंद गति शुरु से हुआ लेकिन बीते 4 वर्षों में खास प्रगति नहीं हो पाई है। स्वामित्व योजना पोर्टल के मुताबिक अब तक कुल 59,161 प्रॉपर्टी कार्ड बन पाए हैं जिनमें 52,405 कार्ड बांटे गए हैं।

वहीं जीआईएस में 31 जनवरी, 2023 को उपलब्ध राज्यवार आंकड़ों के अनुसार कुल 59,161 प्रॉपर्टी कार्ड में अकेले उत्तर प्रदेश में अभी तक 31702 कार्ड बने हैं जबकि उत्तराखंड में 6909, राजस्थान में 47, उड़ीसा में 13, महाराष्ट्र में 4329, मध्य प्रदेश में 10693, लद्दाख में 24, कर्नाटक में 1889, जम्मू-कश्मीर में 18, हरियाणा में 3477, गुजरात में 37,छत्तीसगढ़ में 18, अंडमान-निकोबार में कुल चार प्रापर्टी रिकॉर्ड बन पाए हैं।

पंचायती राज मंत्रालय को केंद्रीय बजट में मामूली बढ़त मिली है। वित्त वर्ष 2022-23 में इस मंत्रालय का कुल बजट 905.77 करोड़ है जबकि वित्त वर्ष 2023-24 के ताजा बजट में 1016.42 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

वहीं, मंत्रालय के तहत पंचायती संस्थाओं को मजबूती देने के लिए संचालित की गई केंद्र प्रायोजित योजना राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) को देश के सभी राज्यों और संघ शासित प्रदेशों में विस्तार दिया गया है। इसमें दो स्कीम का मिश्रण भी कर दिया गया है। पहली स्कीम है इंसेटिवाइजेशन ऑफ पंचायत और दूसरी मिशन मोड प्रोजेक्ट ऑन ई-पंचायत। आरजीएसए के लिए वित्त वर्ष 2023-24 में कुल बजट प्रावधान 895 करोड़ रुपए है जबकि बीते वित्त वर्ष में 762 करोड़ रुपये का बजट दिया गया था।

आरजीएसए के तहत संघ शासित प्रदेशों को (100 फीसदी) छोड़कर केंद्र 60 फीसदी और राज्यों का 40 फीसदी कंपोनेंट रहेगा। वहीं पूर्वोत्तर और जम्मू-कश्मीर के लिए के लिए केंद्र 90 फीसदी और राज्य का अंश 10 फीसदी रहेगा।

बजट 2023-24: मनरेगा बजट में लगातार तीसरे वर्ष 34 फीसदी कटौती 25 हजार करोड़ का भुगतान बाकी

मनरेगा के तहत वित्त वर्ष 2022-23 में जनवरी तक करीब 16000 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया गया है जो कि वित्त वर्ष के खत्म होने यानी मार्च तक 25 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। गांवों में श्रमिकों का सबसे बड़ा सहारा बनने वाले महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी कानून (मनरेगा) में न सिर्फ लगातार श्रमदिवस कम हो रहे हैं बल्कि औसतन 10 फीसदी लोगों को मांग के अनुरूप रोजगार और उनका भुगतान भी नहीं दिया जा रहा है। 01 फरवरी, 2023 को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट पेश किया। इस बार यानी वित्त वर्ष 2023-24 के लिए मनरेगा के मद में कुल 60000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है यह बीते वित्त वर्ष के संशोधित बजट 89000 करोड़ रुपए से करीब 34 फीसदी कम है। यह लगातार तीसरा वर्ष है जब मनरेगा के बजट में कटौती की गई है। इससे पहले वित्त वर्ष 2022-23 में 25.5 फीसदी और 2021-22 में 34 फीसदी कटौती की गई थी। बजट कम होने का सीधा मतलब श्रमदिवस के कम होने और रोजगार के अवसरों में कमी से भी है। नरेगा संघर्ष मोर्चा के एक्टिविस्ट निखिल डे ने डाउन टू अर्थ से बताया कि मनेरगा के तहत भुगतान का पहाड़ बड़ा होता जा रहा है। निखिल डे के मुताबिक मनरेगा के तहत वित्त वर्ष 2022-23 में जनवरी तक करीब 16000 करोड़ रुपए का भुगतान नहीं किया गया है जो कि वित्त वर्ष के खत्म होने यानी मार्च तक 25 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। वहीं, एक्सपर्ट्स का मानना है कि मनरेगा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने वाला एक प्रमुख औजार है। खासतौर से भूमिहीन श्रमिकों और सीमांत किसानों के लिए यह एक बड़ा सपोर्ट सिस्टम है। मांग के बावजूद इसके बजट में कटौती की गई है। एक दिन पहले 31 जनवरी, 2023 को पेश आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट में कहा गया है कि मनरेगा के तहत 6 जनवरी, 2023 तक कुल 225.8 करोड़ श्रम दिवस पैदा किया गया जो कि वर्ष 2018-19 में 267.9 करोड़ श्रम दिवस के मुकाबले काफी कम है। इससे पहले आर्थिक सर्वेक्षण 2021-22 में भी यह स्वीकार किया गया था कि ऐसे राज्य जो प्रवासी श्रमिकों के श्रम का अस्थाई ठिकाना हैं 2021 में उन्हीं राज्यों में मनरेगा के तहत काम मांगने में बढोत्तरी हुई थी। इनमें पंजाब, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु प्रमुख हैं। सिर्फ गांव ही नहीं काम के ठिकाने वाले शहरों में भी मनरेगा के तहत मांग में बढोत्तरी जारी है। कोरोनाकाल में लॉकडाउन के दौरान दिल्ली-मुंबई जैसे महानगरों से जब करोड़ों की संख्या में प्रवासी अपने गांव-घर पहुंचे तो मनरेगा ने ही रोजमर्रा जीवन को चलाने में बड़ी भूमिका अदा की थी। बीते वित्त वर्ष 2021-22 में जब 34 फीसदी बजट कम किया गया था तो रेगा संघर्ष मोर्चा के सदस्य देबामल्या नंदी ने डाउन टू अर्थ से कहा था कि बजट में कटौती का परिणाम आने वाले वर्षों में श्रम का भुगतान में भी हो सकता है, जो कि ताजा आर्थिक सर्वे रिपोर्ट में स्पष्ट है।

कृषि क्षेत्र में घटता सरकार का निवेश, निजी निवेश और कर्ज से प्रगति की आस

पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के लिहाज से दुनिया में भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। महामारी और यूरोप में जारी अशांति के बीच 2023 में भारतीय अर्थव्यवस्था फलने और फूलने जा रही है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2022-23 इकोनॉमिक सर्वे रिपोर्ट जारी करते हुए यह विश्वास जताया है। हालांकि, महामारी के तीसरे वर्ष भी आर्थिक रिपोर्ट यह दर्शाता है कि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ खेती-किसानी ही है। खेती-किसानी व श्रम-श्रमिकों की प्रगति के आंकड़े इस रिपोर्ट में भले ही चमकदार हों लेकिन उनका विश्लेषण दूसरी तस्वीर पेश करता है।

2022-23 आर्थिक सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक बीते छह वर्षों में कृषि क्षेत्र की सालाना औसत वृद्धि दर 4.6 फीसदी है। सरकार ने इसके कारण में आंशिक तौर पर अच्छा मानसून वर्ष और सरकार के कृषि संबंधी सुधारों को गिनाने की कोशिश की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड-19 के झटके के बावजूद कृषि और संबंधित क्षेत्रों ने

अच्छी प्रगति दर्ज की है। यदि आर्थिक सर्वे में इन बातों से संबंधित आंकड़ों को देखिए तो यह स्पष्ट होता है कि कृषि क्षेत्र की सालाना 4.6 फीसदी औसत वृद्धि दर स्पष्ट तस्वीर नहीं पेश करती। वर्ष 2014-15 में कृषि और संबंधित क्षेत्रों की वृद्धि दर 0.2 फीसदी, 2015-16 में 0.6 फीसदी, 2018-19 में 2.1 फीसदी यानी न्यूनतम स्तर पर रही। इन सभी वर्षों को सूखे का सामना करना पड़ा था। जबकि 2016-17 में 6.8 फीसदी, 2017-18 में 6.6 फीसदी, 2019-20 में 5.5 फीसदी, 2020-21 में 3.3 फीसदी और 2021-22 में 3 फीसदी की औसत वृद्धि दर मानसून के बल पर ही बेहतर रही।

इसी तरह कृषि क्षेत्र में सरकार सर्वाधिक निजी निवेश की बात कर रही है। हालांकि, कृषि क्षेत्र स्वयं सदैव से देश का सबसे बड़ा निजी उद्यम रहा है। आर्थिक सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक 2021-22 में कृषि क्षेत्र में निजी निवेश 9.3 फीसदी है जबकि 2014-15 में भी कृषि क्षेत्र में निजी निवेश 9.3 फीसदी रहा है। सरकार जिस निजी निवेश की बात कर रही है दरअसल वह कृषि में बड़े व्यावसायिक निवेश का संकेत है। जबकि कृषि क्षेत्र में सरकार का अपना निवेश घटता जा रहा है। वर्ष 2014-15 में सरकार का कृषि क्षेत्र में निवेश 5.4 फीसदी था, जबकि 2020-21 में यह कृषि निवेश घटकर 4.3 फीसदी हो गया है।

आर्थिक सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक सरकार अब भी कृषि क्षेत्र को संस्थागत कर्ज और ब्याज के जरिए आगे बढाना चाहती है। हालांकि सरकार इन संस्थागत कृषि ऋणों में जारी भ्रष्टाचार और जलवायु परिवर्तन व मौसम की मार झेल रहे किसानों के बोझ को कम करने के बारे में नहीं सोच रही है।

किसानों के लिए 40 हजार से अधिक ग्रामीण बाजारों का काम दशकों से अधूरा है और सरकार बुनियादी संरचनाओं में अपना निवेश घटा रही है।

आर्थिक सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक कृषि क्षेत्र में संस्थागत निवेश के लक्ष्य को पार कर रही है। 2021-22 में लक्ष्य से 13 फीसदी अधिक कुल 16.5 लाख करोड़ रुपये बांटे गए। वहीं वित्त वर्ष 2022-23 में 18.5 लाख करोड़ रुपये संस्थागत कृषि ऋण का लक्ष्य रखा गया है। इसी तरह कृषि संबंधी जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए सरकार ने वित्त वर्ष 2020-21 में सेंट्रल सेक्टर स्कीम एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड स्थापित किया था। यह कोविड के वक्त जारी 20 लाख करोड़ रुपए फंड की घोषणा का हिस्सा था। इस बार आर्थिक सर्वे रिपोर्ट में एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रेक्चर फंड से ऋण प्रवाह जारी रखने की बात कही गई है। वहीं, किसानों की आय दोगुनी मामले में भी कोई स्पष्ट बात सामने नहीं आई। यह कहा गया कि सिफारिशों के मुताबिक कदम बढाए जा रहे हैं।

ग्रामीण रोजगार

श्रम और श्रमिक के मामले में भी आर्थिक सर्वे ने निराश किया है। छह जनवरी, 2023 तक कुल 225.8 करोड़ श्रम दिवस पैदा किया गया जो कि वर्ष 2018-19 में 267.9 करोड़ श्रम दिवस के मुकाबले काफी कम है। इस बात के संकेत बीते दो वित्त वर्ष से मिल रहे हैं। क्योंकि बीते दो वित्त वर्ष से बजट में मनरेगा के लिए फंड का प्रावधान लगातार कम किया जा रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए मनरेगा के मद में 73000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था। यह बीते वित्त वर्ष के संशोधित बजट 98000 करोड़ रुपए से 25.5 फीसदी कम था। जबकि इससे पहले वित्त वर्ष 2021-22 में मनरेगा बजट में 34.5 फीसदी की कमी की गई थी। आर्थिक सर्वे में फार्मर्स प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन (एफपीओ) और को मजबूत करने की बात कही गई है। साथ ही किसानों की उपज के लिए किसान रेल का जिक्र किया गया है। सरकार ने आर्थिक सर्वे में कृषि क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन की चुनौती, टुकड़ों में बंटी हुई जोत, गैर मशीनी खेती, कम उपज, रोजगार, बढती लागत को चुनौती जरूर माना है।

किसानों के लिए 40 हजार से अधिक ग्रामीण बाजारों का काम दशकों से अधूरा है और सरकार बुनियादी संरचनाओं में अपना निवेश घटा रही है

डेढ़ गुना दामों पर बिके ग्रेनो के भूखंड

तीन बिल्डिंग से 200 करोड़ का था अनुमान, अब मिलेंगे 305 करोड़

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने तय रिजर्व प्राइस से करीब डेढ़ गुना दामों पर तीन बिल्डर भूखंड बेचने में सफलता पाई है। रिजर्व प्राइस पर इन तीन भूखंडों से करीब 200 करोड़ रुपये मिलने का आकलन था, लेकिन औसतन डेढ़ गुना अधिक रेट पर बिकने से प्राधिकरण को इन तीन भूखंडों से अब 305 करोड़ रुपये प्राप्त होंगे। ये पैसे 90 दिनों में एकमुश्त मिल जाएंगे। ग्रेटर नोएडा में पहली बार बिल्डर भूखंड का आवंटन ई-ऑक्शन के जरिए हुआ है।

इससे ग्रेटर नोएडा में आशियाना चाहने वाले खरीदारों का सपना भी पूरा हो सकेगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की सीईओ ऋतु माहेश्वरी की पहल पर बिल्डर विभाग ने 11 भूखंडों की योजना 06 दिसंबर 2022 को निकाली थी। आवेदन करने की अंतिम तिथि 27 दिसंबर थी। इनमें से सेक्टर 10 व सेक्टर 12 के तीन भूखंडों के लिए 9 निविदाएं प्राप्त हुईं। मंगलवार को इनकी बिड खुली।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ अदिति सिंह ने बताया कि सेक्टर 10 प्लॉट. जीएच 03, के 22 हजार वर्ग मीटर के भूखंड के लिए रिजर्व प्राइस के आधार पर 70.84 करोड़ रुपये कीमत मिलने का आकलन था, लेकिन मंगलवार को इस भूखंड के लिए 18 राउंड की बिडिंग हुई। मैसर्स गोल्फग्रीन मैनसंस ने सर्वाधिक 127.05 करोड़ रुपये की बिड लगाई। इस तरह ये भूखंड रिजर्व प्राइस से करीब 60 फीसदी अधिक दर पर बिका है।

दूसरा भूखंड भी सेक्टर 10 प्लॉट-जीएच 04, में ही 20240 वर्ग मीटर का बिका है। रिजर्व प्राइस से इसकी कीमत 70.84 करोड़ रुपये थी, लेकिन ये 57 प्रतिशत अधिक दर पर 125.38 करोड़ रुपये में बिका है। इस प्लॉट के लिए आयरिश इंफ्र इस्ट्रक्चर और अंशु हॉस्पिटल ने ये बिड लगाई है। वहीं, तीसरा भूखंड सेक्टर 12 में जीएच.02सी, 14998 वर्ग मीटर एरिया का बिका है। रिजर्व प्राइस से इसकी कीमत 52.49 करोड़ रुपये तय की गई है, लेकिन यह 53.01 करोड़ रुपये में बिका है।

इस भूखंड के लिए सवाना बिल्डर्स कंपनी और एल्डिको इंफ्र स्ट्रक्चर एंड प्रॉपर्टी ने सर्वाधिक बिड लगाई। इन भूखंडों के आवंटन से प्राधिकरण को 90 दिन में करीब 305 रुपये प्राप्त हो जाएंगे। एसीईओ ने बताया कि 90 दिनों में इन तीनों भूखंडों की पूरी कीमत प्राप्त हो जाएगी। इनका आवंटन पत्र भी तत्काल जारी कर दिया जाएगा। सीईओ ऋतु माहेश्वरी ने कहा कि बिल्डर भूखंडों का पहली बार ई.ऑक्शन हुआ है। इसके बावजूद रिजर्व प्राइस से डेढ़ गुना अधिक कीमत प्राप्त हुआ है।

ऑस्ट्रेलिया में नौकरी दिलाने के नाम पर युवक से लाखों की ठगी

● आरोपियों ने 14 बार पैसे अपने खाते में हस्तांतरित करायें

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

क्रासिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र की अरिहंत एंबियंस सोसायटी के एक युवक से साइबर अपराधियों ने आस्ट्रेलिया की एक कंपनी में नौकरी लगवाने के नाम पर 12.88 लाख रुपये ठग लिए।

आरोपितों ने खुद नौकरी डाट काम का अधिकारी बताकर ठगी की वारदात को अंजाम दिया है। उन्होंने युवक का दो चरणों में इंटरव्यू भी कराया और चयन होने की बात झांसे में लिया। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की और आरोपितों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। अरिहंत एंबियंस सोसायटी के पीड़ित नवीन वर्मा का कहना है कि उनके पास अजय दीक्षित नाम के एक व्यक्ति ने अंजान नंबर से काल किया था। अजय ने खुद को नौकरी डाट काम का अधिकारी बताकर आस्ट्रेलिया में नौकरी लगवाने की बात कही थी। कुछ देर बाद उनके पास बालाजी नाम के व्यक्ति का काल आया और उसने अपने आप को कंपनी के एचआर विभाग से बताते हुए उनके इंटरव्यू की तारीख तय कर दी। नवीन का कहना है कि पहले चरण में इंटरव्यू किसी आस्ट्रेलिया के व्यक्ति ने लिया और दूसरा चरण का इंटरव्यू थॉमस नाम के युवक ने लिया।

इंटरव्यू से पहले उन्हें कंपनी में उपमहाप्रबंधक और बाद में महाप्रबंधक के पद पर रखने की बात तय हुई। बाद में आरोपितों ने उनसे विभिन्न मदों में शुल्क के नाम 14 बार में 12.88 लाख ले लिए। एसीपी वेव सिटी रवि प्रकाश सिंह का कहना है कि मामले में शिकायत के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर साइबर सेल की मदद से जांच की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

प्रबंधक जल और सीवर के नेतृत्व में गांव वालों ने की बैठक।

ग्राम नंगली वासियों के साथ बैठक की

नोएडा। ग्राम नंगली वाजिदपुर में संजय पाराशर, वरिष्ठ प्रबंधक जल और सीवर के नेतृत्व में जल व सीवर संबंधित अधिकारियों ने गांव वासियों की समस्याओं के निदान हेतु दौरा किया और ग्राम वासियों के साथ बैठकर जल और सीवर से संबंधित समस्याओं को जाना और ग्राम वासियों को आश्वस्त किया कि जल्द ही मोदी जी के स्वच्छ भारत अभियान के तहत ग्राम वाजिदपुर को स्वच्छता के मामले में जल और सीवर विभाग से समस्या का सामना न करना पड़े व गांव वासियों को स्वच्छ जल सुगमता से मिल सके ऐसा भरकस प्रयाश किया जाएगा क्योंकि किसानों ने माँ रूपी अपनी जमीन देकर विश्वस्तरीय शहर नोएडा बनाने में ग्राम वासियों ने सहयोग किया है। इस दौरान ग्राम चौपाल में श्याम सुंदर सिंह भगत जी, सुभाष चौहान, नीरज चौहान, नरेश चौहान, रिंकू उर्फ उदय सिंह, किसान नेता राजू पंडित, बृजेश मास्टर, नोएडा क्षेत्र के ग्राम वासियों के जीवन बेहतरी के लिए कार्य करने वाली संस्था नोवरा। नोएडा विलेज रेजिडेंट एसोसिएशन से अजय चौहान, उपाध्यक्ष नोवरा व सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

25 हजार का इनामी गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा में चोरी के एक मामले में चार साल से फरार चल रहे एक आरोपी को नोएडा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस पर 25 हजार का इनाम रखा था। आरोपी को सेक्टर.62 गोल चक्कर के पास सेक्टर.63 से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान संजय उर्फ मामा पुत्र रामधारी निवासी सोनीपत के रूप में हुई है। आरोपी ने थाना फेज.3 क्षेत्र में चोरी की थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी चार साल से फरार चल रहा था। उसे डर था कि वह कही गिरफ्तार न हो जाए इसके लिए वो बार बार अपनी लोकेशन बदल रहा था। इसको पकड़ने के लिए कई बार दबिया दी गई थी। लेकिन ये फरार हो जाता था।

स्वामी प्रसाद के खिलाफ किया प्रदर्शन

गाजियाबाद। राष्ट्रीय जागरूक ब्राहम्ण महासंघ ने सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ जिला मुख्यालय में प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष तरूण शर्मा ने कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य ने रामचरित्र मानस का अपमान किया है, हिन्दू समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। महासंघ ने अपने ज्ञापन में मांग की है कि सरकार भारतीय संस्कृति आयोग का गठन करें और मुकदमा चलाकर फांसी की सजा सुनाई जाए। साथ ही मौर्य को आजीवन चुनाव लडने् पर रोक लगाई जाए।

दूल्हे के ताऊ से नकदी-ज्वेलरी के बैग लूटे, आरोपी फरार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में बेखौफ बदमाशों ने शादी समारोह में चढ़त के दौरान दूल्हे के ताऊ से ज्वेलरी से भरे 2 बैग लूट लिए हैं। ये वारदात तब हुई, जब दूल्हे के ताऊ डांस कर रहे थे। इसी दौरान बाइकर्स बदमाश आए और बैग झपटकर फरार हो गए।

पुलिस ने थ्स् दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। गाजियाबाद में खोड़ा स्थित सरस्वती विहार निवासी मंगूलाल शर्मा सेना से रिटायर सूबेदार मेजर हैं। उनके भतीजे अभिषेक शर्मा की एक फरवरी की रात ग्रीन वैली फार्म हाउस में शादी थी। रात करीब सवा 10 बजे दूल्हे की चढ़त सिकंदरपुर पुलिस चौकी के नजदीक थी और बाराती डांस कर रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार दो बदमाश तेज रफ्तार से आए और मंगूलाल शर्मा से दो बैग लूटकर ले गए। एक बैग में कुल 1 लाख 20 हजार रुपए रखे हुए थे।

जिसमें 500, 100, 50, 20 और 10 रुपए के नोटों की नई गड्डियां व रिश्तेदारों के 19 लिफाफे रखे हुए थे। जबकि दूसरे बैग में दुल्हन का मंगलसूत्र, पायजेब, सिंदूर, सुहागपूड़ा आदि जेवरात रखे थे। कुछ बारातियों ने बदमाशों का पीछा किया, लेकिन वे हाथ नहीं आए।

मर्सिडीज कार में लगी आग, चालक की मौत

● अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराया था वाहन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा के फेज दो कोतवाली क्षेत्र के सेक्टर-93 में मंगलवार रात दो बजे के करीब तेज गति मर्सिडीज कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। डिवाइडर से टकराने के बाद कार में आग लग गई और गेट लाक हो गया। चालक अंदर ही रह गया और आग लगने से उसकी दर्दनाक मौत हो गई। करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद मृत अवस्था में चालक को बाहर निकाला जा सका।

मृतक की पहचान न्यू दिल्ली के रोहिणी सेक्टर नौ के अनुज सहरावत के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। एडीसीपी विशाल पांडेय ने बताया कि बीती रात्रि पुलिस को सूचना मिली कि सेक्टर.93 के पास एक मर्सिडीज कार में आग लग गई है और चालक कार में फंसा हुआ है। सूचना के आधार पर तुरंत मौके पर पुलिसकर्मी वह दमकल कर्मी पहुंचे।

टक्कर की वजह से दरवाजे लाक होने की वजह से चालक उसी में फंसा हुआ छटपटा रहा था। दमकल कर्मियों ने आग को बुझाया और दरवाजा काटकर चालक को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। हादसे में कार भी पूरी तरह से जल गई। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि घटना के समय कार की रफ्तार काफी तेज थी। पुलिस ने मृतक के स्वजन को भी घटना की जानकारी दी।

तेज गति होने के कारण चालक कार पर से नियंत्रण खो बैठा और कार डिवाइडर पर चढ़कर पेड़ से टकरा गई। जिस पेड़ से मर्सिडीज टकराई वह उखड़ गया। एसीपी अमित प्रताप सिंह ने बताया कि अनुज का एक घर सेक्टर.168 पाम ओलंपिया सोसायटी में भी है। देर रात वह दिल्ली वाले घर से नोएडा आ रहा था, तभी हादसा हुआ। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है। अनुज फरीदाबाद में जेसीबी बनाने वाली कंपनी में कार्यरत थे। मौत की सूचना मिलते ही घर में मातम पसर गया।

समस्याओं को लेकर जनप्रतिनिधियों के पास पहुंचे लोहा व्यापारी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

औद्योगिक क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के अभाव को लेकर चर्चा की

लोहा मंडी के प्रतिनिधि मंडल ने राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेन्द्र कश्यप, विधायक अजीतपाल त्यागी, एमएलसी दिनेश गोयल से मुलाकात कर उन्हें अपनी समस्याएं बताई। मंडल अध्यक्ष डॉ अतुल कुमार जैन के नेतृत्व में व्यापारियों ने गाजियाबाद के औद्योगिक क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के अभाव को लेकर चर्चा की।

बैठक के दौरान जनपद गाजियाबाद के उद्यमियों व्यापारियों और लोहा मंडी क्षेत्र के सभी व्यापारियों की ओर से अध्यक्ष डॉ अतुल कुमार जैन ने दोनों जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से इन्वेस्टर्स मीट सफलतापूर्वक आयोजित की जा रही है और उनके कुशल नेतृत्व में प्रदान किए जा रहे भयमुक्त वातावरण में संपूर्ण प्रदेश के साथ.साथ जनपद गाजियाबाद में भी निवेशक और अधिक निवेश करने के लिए आकर्षित हो रहे हैं, परंतु जनपद गाजियाबाद के लगभग सभी औद्योगिक क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के अभाव में टूटी हुई सडकों के कारण उद्यमियों और व्यापारियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा टेक्निकल इंस्टीट्यूशंस फाउंडेशन के प्रतिनिधि मंडल ने भी राज्यमंत्री और विधायकों से मुलाकात की। उन्होंने विभिन्न संस्थाओं में पढ़ रहे छात्र.छात्राओं को स्कॉलरशिप के संबंध में आ रही समस्याओं के बारे में अवगत कराया। राज्यमंत्री ने समस्याओं के निस्तारण का आश्वासन दिया। इस मौके पर अविनाश चंद्र, सतीश बंसल, मोहनलाल अग्रवाल, गौरव मिगलानी, कपिल जैन, जय कुमार गुप्ता, राजकुमार अग्रवाल, गौरव मिगलानी, नीरज गोयल, आशु गोयल, डॉ जेएस तोमर आदि मौजूद रहे।

शिक्षिका ने 7वें फ्लोर से कूदकर की आत्महत्या

नोएडा। गार्डेनिया ग्लोरी सोसाइटी में रहने वाली एक महिला ने 7वें फ्लोर से कूदकर जान दे दी। वह फिजिक्स टीचर थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पुलिस मौके पर पहुंची और शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पारुल गुप्ता गार्डेनिया ग्लोरी सोसाइटी के फ्लैट-702 में अकेली रहती थी। उनका पति से तलाक हो चुका है। नोएडा जोन के रजनीश वर्मा ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आखिर उसने इतना बड़ा फैसला क्यों लिया।

विद्युत सप्लाई रिपोर्ट में खेल, चीफ इंजीनियर का तबादला

● मुरादाबाद के नीरज स्वरूप होंगे नए चीफ इंजीनियर

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

बारिश के चलते 29 जनवरी को आधे से अधिक शहर में हुआ ब्लैक आउट गाजियाबाद के पॉवर कॉरपोरेशन के चीफ इंजीनियर मुकेश मित्तल के तबादले की वजह बन गया। उन्हें मेरठ मुख्यालय से अटैच किया गया है और उनकी जगह मुरादाबाद के चीफ इंजीनियर नीरज स्वरूप को यहां तैनात किया गया है। बताया जा रहा है कि विद्युत सप्लाई की गलत रिपोर्ट भेजकर शासन को गुमराह करने के चलते यह कार्रवाई की गई है।

बता दें कि रविवार को आधे से अधिक शहर में 24 घंटे तक लाइट गुल रही थी। कई क्षेत्रों में तो सुबह तक भी सप्लाई बहाल नहीं हो सकी। विद्युत कटौती को लेकर लोग लगातार बिजली अधिकारियों व मुख्य अभियंता को फोन कर रहे थे। इतना ही नहीं गाजियाबाद से भी सैंकड़ों लोगों ने ट्वीट कर विद्युत कटौती की जानकारी मुख्यायल को दी थी, लेकिन स्थानीय अधिकारियों ने उपभोक्ताओं के फोन तक उठाने जरूरी नहीं समझे। हजारों लोग बिजली न होने से परेशान रहे, लेकिन विद्युत विभाग के अधिकारियों ने सप्लाई रिपोर्ट में ही खेल कर दिया। विभागीय सूत्रों की मानें तो 29 जनवरी से लेकर 30 जनवरी तक ट्रांसमिशन की ओर से सप्लाई 23 से 24 घंटे रही। यानि ट्रांसमिशन स्तर से कटौती नहीं की गई, लेकिन डिस्ट्रीब्यूशन स्तर से लोगों को बिजली नहीं मिल सकी। अधिकारियों ने इसी रिपोर्ट में बड़ा खेल करते हुए ट्रांसमिशन की रिपोर्ट को ही शासन को भेज दिया। इसमे कहा कि गया उपभोक्ताओं को पर्याप्त बिजली सप्लाई की गई कहीं कोई कटौती नहीं है, जबकि कटौती के सम्बंध में सैंकड़ों ट्वीट ऊर्जा मंत्री से लेकर सीएम तक को किए गए थे। अधिकारियों के इस खेल पर शासन ने कल दोपहर बाद चीफ इंजीनियर मुकेश मित्तल का तबादला मेरठ कर दिया। बताया जा रहा है कि मुकेश मित्तल की शासन को लगातार शिकायतें मिल रही थीं।

जनता से वह दूरी बनाकर रखते थे तो अधीनस्थ से भी उनका तालमेल खराब था जिसकी वजह से जिले में विद्युत सप्लाई को लेकर हालात लगातार बिगड़ रहे थे। ब्लैक आउट के दौरान खुद पीवीएनएल की एमडी वी चैत्रा रात भर मॉनीटिरिंग करती रहीं। सप्लाई बहाल कराने को लेकर वह खुद सब स्टेशनों का दौरा करती रहीं, लेकिन जिले के अधिकारियों ने गलत रिपोर्ट भेजकर खानापूर्ति कर ली।

एनटीपीसी पर किसानों की पंचायत

नोएडा। जनपद गौतमबुद्धनगर में स्थित एनटीपीसी दादरी के खिलाफ एक बार फिर से किसान एकजुट हो गए हैं। आज रसूलपुर गांव पर भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर खलीफा के नेतृत्व में 24 गांव के किसानों ने पंचायत की। भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर खलीफा ने बताया कि नवंबर माह में उन्होंने एनटीपीसी के बाहर प्रदर्शन किया था। उन्होंने बताया कि 90 के दशक में 24 गांव की जमीन एनटीपीसी के लिए अधिग्रहित की गई थी। किसानों का को दिया गया मुआवजा एक समान नहीं था। उन्होंने बताया कि एनटीपीसी से प्रभावित गांव के किसानों के बच्चों को नौकरी भी नहीं मिली। उन्होंने बताया कि विभिन्न मांगों को लेकर करीब 2 माह तक किसानों ने एनटीपीसी के बाहर धरना दिया। एनटीपीसी के अधिकारियों और किसानों के बीच वार्ता हुई थी। अधिकारियों ने आश्वस्त किया था कि 1 फरवरी से पहले उनकी मांगों को पूरा कर दिया जाएगा, लेकिन समय बीतने के बाद भी कोई मांग पूरी नहीं हुई।

हर्ष फायरिंग के आरोप में शिक्षक गिरफ्तार

नोएडा। थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र के तुगलपुर गांव में 28 जनवरी की रात को आयी एक बारात में एक शिक्षक द्वारा लाइसेंसी पिस्टल से हर्ष फायर किया गया। इस घटना की वीडियो सोशल मीडिया पर बीती रात को वायरल हो गई। थाना नॉलेज पार्क पुलिस ने आज आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी विनोद कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी का नाम धर्मेंद्र शर्मा पुत्र बाबूराम शर्मा है। यह जनपद बुलंदशहर का रहने वाला है।

वेबसाइट पर फर्जी ब्रोकर बनकर धोखाधड़ी

● पुलिस ने चार शातिर ठगों को किया गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

थाना सेक्टर-39 पुलिस ने प्रॉपर्टी सेल्स एंड परचेज की वेबसाइट पर फर्जी मालिक या ब्रोकर बनकर लोगों से धोखाधड़ी करने वाले गैंग का पर्दाफाश किया है। इस गैंग के चार शातिर ठगों को गिरफ्तार किया गया है। ये लोग फ्लैट व कॉमर्शियल प्रॉपर्टी आदि के फर्जी मालिक बनकर रेंट पर देने के नाम पर ठगी करते थे।

एडीसीपी आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि 12 जनवरी को सेक्टर-46 में मकान किराए पर दिलाने के नाम पर ठगी की शिकायत मिली थी। जिसके बाद नौ और इसी तरह की एप्लिकेशन आई। जिसके बाद पुलिस ने टीम बनाकर इनको ट्रैक किया और बुधवार को गिरफ्तार किया। इनकी पहचान अमितेश , अनिल चौहान , मृत्युंजय चौबे, पुष्पेंद्र हुई है। इन सभी को सेक्टर.46 से गिरफ्तार किया गया है।

इनके कब्जे से एक एटीएम कार्ड, 7 फर्जी आधार कार्ड, 1 पासबुक व नगद 20000 रुपए बरामद किए। एडीसीपी ने बताया कि इन लोगों ने प्रॉपर्टी सेल परचेज संबंधित वेबसाइट पर रेंट में प्रॉपर्टी को देने के लिए अपना ऐड एक मोबाइल नंबर के साथ डालते थे। जब कोई कस्टमर फ्लैट, कॉमर्शियल प्रॉपर्टी आदि को चैक करता है तो इनके के मोबाइल नंबर पर उन कस्टमर का फोन नंबर नाम के साथ आ जाता था।

आरोपी अमितेश मिश्रा प्रॉपर्टी की लोकेशन व किराया को लेकर बात करता था। वहीं कस्टमर से फ्लैट को विजिट करने का समय निर्धारित करता है। समय निर्धारित होने के बाद पुष्पेन्द्र कस्टमर को फ्लैट विजिट कराता था।

अट्टा मार्केट सेक्टर-27 में अनाधिकृत/नो पार्किंग में खड़े वाहनों के खिलाफ चालान और टोइंग करती पुलिस।

डीसीपीसीआर में शिकायत करना और जानकारी लेना हुआ आसान

डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग का जारी व्हाट्सएप चैटबॉट बाल मित्र

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग में शिकायत पंजीकरण, सूचना खोजना और शिकायत की स्थिति पर नजर रखना और दाखिले की जानकारी मांगना आसान हो गया है। आयोग ने व्हाट्सएप चैटबॉट बाल मित्र शुरू किया है। बच्चों और उनके अधिकारों से संबंधित विभिन्न मामलों पर प्रामाणिक जानकारी प्रदान करने के साथ-साथ, यह चैटबॉट इसके माध्यम से रिपोर्ट किए गए मामलों की गोपनीयता भी सुनिश्चित करेगा।

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने बुधवार को डीसीपीसीआर का नया चैटबॉट का उद्घाटन किया। बाल अधिकार आयोग द्वारा विकसित यह अनूठा चैटबॉट लोगों और आयोग के बीच संवाद को सुगम बनाने का एक प्रयास है। चैटबॉट नागरिकों और आयोग को अधिक प्रभावी तरीके से बातचीत करने में मदद करेगा। दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग के चैटबॉट को लॉन्च करते हुए मनीष सिसोदिया ने कहा चैटबॉट बाल मित्र आयोग द्वारा शुरू किया गया, गवर्नेंस को सिटीजन-फ्रेंडली बनाने के लिए महत्वपूर्ण पहल है। यह बच्चों और उनके अधिकारों के बारे में प्रामाणिक जानकारी के स्रोत के रूप में काम करेगा। बाल अधिकारों के संरक्षण से संबंधित किसी भी मामले की रिपोर्ट करने के साथ-साथ यह चैटबॉट लोगों, विशेषकर माता-पिता को उनके बच्चे के दाखिले और शिक्षा संबंधी विषयों पर मार्गदर्शन भी करेगा। यह सरकार और नागरिकों के बीच संवादहीनता को खत्म करेगा।

इससे पहले आयोग ने अर्ली वार्निंग सिस्टम की शुरू किया था, जिसने शिक्षा विभाग को 50 हजार से अधिक छात्रों को स्कूलों में वापस लाने और ड्रॉपआउट दरों को कम करने में मदद की है। मालूम हो कि दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग दिल्ली सरकार की राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की वैधानिक संस्था है जो बच्चों के अधिकारों की निगरानी और सुरक्षा पर काम करती है। आयोग विज्ञापनों, सोशल मीडिया, जन सुनवाई, शिविरों आदि के माध्यम से जनता के लिए कई आउटरीच प्रयास कर रहा है। इसके परिणामस्वरूप आयोग को प्राप्त होने वाली शिकायतों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। वर्तमान में संकटग्रस्त और उच्च जोखिम वाले बच्चों की जरूरतों के लिए आयोग को अधिक सुलभ, कुशल बनाने के लिए एक व्हाट्सएप-आधारित चैटबॉट लॉन्च किया गया है।

चैटबॉट संबंधित जानकारी देते हुए डीसीपीसीआर के अध्यक्ष अनुराग कुंडू ने कहा यह एक ऑटोमेटेड रिस्पांस एप्लिकेशन है जो सूचना वितरण में सहायता करेगा, लोगों को शिकायत दर्ज करने में मदद करेगा, शिकायतकर्ताओं के साथ नियमित संचार आदि करने में मदद करेगा। जो लोग व्यक्तिगत रूप से आयोग तक पहुंचने में सक्षम नहीं हैं या हेल्पलाइन से संपर्क करने में असमर्थ हैं, वे इसके माध्यम से शिकायत दर्ज करा सकेंगे साथ ही जानकारी मांग सकेंगे। इस मौके पर शिक्षा निदेशक हिमांशु गुप्ता ने कहा चैटबॉट बाल मित्र शिक्षा निदेशालय के लिए भी बहुत मददगार होगा, क्योंकि यह डीओई को पूरी दिल्ली में बेहतर तरीके से बच्चों की शिक्षा से जुड़ी जानकारी प्रदान करने में मदद करेगा। पहले भी डीसीपीसीआर ने शिक्षा निदेशालय को अपनी अर्ली वार्निंग सिस्टम के साथ काफी सहयोग प्रदान किया है जो नियमित रूप से स्कूलों में अनुपस्थिति की निगरानी करता है और छात्रों को समय पर स्कूल वापस लाने में हमारी मदद करता है। इस तरह के तकनीकी सुधार समय की मांग हैं।

गाड़ियों के गेट खोलकर किया स्टंट

सोशल मीडिया पर अपने फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए युवा लगातार अपनी जान जोखिम में डाल रहे

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सोशल मीडिया पर अपने फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए युवा लगातार अपनी जान जोखिम में डालकर स्टंट करते हुए नजर आते हैं। ऐसा ही नजारा ग्रेटर नोएडा में देखने को मिला, जहां पर आधा दर्जन से ज्यादा युवा चार से 5 गाड़ियों में स्टंट और हुड़दंग बाजी करते हुए नजर आए। उनके स्टंट करने का यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं।

सूरजपुर थाना क्षेत्र के पास का एक वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस वायरल वीडियो में 5 गाड़ियां हैं, जिनमें करीब एक दर्जन युवक सवार है और वह स्टंट कर रहे हैं। इसमें एक गाड़ी में एक युवक गाड़ी के बोनट पर बैठा हुआ है, जबकि तीन युवक खिड़कियों पर बाहर बैठे हुए हैं। इसके अलावा अन्य दो गाड़ियों पर भी इसी तरह से युवक बैठे हुए हैं।

बैकग्राउंड में पीतल पीतल कर देंगे गाना चल रहा और इन लोगों के द्वारा यह स्टंट किया जा रहा है। इन युवकों के द्वारा यह वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर डाला गया, जिसके बाद वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो के वायरल होने पर पुलिस इस मामले में कार्रवाई की बात कह रही है। पुलिस का कहना है कि वीडियो के आधार पर गाड़ियों की जांच की जा रही है। गाड़ियों के नंबर को ट्रेस करने के बाद इन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। गौतमबुद्ध नगर में आए दिन इसी तरह के स्टंट करने के वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं और पुलिस के द्वारा ऐसे लोगों के खिलाफ जमकर कार्रवाई भी हो रही है लेकिन उसके बावजूद भी स्टंट बाज अपनी करतूतों से बाज नहीं आ रहे हैं। सेंट्रल नोएडा के एडिशनल डीसीपी विशाल पांडे ने बताया कि मामले में कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मध्यक्रम में अय्यर के स्थान के लिए गिल और सूर्यकुमार दावेदार

अय्यर कमर में जकड़न से उबरने में नाकाम रहे

एजेंसी। नई दिल्ली

श्रेयस अय्यर के कमर की चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार टेस्ट की श्रृंखला के पहले मैच से बाहर होने के बाद भारतीय टीम प्रबंधन मध्यक्रम में सूर्यकुमार यादव पर शुभमन गिल को तरजीह देते हुए उन्हें खिलाने पर विचार कर सकता है। अय्यर कमर में जकड़न से उबरने में नाकाम रहे हैं और उनके बाहर होने से भारतीय मध्यक्रम में एक स्थान बनेगा। इस स्थान के दावेदार सूर्यकुमार और गिल हैं। सूर्यकुमार ने अपने करियर में मध्यक्रम में ही बल्लेबाजी की है जबकि गिल ने टेस्ट क्रिकेट में अधिकतर राष्ट्रीय टीम के लिए पारी का आगाज किया है। अपने संक्षिप्त टेस्ट करियर में अब तक लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले अय्यर ने पिछले साल दिसंबर में बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला में 2-0 की जीत के दौरान भी शानदार प्रदर्शन किया था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने बताया, न्यूजीलैंड की टीम जब 2021 के अंत में भारत आई थी तो मध्यक्रम में शुभमन गिल के नाम पर विचार किया गया था क्योंकि लोकेश राहुल को मयंक अग्रवाल के साथ पारी का आगाज करना था। इसके बाद राहुल चोटिल हो गए और गिल ने पारी का आगाज किया। इसके बाद वह चोबारा चोटिल हो गया।

लाल गेंद के क्रिकेट में मध्यक्रम के लिए उसके नाम पर विचार हुआ था। कप्तान रोहित शर्मा और उप कप्तान राहुल टीम में सलामी जोड़ी के रूप में पहली पसंद हैं। इनके बाद तीसरे नंबर पर चेतेश्वर पुजारा और चौथे नंबर पर विराट कोहली का खेलना तय है। पांचवां क्रम काफी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि उम्मीद की जाती है कि इस क्रम पर उतरने वाला बल्लेबाज दूसरी नई गेंद का सामना करेगा। गिल के मामले में टेस्ट क्रिकेट में

नियमित रूप से खेलने और लाल गेंद का करियर मध्यक्रम के बल्लेबाज के रूप में शुरू करने के कारण उनका पलड़ा भारी रहेगा। पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता ने कहा, जब भारत ए की जिम्मेदारी राहुल द्रविड़ के हाथों में थी तो गिल वेस्टइंडीज के ए दौरे पर मध्यक्रम में खेले थे जहां उन्होंने एक दोहरा शतक भी जड़ा था।

स्पिनरों के खिलाफ सूर्यकुमार का दबदबा महत्वपूर्ण हो सकता है

स्पिन की अनुकूल पिचों पर स्पिनरों के खिलाफ सूर्यकुमार का दबदबा महत्वपूर्ण हो सकता है। उन्होंने कहा, अगर नाथन लियोन अपनी ऑफ स्पिन गेंदों को अधिक टर्न कराने में सफल रहते हैं तो सूर्यकुमार अपने फुटवर्क से उनकी लय बिगाड़ सकते हैं लेकिन पैट कमिंस और जोश हेजलवुड के खिलाफ गिल बेहतर विकल्प हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की घरेलू श्रृंखला से बाहर रहे अय्यर चोट से पूरी तरह नहीं उबर पाए हैं और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में रिहैबिलिटेशन करा रहे हैं।

न्यूजीलैंड को 235 रन का टारगेट गिल ने खेली 126 रन की पारी

शानदार पारी खेल तोड़ा विराट कोहली का रिकॉर्ड

हार्दिक पंड्या ने 30 और सूर्यकुमार यादव ने 24 रन बनाए

एजेंसी। अहमदाबाद

शुभमन गिल (126 रन) के पहले टी-20 शतक की बदौलत भारत ने न्यूजीलैंड को तीसरे मुकाबले में 235 रन का टारगेट दिया है। सीरीज के पहले दो मुकाबलों में फ्लॉप रहे गिल ने इस पारी में 63 गेंदों का सामना किया और 12 चौके और सात छक्के जमाए। राहुल त्रिपाठी ने 44, कप्तान हार्दिक पंड्या ने 30 और सूर्यकुमार यादव ने 24 रन बनाए। गिल टी-20 इंटरनेशनल में भारत के लिए सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा।

विराट ने पिछले साल अफगानिस्तान के खिलाफ 122 रनों की पारी खेली थी। गिल ने हार्दिक पंड्या के साथ चौथे विकेट के लिए 40 गेंदों पर 103 रन की साझेदारी की। डेरिल मिचेल, माइकल ब्रेसवेल, ब्लेयर टिकनर और ईश सोढ़ी को एक-एक विकेट मिला।कप्तान हार्दिक पांड्या ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। ईशान किशन और शुभमन गिल से अच्छी शुरुआत की उम्मीद थी, लेकिन किशन एक बार फिर फेल हो गए। वह तीन गेंद पर एक रन बनाकर पवेलियन लौट गए। किशन को माइकल ब्रेसवेल ने एलबीडब्ल्यू किया।

एक विकेट गिर जाने के बाद राहुल त्रिपाठी और शुभमन गिल ने पारी को संभाला। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 42 गेंद पर 80 रन की साझेदारी की। त्रिपाठी ने तेजी से रन बनाए। उन्होंने 22 गेंद पर ही 44 रन ठोक दिए। वह टी-20 में अपने पहले अर्धशतक के करीब थे, लेकिन ईश सोढ़ी की गेंद पर छक्का मारने के प्रयास में वह कैच आउट हो गए। त्रिपाठी ने अपनी पारी में चार चौके और तीन छक्के लगाए।

त्रिपाठी के आउट होने के बाद गिल ने सूर्यकुमार यादव के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 38 रन की साझेदारी की। सूर्यकुमार 13 गेंद पर 24 रन बनाकर आउट हो गए। उनके बाद क्रीज पर आए कप्तान हार्दिक पांड्या ने गिल का बखूबी साथ दिया। पांड्या ने 17 गेंद पर 30 रन बनाए। उन्होंने गिल के साथ 40 गेंद पर 103 रनों की साझेदारी की। न्यूजीलैंड के लिए माइकल ब्रेसवेल, ब्लेयर टिकनर, ईश सोढ़ी और डेरेल मिचेल ने एक-एक विकेट लिए।

पिच पर गिल ने खेली शतकीय पारी

शुभमन गिल ने टेस्ट और वनडे के बाद अब टी20 में भी शतक पूरा कर लिया है। गिल ने अहमदाबाद में दर्शकों का दिल जीत लिया है। उन्होंने अपने टी20 करियर के पहले अर्धशतक को पहले शतक में बदल दिया। गिल ने 18वें ओवर की पहली गेंद पर चौका लगाकर शतक पूरा किया। उन्होंने 54 गेंदों पर शतक लगाया। भारत ने 18 ओवर में तीन विकेट पर 211 रन बना लिए हैं। गिल 56 गेंद पर 108 और हार्दिक पांड्या 14 गेंद पर 28 रन बनाकर नाबाद हैं।

केन्द्रीय बजट

खेल मंत्रालय के लिए 700 करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान

एजेंसी। नई दिल्ली

इस साल होने वाले एशियाई खेलों और अगले साल के लिए प्रस्तावित पेरिस ओलंपिक की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए खेल मंत्रालय के लिए बुधवार को पेश केन्द्रीय बजट में 3,397.32 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है जो पिछले साल के मुकाबले 723.97 करोड़ रुपये अधिक है। यह राशि पिछले वित्तीय वर्ष (2022-23) के संशोधित बजट से अधिक है, जब मंत्रालय को 2,673.35 करोड़ रुपये मिले थे। पिछले साल हालांकि वास्तविक आवंटन 3,062.60 करोड़ था। साल 2022-23 के लिए संशोधित आवंटन में कटौती का एक मुख्य कारण चीन में प्रस्तावित एशियाई खेलों का स्थगन हो सकता है। इन खेलों का आयोजन इस साल होगा।

मंत्रालय का प्रमुख कार्यक्रम, खेलो इंडिया खेल के विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम सरकार की प्राथमिकता बनी हुई है, इसे पिछले वित्त वर्ष के दौरान 606 करोड़ रुपये के संशोधित आवंटन के मुकाबले 1,045 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसमें 439 करोड़ रुपये की वृद्धि कार्यक्रम के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस आयोजन ने पिछले कुछ वर्षों में ओलंपिक, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों जैसे प्रमुख वैश्विक आयोजनों के लिए एथलीट तैयार करने की क्षमता दिखाई है। खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय शिविरों के आयोजन, शिविर का बुनियादी ढांचा और उपकरण प्रदान करने, प्रशिक्षकों की नियुक्ति और खेल के बुनियादी ढांचे को बनाए रखने के लिए जिम्मेदार भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के लिए इस बजटीय आवंटन में 36.09 करोड़ रुपये की वृद्धि की गई है। पिछले वर्ष के संशोधित व्यय 749.43 करोड़ रुपए के मुकाबले साल 2023-24 के लिए उनका आवंटन 785.52 करोड़ रुपये है। राष्ट्रीय खेल संघों (एनएसएफ) को पिछले वर्ष के संशोधित बजट 280 करोड़ रुपए से 45 करोड़ रुपये का बढ़ा हुआ आवंटन प्राप्त हुआ है और अब उन्हें 325 करोड़ रुपए मिलेंगे।

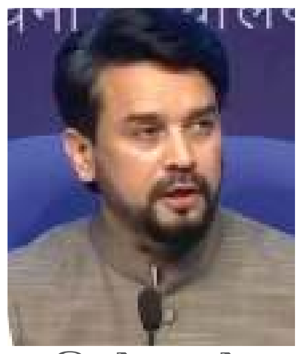

पिछले साल के मुकाबले 723.97 करोड़ रुपये अधिक

रूस के हिस्सा लेने पर ओलंपिक के बहिष्कार पर विचार कर रहा लातविया

एजेंसी। रीगा

रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद लातविया अगले साल होने वाले पेरिस ओलंपिक में रूस और उसके साझेदार बेलारूस के खिलाड़ियों खेलने की स्वीकृति देने की स्थिति में इन खेलों के बहिष्कार पर विचार कर रहा है। लातविया सहित यूरोप की विभिन्न सरकारों ने रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों को स्वीकृति देने के अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के प्रयास की निंदा की है और यूक्रेन ने खेलों के बहिकार की धमकी दी है।

राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों ने हालांकि अपनी टीम भेजने को लेकर चुप्पी साध रखी है। लातविया ओलंपिक समिति के अध्यक्ष जोर्जस टिकमर्स ने सोमवार को लातविया के सार्वजिक टेलीविजन पर कहा, अगर अभी ओलंपिक खेल होते हैं और रूस तथा बेलारूस के खिलाड़ियों को ओलंपिक खेलों में हिस्सा लेने की स्वीकृति दी जाती है तो लातविया की टीम इस प्रतियोगिता में नहीं जाएगी। आईओसी ने हालांकि इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। टिकमर्स स्वयं 1980 में मॉस्को ओलंपिक में सोवियत संघ की ओर से रोइंग में रजत पदक विजेता रहे हैं। अफगानिस्तान पर सोवियत सैनिकों के हमले के विरोध में अमेरिका सहित कई देशों ने इन खेलों का बहिष्कार किया था।

लातविया की टीम इस प्रतियोगिता में नहीं जाएगी

भारत में पहली फार्मूला ई-रेस के दौरान मौजूद रहने की उम्मीद

नई दिल्ली। कार रेसिंग की वैश्विक संचालन संस्था फिया के अध्यक्ष मोहम्मद बिन सुलाएम को 11 फरवरी को हैदराबाद में होने वाली पहली फॉर्मूला ई-रेस के लिए आमंत्रित किया गया है।

दिसंबर 2021 में जीन टोड की जगह फिया अध्यक्ष बने बिन सुलाएम के भारतीय और विदेशी कई प्रतिनिधियों के साथ इस इलेक्ट्रिक सीरीज रेस के दौरान मौजूद रहने की उम्मीद है।फॉर्मूला ई-रेस से जुड़े एक सूत्र ने बुधवार को बताया, उन्हें रेस के लिए आमंत्रित किया गया है और उनके इसमें मौजूद रहने की उम्मीद है। रेस के आयोजक ग्रीको और तेलंगाना सरकार 2.83 किमी लंबे स्ट्रीट ट्रैक को अंतिम रूप दे रही है। अधिकांश बुनियादी ढांचा अस्थाई होगा लेकिन टीम गैरेज को अंतिम रूप दिया जा रहा है जो स्थाई ढांचा होगा।

वीजा विलंब के कारण भारत रवाना नहीं हो पाए ख्वाजा

पायनियर समाचार सेवा। सिडनी।

ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा वीजा विलंब के कारण बुधवार को अपने साथियों के साथ भारत रवाना नहीं हो पाए। ऑस्ट्रेलिया की टीम ख्वाजा के बिना ही भारत के खिलाफ चार टेस्ट की बहुप्रतीक्षित श्रृंखला के लिए रवाना हो गई। ख्वाजा के अब गुरुवार को भारत रवाना होने की उम्मीद है।

ख्वाजा ने सोशल मीडिया पर एक मीम पोस्ट करते हुए लिखा, मैं अपने भारतीय वीजा का इंतजार कर रहा हूं। पाकिस्तान में जन्में ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से 56 टेस्ट, 40 एकदिवसीय और नौ टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। यह 36 वर्षीय बल्लेबाज 2016 में आईपीएल में हिस्सा ले चुका है। ख्वाजा को सोमवार को ऑस्ट्रेलिया का साल का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट खिलाड़ी चुना गया।

इस पुरस्कार का नाम दिग्गज स्पिनर शेन वार्न के नाम पर रखा गया है। ऑस्ट्रेलिया की टीम बेंगलुरू के बाहरी हिस्से में चार दिवसीय ट्रेनिंग सत्र में हिस्सा लेगी और फिर नौ फरवरी से शुरू हो रहे पहले टेस्ट के लिए नागपुर रवाना होगी। बाकी तीन टेस्ट का आयोजन नई दिल्ली, धर्मशाला और अहमदाबाद में होगा। दोनों टीम इस श्रृंखला से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह जगह सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगी।

भारत के साथ सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलियाई प्रतिक्रिया

कोच और खिलाड़ी बोले, भारत में प्रैक्टिस और मैच की पिच में अंतर

भारत के लिए चुनौती फाइनल में अपनी जगह पक्की करने की होगी

एजेंसी। नई दिल्ली

फरवरी का महीना भारतीय क्रिकेट प्रेमियों ने लिए खास रहने वाला है। ऑस्ट्रेलिया चार मैचों की बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट (बीजीटी) सीरीज के लिए भारत रवाना हो चुकी है। नौ फरवरी से नागपुर में पहले टेस्ट के साथ शुरू हो रही सीरीज में ट्रॉफी के साथ-साथ बहुत कुछ दांव पर होगा। एक टीम ऑस्ट्रेलिया और नंबर-2 भारत के बीच इस सीरीज में कई रिकॉर्ड बनेंगे-टूटेंगे, लेकिन भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में अपनी जगह पक्की करने की होगी।

भारत अगर सीरीज में एक से ज्यादा मैच नहीं हारा तो डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह पक्की हो जाएगी। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के लिए लड़ाई अपना नंबर-1 ताज बचाने की है। अगर ऑस्ट्रेलिया ये सीरीज बड़े अंतर से हार जाती है तो भारत के हाथों अपनी नंबर-1 पोजीशन गंवा देगी। वैसे भी ऑस्ट्रेलिया के लिए भारत की घूमती पिचों पर चुनौती आसान नहीं रहने वाली। ऐसे में मेहमान टीम की ओर से पहले ही स्ट्रैटजी और माइंड गेम का सिलसिला शुरू हो चुका है।

ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी में उपमहाद्वीप जैसी पिच का निर्माण कर दो दिवसीय कैंप में प्रैक्टिस की। टीम के पास भारत के खिलाफ सीरीज से पहले कोई प्रैक्टिस मैच भी नहीं था, ऐसे में अभ्यास का ये तरीका चुना गया। ऑस्ट्रेलिया के कोच एंड्रयू मैक्डोनाल्ड और पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ के मुताबिक, आमतौर पर भारत में जो पिच प्रैक्टिस मैच और मुख्य मैच के दौरान मुहैया करवाई जाती हैं, उनमें काफी अंतर होता है। वहीं, इयान हीली ने भारत पर आरोप लगाने के लहजे में कहा कि अच्छा ही है ऑस्ट्रेलिया ने भारत में किसी प्रैक्टिस मैच का कार्यक्रम नहीं रखा। हमें उन पर भरोसा नहीं है कि वे हमारी आवश्यकता के अनुसार प्रैक्टिस पिच उपलब्ध करवाते। भारत में प्रैक्टिस मैच और मुख्य मैच में अलग-अलग तरह की पिचें दी जाती हैं। उस्मान ख्वाजा भी अभ्यास मैच में स्पिन की जगह तेज गेंदबाजी की मददगार पिच देने का आरोप लगा चुके हैं।

बॉर्डर-गावस्कर नाम से प्रसिद्ध ये सीरीज क्रिकेट जगत की सबसे महत्वपूर्ण द्विपक्षीय सीरीज मानी जाती है, जिसमें दोनों टीमें आपस में चार टेस्ट खेलती हैं। फिलहाल, पिछली तीन सीरीज से हर बार भारत ने ही ट्रॉफी अपने नाम की है। ऑस्ट्रेलियाई टीम साल 2004 से भारत में टेस्ट सीरीज नहीं जीत सकी है, वहीं भारत ने 2018-19 और 2020-21 में लगातार दो बार ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में मात दी थी।

बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया का चार दिन का कैंप

ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी बेंगलुरु के अलूर में करेगी। यहां टीम चार दिन के कैंप के बाद नागपुर जाएगी। कर्नाटक स्टेट एसोसिएशन के अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार, ये कैंप एनसीए की देख-रेख में होगा। वहीं, बीसीसीआई ने भारतीय टीम के लिए सीरीज से पहले नागपुर में स्पेशल कैंप आयोजित किया है। इस कैंप में पांच ट्रेनिंग सेशन होंगे, जिनमें कप्तान रोहित समेत सभी खिलाड़ी शामिल होंगे। पहले दो दिन क्लोज नेट और अगले तीन दिन जामठा में सेंटर विकेट ट्रेनिंग होगी।

संक्षिप्त समाचार

एटीपी जांच में ज्वेरेव के खिलाफ नहीं मिले पर्याप्त साक्ष्य

लंदन। जर्मनी के टेनिस खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरोव को अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना नहीं करना पड़ेगा क्योंकि पुरुष पेशेवर टूर एटीपी ने कहा है कि उनके खिलाफ घरेलू उत्पीड़न के आरोपों की जांच में पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिले हैं। एटीपी ने अक्टूबर 2021 में जांच शुरू की थी जब ज्वेरेव की पूर्व प्रेमिका ओलिया शेरीपोवा ने 2020 अमेरिकी ओपन उप विजेता पर उत्पीड़न का आरोप लगाया था। एटीपी ने बयान में कहा, विश्वसनीय साक्ष्यों और चश्मदीदों के बयान के आभाव तथा शेरीपोवा, ज्वेरेव और अन्य के विरोधाभासी बयानों के आधार पर जांच समिति उत्पीड़न के आरोपों को प्रमाणित करने या यह निर्धारित करने में असमर्थ थी कि एटीपी के नियमों का उल्लंघन हुआ। तोक्यो ओलंपिक में एकल स्वर्ण पदक जीतने वाले दुनिया के 14वें नंबर के खिलाड़ी 25 साल के ज्वेरेव ने हमेशा आरोपों से इनकार किया था।

चैंपियन इंटर मिलान इटैलियन कप के सेमीफाइल में

मिलान। इंटर मिलान ने इटैलियन कप फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में मंगलवार को यहां अटलांटा को 1-0 से हराया। मैच का एकमात्र गोल 57वें मिनट में मातियो डेरमियान ने किया। अप्रैल में होने वाले दो चरण के सेमीफाइनल में गत चैंपियन इंटर मिलान की भिड़त यूवेंटस और लाजियो के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगी। इस जीत से इंटर की टीम का आत्मविश्वास बढ़ेगा जिसे रविवार को सिरी ए डर्बी में शहर के अपने प्रतिद्वंद्वी एसी मिलान का सामना करना है।

एंजो फर्नांडेज स्थानांतरण फीस पर चेल्सी से जुड़े

लिस्बन। अर्जेन्टीना के मिडफील्डर एंजो फर्नांडेज बेनफिका से 10 करोड़ 67 लाख पाउंड (13 करोड़ 14 लाख डॉलर) की राशि में चेल्सी से जुड़ने के साथ ब्रिटेन के फुटबॉल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बने। पुर्तगाल के क्लब बेनफिका ने बुधवार को यह जानकारी दी। फर्नांडेज को मिलने वाली राशि ने 10 करोड़ पाउंड (13 करोड़ 90 लाख डॉलर) की पिछली रिकॉर्ड राशि को पीछे छोड़ा जो मैनचेस्टर सिटी ने एस्टन विला को इंग्लैंड के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी जैक ग्रेलिश के लिए अगस्त 2021 में दी थी। फर्नांडेज पिछले साल अगस्त में ही अर्जेन्टीना के क्लब रिवर प्लेट की जगह बेनफिका से जुड़े थे।

यूपी के लड़कों और महाराष्ट्र की लड़कियों ने जीते युगल स्वर्ण

इंदौर। उत्तर प्रदेश के दिव्यांश श्रीवास्तव और सर्थ मिश्रा ने बुधवार को यहां खेलो इंडिया युवा खेलों की टेबल टेनिस स्पर्धा में पश्चिम बंगाल के सुजाल बैनिक और बोधिसत्वा चौधरी को 3-1 से हराकर युवा लड़कों के वर्ग का युगल खिताब जीत लिया। लड़कियों के वर्ग में महाराष्ट्र की परिथा वर्तिकर और जेनिफर वर्गीज की जोड़ी विजेता रही। परिथा और जेनिफर ने अपने ही राज्य की तनीषा कोटेचा और रिश्या मीरचंदानी को 3-0 से हराकर लड़कियों के वर्ग का युगल फाइनल जीत लिया।

कर्नाटक ने उत्तराखंड पर कसा शिकंजा

बेंगलुरु। हरफनमौला श्रेयस गोपाल की नाबाद 103 रन की पारी के दम पर कर्नाटक ने रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल मुकाबले में उत्तराखंड के खिलाफ बुधवार को दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक पांच विकेट पर 474 रन बनाकर पहली पारी में बड़ी बढ़त कायम कर ली। उत्तराखंड की पहली पारी महज 116 रन पर सिमट गई थी जिससे कर्नाटक के पास अब 358 रन की बड़ी बढ़त है और उसके पांच विकेट बचे हुए है। कर्नाटक की टीम ने दिन की शुरुआत बिना किसी नुकसान के 123 रन से की। कप्तान मयंक अग्रवाल (83)और रविकुमार समर्थ (82) शतक पूरा करने से चूक गए लेकिन दोनों ने पहले विकेट के लिए 159 रन की साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी। इन दोनों के पवेलियन जाने के बाद निकिन जोस (62) और देवदत्त पडिक्कल (69) ने तीसरे विकेट के लिए 118 रन की साझेदारी कर टीम के स्कोर को 300 रन तक पहुंचाया। श्रेयस गोपाल और मनीष पांडे (39) ने इसके बाद टीम के लिए पारी की तीसरी शतकीय साझेदारी की। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 108 रन जोड़े।

इंग्लिश लीग कप के फाइनल में पहुंचा न्यूकासल

एजेंसी। न्यूकासल

सऊदी समर्थित स्वामित्व ने न्यूकासल क्लब में नई जान फूंकी जब टीम ने मौजूदा शताब्दी में पहली बार कप फाइनल में जगह बनाई और साथ ही मौजूदा सत्र में चैंपियन्स लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में क्वालीफाई करने की राह पर भी है।

न्यूकासल ने मंगलवार को इंग्लिश लीग कप सेमीफाइनल के दूसरे चरण में साउथम्पटन को 2-1 से हराकर कुल स्कोर के आधार पर 3-1 से जीत दर्ज की। फाइनल में 26 फरवरी को न्यूकासल की भिड़ंत मैनचेस्टर यूनाईटेड से होने की उम्मीद है जो नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ पिछले हफ्ते पहले चरण के मुकाबले में 3-0 की जीत से अपनी स्थिति काफी मजबूत कर चुका है।

दूसरे चरण का मुकाबला बुधवार को होगा। न्यूकासल ने 1976 के बाद पहली बार लीग कप फाइनल में जगह बनाई है जबकि टीम ने पिछली बार फाइनल मुकाबला 1999 में एफए कप में मैनचेस्टर यूनाईटेड के खिलाफ खेला था। टीम अभी प्रीमियर लीग तालिका में तीसरे स्थान पर चल रही है और अगर सत्र का अंत शीर्ष चार में करती है तो चैंपियन्स लीग में जगह बना लेगी। एफए कप में ब्लैकबर्न ने दूसरे टीयर की अपनी साथी टीम बर्मिंघम को चौथे दौर के मुकाबले में 1-0 से हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई जहां उसका सामना लीसेस्टर से होगा। मैच का एकमात्र गोल आत्मघाती रहा जो बर्मिंघम के डिफेंडर ऑस्टन ट्रस्टी ने किया।

मोदी सरकार का अंतिम पूर्ण बजट : कहीं खुशी कहीं गम

भारत की वर्तमान वित्त वर्ष में सात प्रतिशत की विकास दर प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में उच्चतम है। भारत की अर्थव्यवस्था सही पथ पर आगे बढ़ रही है। स्वाधीनता के 75वें वर्ष में विश्व ने भारत की पहचान एक चमकते हुए सितारे की तरह की है और विश्व राष्ट्र की उपलब्धियों की सराहना कर रहा है।
निर्मला सीतारमण वित्त मंत्री, भारत सरकार

गरीबों को एक साल और मिलेगा मुफ्त अनाज, युवाओं रोजगार के लिए अहम ऐलान

आपका बजट

सीतारमण की पुत्री और रिश्तेदारों ने लोकसभा दीर्घा से देखी बजट कार्रवाई

एजेंसी। नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बुधवार को जब वित्त वर्ष 2022-23 का बजट पेश कर रही थीं, तब लोकसभा की दर्शक दीर्घा में बैठी उनकी पुत्री एवं रिश्तेदार उन्हें बड़े ध्यान से देख रहे थे। नरेन्द्र मोदी सरकार के वर्तमान शासन का यह अंतिम पूर्ण बजट होने के कारण इसे देखने आए लोगों से लोकसभा की दर्शक दीर्घा खचाखच भरी हुई थी। इन लोगों में निर्मला सीतारमण की पुत्री वांग्मई परकाला और उनके कई रिश्तेदार भी थे।

सीतारमण द्वारा बजट के कई प्रस्ताव की घोषणा किए जाने के समय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव तथा सदन की विशिष्ट दर्शक दीर्घा में बैठे राज्यसभा के कई सदस्यों को कुछ नोट्स लेते हुए देखा गया। वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में कहा कि विश्व ने भारत की एक चमकते हुए सितारे के रूप में पहचान की है क्योंकि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच देश ने स्वस्थ आर्थिक विकास दर्ज किया है।

बजट पर कांग्रेस ने कहा

मोदी सरकार की रणनीति 'वादे ज्यादा, काम कम की है'

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश बजट को लेकर बुधवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने पिछले साल बजट पर वाहवाही बटोरी थी, लेकिन वास्तविकता सामने आ गई क्योंकि उसकी रणनीति वादे ज्यादा और काम कम करने वाली है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया, पिछले साल के बजट ने कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, मनरेगा और अनुसूचित जातियों के लिए कल्याण से जुड़े आवंटन को लेकर वाहवाही बटोरी थी। आज वास्तविकता सर्वविदित है। वास्तविक खर्च बजट के मुकाबले काफी कम है। उन्होंने दावा किया, यह हेडलाइन मैनेजमेंट के लिए मोदी की ओपेड रणनीति- ओवर प्रॉमिस, अंडर डिलिवर (वादे ज्यादा, कम काम) है। वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में बुनियादी ढांचा विकास पर पूंजीगत व्यय 33 प्रतिशत बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने की घोषणा की गई है। यह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.3 प्रतिशत बैठता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण में कहा कि हाल में स्थापित अवसंरचना वित्त सचिवालय की मदद से और निजी निवेश आकर्षित किया जा सकेगा।

बजट में किसानों, आदिवासियों, महिलाओं, युवाओं के हितों का ध्यान रखा गया : फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय बजट में किसानों, आदिवासियों, महिलाओं, युवाओं और मध्यम वर्ग सहित समाज के सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखा गया है। फडणवीस ने यहां संवाददाताओं से कहा, सात लाख रुपये तक की आय पर कर में छूट से निम्न मध्यम वर्ग को मदद मिलेगी। वहीं 15 लाख रुपये तक की आय पर 1.5 लाख रुपये की आयकर सीमा से मध्यम वर्ग को बड़ी राहत मिलेगी।

रेलवे को अब तक का सर्वाधिक पूंजीगत परिव्यय 2.40 लाख करोड़ रुपये

एजेंसी। नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि 2023-24 के आम बजट में रेलवे के लिए पूंजीगत परिव्यय को बढ़ा कर 2.40 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है, जो अब तक का सर्वाधिक है। लोकसभा में बजट पेश करते हुए सीतारमण ने कहा रेलवे को 2013-14 में जो राशि आवंटित की गई थी, मौजूदा राशि उससे नौगुना अधिक है।

उन्होंने कहा कि कोयला, उर्वरक और खाद्यान्न क्षेत्रों के लिए अंतिम और प्रथम-मील कनेक्टिविटी के लिए 100 महत्वपूर्ण परिवहन बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की पहचान की गई है, जिसे 75,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ प्राथमिकता के आधार पर लिया जाएगा, इसमें 15 हजार करोड़ निजी क्षेत्र का होगा।

2013-14 में आवंटित राशि का नौगुना अधिक

उन्होंने कहा कि रेल में सफर करने वाले यात्रियों की बढ़ती उम्मीदों के साथ रेलवे राजधानी, शताब्दी, दुरंतो, हमसफर और तेजस जैसी प्रमुख ट्रेनों के 1,000 से अधिक कोच के नवीनीकरण की योजना बना रहा है। उन्होंने कहा कि इन कोच के अंतरिक हिस्सों को अत्याधुनिक बनाया जाएगा और यात्रियों के आराम के हिसाब से इसमें सुधार किया जाएगा। रेलवे के पुराने पटरियों को बदलने के लिए महत्वपूर्ण आवंटन किए जाने की संभावना है, क्योंकि रेलवे ट्रेनों को गति देने तथा अधिक स्थानों के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरूआत करने की योजना बना रहा है।

बजट पार्टी से ज्यादा देश के लिए हो तो बेहतर है : मायावती

एजेंसी। लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने केंद्रीय बजट पर अपनी प्रतिक्रिया में बुधवार को कहा कि लोग उम्मीदों के सहारे जीते हैं, लेकिन झूठी उम्मीदें क्यों? उन्होंने कहा कि बजट पार्टी से ज्यादा देश के लिए हो तो बेहतर होता है क्योंकि देश के 130 करोड़ गरीब, मजदूर, वंचित और किसान अपने अमृतकाल को तरस रहे हैं।

130 करोड़ गरीब मजदूर वंचित किसान आदि भारतीय तरस रहे हैं अमृतकाल को

उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में भी केन्द्र सरकार के बजट आते-जाते रहे जिसमें घोषणाओं, वादों, दावों व उम्मीदों की बरसात की जाती रही लेकिन मध्यम वर्ग महंगाई व बेरोजगारी के कारण निम्न मध्यम वर्ग बन गया हैं। बजट के बाद मायावती ने ट्वीट कर कहा, केन्द्र सरकार जब भी योजना लाभार्थियों के आंकड़ों की बात करे तो उसे यह जरूर याद रखना चाहिए कि भारत लगभग 130 करोड़ गरीबों, मजदूरों, वंचितों, किसानों आदि का विशाल देश है जो अपने अमृतकाल को तरस रहे हैं। उनके लिए बातें ज्यादा हैं। बजट पार्टी से ज्यादा देश के लिए हो तो बेहतर। उन्होंने कहा देश में पहले की तरह पिछले 9 वर्षों में भी केन्द्र सरकार के बजट आते-जाते रहे जिसमें घोषणाओं, वादों, दावों व उम्मीदों की बरसात की जाती रही, किन्तु वे सब बेमानी हो गए जब भारत का मिडिल क्लास महंगाई, गरीबी व बेरोजगारी आदि की मार के कारण निम्न मिडिल क्लास बन गया, अति-दुखद। मायावती ने कहा, इस वर्ष का बजट भी कोई ज्यादा अलग नहीं।

सरकार का ये बजट जनविरोधी अवसरवादी ममता बनर्जी

बोलपुर। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्रीय बजट को जनविरोधी करार देते हुए बुधवार को कहा कि इसमें गरीबों का ध्यान नहीं रखा गया।

बीरभूम जिले के बोलपुर में एक सरकारी समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि आयकर स्लैब में बदलाव से किसी की मदद नहीं होगी। उन्होंने कहा, यह केंद्रीय बजट भविष्यवादी नहीं है, और पूरी तरह से अवसरवादी, जनविरोधी तथा गरीब विरोधी है। यह केवल एक वर्ग के लोगों को लाभान्वित करेगा। यह बजट देश की बेरोजगारी के मुद्दे को हल करने में मदद नहीं करेगा। इसे 2024 के लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। बनर्जी ने कहा, आयकर स्लैब में बदलाव से किसी की मदद नहीं होगी। इस बजट में आशा की कोई किरण नहीं है-यह एक खराब बजट है। मुझे आधा घंटा दें और मैं आपको दिखाऊंगी कि गरीबों के लिए बजट कैसे तैयार किया जाता है।

5जी अनुप्रयोगों के लिए इंजीनियरिंग कॉलेजों में सौ प्रयोगशालाएं बनेंगी

वित्त मंत्री ने बजट भाषण में की भी प्रयोगशालाओं घोषणा की

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को घोषणा की कि शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के लिए तीन उत्कृष्टता केंद्र और इंजीनियरिंग संस्थानों में 5जी सेवाओं का उपयोग करते हुए अनुप्रयोगों को विकसित करने के लिए 100 प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी। वित्त मंत्री ने लोकसभा में अपने बजट भाषण में इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा, शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए तीन उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

पीएम आवास योजना : आवंटन 66 प्रतिशत बढ़ाकर 79000 करोड़ किया

केंद्र सरकार शहरी आधारभूत अवसंरचना विकास कोष पर हर साल 10,000 करोड़ रुपये खर्च करेगी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2023-24 का बजट पेश करते हुए बुधवार को ऐलान किया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए आवंटन को 66 प्रतिशत बढ़ाकर 79,000 करोड़ रुपये कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि राज्यों और शहरों को शहरी नियोजन के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। वित्त मंत्री की ओर से यह घोषणा भी की गई कि केंद्र सरकार शहरी आधारभूत अवसंरचना विकास कोष की तर्ज पर शहरी आधारभूत अवसंरचना विकास कोष की स्थापना करेगी तथा इसका प्रबंधन राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा किया जाएगा। केंद्र सरकार ने शहरी आधारभूत अवसंरचना विकास कोष पर हर साल 10,000 करोड़ रुपये खर्च करेगी। सीतारमण ने कहा कि सभी शहरों और नगरों में सीवरों और सेप्टिक टैंकों को मैनहोल से पूरी तरह मशीन होल मॉडल पर परिवर्तित किया जाएगा।

सीतारमण के चार बजट, हर बार कुछ न कुछ नया रहा

2019 पहला बजट: ब्रीफकेस बजट की जगह बहीखाता

सीतारमण ने पहले बजट के साथ ही परंपराओं को तोड़ना शुरू किया। 2019 में ब्रीफकेस बजट की जगह लाल कपड़े में बजट दस्तावेज लेकर पहुंचीं यानी बहीखाता। रिकॉर्ड दो घंटे 17 मिनट तक भाषण दिया। इससे पहले सबसे लंबी स्पीच जसवंत सिंह ने दी थी। 2003 में वे दो घंटे 15 मिनट तक बोले थे।

2020 दूसरा बजट: इतिहास का सबसे लंबा बजट भाषण

सीतारमण ने दो घंटे 42 मिनट तक भाषण दिया। ये भारतीय इतिहास का सबसे लंबा बजट भाषण था। तबीयत बिगड़ी तो आखिरी दो पन्ने पढ़े ही नहीं। पीठ से कह दिया कि इन दो पन्नों को पढ़ा हुआ मान लिया जाए।

2021 तीसरा बजट: पहली बार पेपरलेस बजट

सीतारमण लाल रंग के टैबलेट में बजट लेकर पहुंचीं। यह इतिहास बना। देश का पहला पेपरलेस बजट पेश किया गया। देश के तीन राज्यों हिमाचल (2015), ओडिशा (2020) और हरियाणा (2020) में पहले ही पेपरलेस बजट पेश किया जा चुका था।

2022 चौथा बजट: हलवा रस्म नहीं हुई, सबसे छोटा बजट भाषण

सीतारमण ने अपना सबसे छोटा बजट भाषण दिया। एक घंटे 30 मिनट का स्पीच रहा। कोरोना के चलते प्रिंटिंग से पहले होने वाली हलवा सेरेमनी भी नहीं हुई। अधिकारियों को मिठाई बांटी गई। हालांकि 2023 के बजट में ये रस्म वापस आ गई। सीतारमण ने अधिकारियों को हलवा बांटा। ये लॉक इन प्रॉसेस की शुरुआत होती है। यानी ये अफसर बजट जारी होने तक बाहरी दुनिया से कट जाते हैं। ऐसा गोपनीयता के चलते किया जाता है।

बजट प्रस्तावों से भारत को पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में मदद मिलेगी : राजनाथ

एजेंसी। नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 का केंद्रीय बजट किसानों, महिलाओं, हाशिए पर पड़े वर्गों एवं मध्यम वर्ग को सहायता प्रदान करने की प्राथमिकता के साथ विकास एवं कल्याण पर केंद्रित है।

बजट के प्रस्तावों से देश को कुछ वर्षों के भीतर ही पांच ट्रिलियन (पांच हजार अरब) डॉलर की अर्थव्यवस्था और विश्व की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने के लक्ष्य को पूरा करने में मदद मिलेगी। बजट विकास और कल्याणकारी नीतियों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है और यह छोटे व्यवसायियों, किसानों और पेशेवरों सहित समाज के सभी वर्गों को समान रूप से फायदा पहुंचाएगा। उन्होंने ट्वीट किया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में वित्त मंत्री द्वारा 2023-24 के लिए प्रस्तुत केंद्रीय बजट विकास और कल्याण पर केंद्रित है एवं इसमें किसानों, महिलाओं, वंचित वर्गों और मध्यम वर्ग को सहायता प्रदान करने को प्राथमिकता दी गई है। सिंह ने कहा कि कृषि, आवास, स्वास्थ्य और विनिर्माण क्षेत्रों में खर्च बढ़ाने के साथ ही बुनियादी ढांचा संबंधी परियोजनाओं में निवेश से नौकरियों के अवसर सृजित होंगे एवं हर किसी को अधिक अवसर मिलेंगे और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

बोले, बजट छोटे व्यवसायियों, किसानों पेशेवरों सहित समाज के सभी वर्गों को फायदा पहुंचाएगा

सदन में भाजपाइयों ने मोदी-मोदी, तो कांग्रेसियों ने जोड़ो-जोड़ो, भारत जोड़ो के नारे लगाए

निर्मला सीतारमण के बजट भाषण पढ़ने के दौरान सत्तारूढ़ दल के सदस्यों ने 100 से अधिक बार मेजें थपथपाई

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का उत्साह बुधवार को लोकसभा में भी देखने को मिला। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जब वर्ष 2023-24 का बजट भाषण पढ़ रही थीं तो सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सदस्यों के मोदी, मोदी नारे का जवाब, कांग्रेस सांसदों ने जोड़ो-जोड़ो, भारत जोड़ो नारे से दिया। निचले सदन में वित्त मंत्री सीतारमण ने बजट भाषण के दौरान जब मध्यम वर्ग और नौकरीपेशा लोगों को कर मोर्चे पर राहत की घोषणाएं की तब भाजपा सदस्यों ने कुछ देर तक मेजें थपथपाई और मोदी, मोदी के नारे लगाए।

इसके बाद कांग्रेस सदस्यों ने जोड़ो जोड़ो-भारत जोड़ो का नारा लगाया। इससे पहले, बजट भाषण शुरू होने के कुछ देर बाद जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी सदन में आए तो उनके साथ सदन में प्रवेश करने वाले पार्टी सांसदों ने भारत जोड़ो के नारे लगाए। गौरतलब है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी करीब पांच महीने की भारत जोड़ो यात्रा पूरी करने के बाद पहली बार संसद पहुंचे थे। लोकसभा में एक घंटा 25 मिनट के बजट भाषण के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अगले साल होने वाले आम चुनाव से पहले अपने पूर्ण बजट में मध्यम वर्ग और नौकरीपेशा लोगों को कर मोर्चे पर राहत देने, विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए एक योजना शुरू करने, कृषि क्षेत्र के विकास, महिलाओं, अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गों के विकास के लिए घोषणाएं की। सीतारमण के बजट भाषण का सत्तारूढ़ दल के सदस्यों ने 100 से अधिक बार मेजें थपथपाकर स्वागत किया। सदन में मौजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कई बार मेज थपथपाकर घोषणाओं का स्वागत किया। आयकर संबंधी बजटीय प्रस्तावों की घोषणा करने से पहले सीतारमण ने कहा कि अब वह बजट भाषण के उस खंड में आती हैं जिसका सभी लोग इंतजार कर रहे हैं। इसके बाद वित्त मंत्री ने मध्यम वर्ग और नौकरीपेशा लोगों को कर मोर्चे पर राहत की घोषणा करते हुए कहा कि इसमें नई कर व्यवस्था के तहत सात लाख रुपए तक की आय पर अब कोई कर नहीं लगेगा। इसके अलावा पहली बार नई कर व्यवस्था के तहत भी मानक कटौती के लाभ का प्रस्ताव किया गया है। कर राहत की घोषणाओं का बीजू जनता दल के पिनाकी मिश्रा सहित कुछ अन्य विपक्षी नेताओं ने मेज थपथपाकर स्वागत किया। बजट भाषण में सीतारमण जब प्रदूषण फैलाने वाले पुराने वाहनों को बदलकर नए वाहन लाने संबंधी उल्लेख कर रही थी तो उन्होंने पुराने पोल्यूटिंग व्हीकल बदलने के स्थान पर गलती से पॉलिटिकल व्हीकल पढ़ दिया। हालांकि, उन्होंने इसे तुरंत सुधार दिया। सीतारमण के बजट भाषण के दौरान लोकसभा की दर्शक दीर्घा में बैठी उनकी पुत्री एवं रिश्तेदार उन्हें बड़े ध्यान से देख रहे थे।

मोदी सरकार के वर्तमान शासन का यह अंतिम पूर्ण बजट होने के कारण लोकसभा की दर्शक दीर्घाएं पूरी तरह भरी हुई थीं। इन लोगों में निर्मला सीतारमण की पुत्री वांग्मई परकाला और उनके कई रिश्तेदार भी थे। निचले सदन में बजट भाषण के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी, नरेंद्र सिंह तोमर, धर्मेन्द्र प्रधान सहित अनेक केंद्रीय मंत्री एवं सांसद मौजूद थे। लोकसभा में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी, नेशनल कांफ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला, द्रमुक नेता दयानिधि मारन, कनिमोई, लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, राकांपा नेता सुप्रिया सुले, तृणमूल कांग्रेस नेता सुदीप बंदोपाध्याय, जदयू नेता राजीव रंजन सिंह आदि मौजूद थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब सदन में आए तब भाजपा सांसदों ने मेज थपथपाकर उनका स्वागत किया और भारत माता की जय के नारे लगाए। सुर्ख लाल रंग की सिल्क की साड़ी पहने सीतारमण वित्त वर्ष 2023-24 का बजट पेश करने के लिए बीते दो वर्षों की तरह, बुधवार को बही-खाते के समान पारंपरिक लाल रंग के बैग में टैबलेट लेकर संसद भवन पहुंचीं। डिजिटल स्वरूप में बजट को अपने भीतर समेटे इस लाल रंग के कपड़े के ऊपर सुनहरे रंग का राष्ट्रीय प्रतीक-चिह्न अशोक स्तंभ भी अंकित था।